ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक काले दिनों का सामना कर रहा: पी. राजीव @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 24 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-114

विधायक पीवी अनवर ने मांग की : सीएम विजयन ने समर्थन किया

गांधी उपनाम का प्रयोग करना बंद करें राहुल

तिरुअनंतपुरम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन में शामिल केरल की सत्ताधारी पार्टी सीपीएम के विधायक पीवी अनवर ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चौथे स्तर का नागरिक बताया और कहा कि राहुल को अपने नाम के साथ गांधी उपनाम का उपयोग नहीं करना चाहिए। अनवर ने यह भी कहा कि राहुल गांधी का डीएनए टेस्ट करवाया जाना चाहिए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने सीपीएम विधायक अनवर के बयान का पक्ष लिया और कहा कि राहुल गांधी को समझदारी से बोलना चाहिए। सीएम विजयन ने यहां तक कह दिया, मैंने सोचा था कि भारत यात्रा करने से राहुल गांधी में थोड़ी समझदारी विकसित होगी, लेकिन उन्होंने निराश किया है। राहुल अत्यंत अशोभनीय वक्तव्यों पर उतर आए हैं।

केरल के मलप्पुरम की नीलाम्बुर विधानसभा सीट से विधायक पीवी अनवर ने एक रैली में सोमवार 22 अप्रैल 2024 को कहा, राहुल गांधी चतुर्थ श्रेणी के नागरिक बन गए हैं। उनको अपने नाम में गांधी नहीं लगाना चाहिए। राहुल जो बयान दे रहे हैं, क्या नेहरू परिवार का कोई आदमी ऐसा बयान दे सकता है? मुझे शक है, राहुल का डीएनए टेस्ट होना चाहिए। अनवर ने कहा कि राहुल गांधी चौथे दर्जे के व्यक्ति हैं, उन्हें केवल राहुल कहना चाहिए वो गांधी सरनेम इस्तेमाल करने के लायक नहीं हैं। पीवी अनवर का यह बयान राहुल गांधी के एक बयान के जवाब में था। राहुल गांधी ने केरल में कांग्रेस के लिए प्रचार करते समय मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर प्रश्न उठाए थे। राहुल गांधी ने कहा था कि देश के दो मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन विजयन अब भी बचे हुए हैं। उन्होंने कहा था कि मैं 24 घंटे भाजपा की आलोचना करता हूं और विजयन 24 घंटे मेरी आलोचना करते हैं, यह समझ से बाहर है। केरल की चुनावी रैलियों में सीएम विजयन पर बार-बार हमला बोलते हुए राहुल गांधी यह कहते रहे कि अगर एक पूर्व मुख्यमंत्री (हेमंत सोरेन) और एक मुख्यमंत्री (अरविंद केजरीवाल) जेल में हो सकते हैं, तो भ्रष्टाचार के कई आरोप सामने आने के बावजूद केरल के मुख्यमंत्री के प्रति भाजपा सरकार का नरम रुख क्यों है।

- राहुल गांधी के डीएनए की जांच कराई जाए
- पं. नेहरू की नस्लें क्या ऐसी भाषा बोलेंगी?

सीपीएम विधायक अनवर को कांग्रेस ने गोडसे बताया

तिरुअनंतपुरम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राहुल गांधी पर पीवी अनवर के डीएनए वाले बयान के बाद केरल में काफी हलचल मच गई है। कांग्रेस नेताओं ने सीपीएम नेताओं पर हमला बोला है। कांग्रेस ने इस मामले में चुनाव आयोग से शिकायत भी की है। कांग्रेस ने पीवी अनवर पर पुलिस कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि अनवर का यह बयान सीएम विजयन की शह पर आया है। इसके साथ ही कांग्रेस सीपीएम पीवी अनवर को गोडसे बता कर राहुल गांधी को महात्मा गांधी से तुलना करने की भी धृष्टता कर रही है।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कार्यवाहक अध्यक्ष एमएम हसन ने शिकायत दर्ज कराई और कहा कि अनवर गोडसे का अवतार है, जिसने महात्मा गांधी की हत्या की थी।

राजस्थान में टोंक-सवाई माधोपुर की जनसभा में बोले प्रधानमंत्री मोदी

राम-हनुमान के विरोधी मुसलमानों को दे रहे आरक्षण!

टोंक (राजस्थान), 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर प्रचार के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हनुमान जयंती पर बजरंग बली की जय के साथ भाषण की शुरुआत की और राम एवं हनुमान विरोधी कांग्रेस को जमकर धोया। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक की एक घटना का जिक्र भी किया कि कांग्रेस की सरकार में कैसे एक व्यापारी को हनुमान चालीसा सुनने पर पीट-पीटकर लहूलुहान कर दिया गया। पीएम मोदी ने कहा, जहां-जहां कांग्रेस की सत्ता है, वहां हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे गदा देकर बजरंग बली की जय करने का अवसर दे दिया। मुझे शूरवीरों की धरती सवाई माधोपुर आने का मौका मिला। चुनाव के दिन हैं, एक-एक दिन में दो-तीन राज्यों में जाना होता है। यहां समय में थोड़ा परिवर्तन करना पड़ा। मुझे लगता है कि मेरी सभा के बाद भी यहां लोग आते रहेंगे। मैं इनमें उत्साह देख रहा हूं। उसमें एक मजबूत भारत के लिए आशीर्वाद है।

- एससी-एसटी-ओबीसी का अधिकार छीनकर मुस्लिमों को दे रहे
- कर्नाटक और आंध्र में धर्म के आधार पर आरक्षण क्यों दिया?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2011 में कांग्रेस ने एससी-एसटी को मिला अधिकार छीनकर मुस्लिमों को देने का प्रयास किया। कांग्रेस ने संविधान की परवाह नहीं की, बाबा साहब अंबेडकर की परवाह नहीं की। जब कर्नाटक में भाजपा की सरकार बनी तो पहला काम किया कि धार्मिक आधार पर आरक्षण खत्म कर दिया। कांग्रेस और इंडी अलायंस जब सत्ता में थे तो ये लोग दलितों और पिछड़ों के आरक्षण में सेंधमारी करते और वोट बैंक पॉलिटिक्स के लिए उनकी खास जमात को आरक्षण देना चाहते थे। संविधान इसके खिलाफ है। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस यह ऐलान करेगी कि इस संविधान में दलितों और पिछड़ों के आरक्षण को कम करके मुसलमानों को नहीं बांटेगी?

पीएम मोदी बोले कि देश में धार्मिक आधार पर आरक्षण का घोर विरोध हुआ था। कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण का खेला गंदा कार्ड

आरक्षण देने के लिए पूरे मुस्लिम समुदाय को ओबीसी बना दिया

- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने कर्नाटक सरकार के फैसले की निंदा की
- सरकार का फैसला संविधान विरोधी और सामाजिक न्याय के खिलाफ

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने मुसलमानों को राज्य सेवाओं में होने वाली भर्तियों में आरक्षण का लाभ देने और मुस्लिम बच्चों को शिक्षण संस्थानों में विशेष दाखिला देने के इरादे से मुस्लिम तुष्टिकरण का गंदा कार्ड खेला है। इसके लिए कर्नाटक सरकार ने पूरे मुस्लिम समुदाय को ही पिछड़ा वर्ग घोषित कर दिया है। विडंबना यह है कि इस फैसले पर मुस्लिम समुदाय की तरफ से कोई आपत्ति भी दर्ज नहीं की गई है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण की सुविधा देने के लिए पूरे मुस्लिम समुदाय को पिछड़ी जाति में वर्गीकृत करने के राज्य सरकार के फैसले की निंदा की है। आयोग ने कर्नाटक सरकार की इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा है कि इस तरह का वर्गीकरण सामाजिक न्याय के उसूलों को कमजोर करता है। एनसीबीसी ने कर्नाटक सरकार के इस फैसले को पूरी तरह संविधान विरोधी करार दिया है। कर्नाटक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, मुस्लिम समुदाय की सभी जातियों और तबकों को पिछड़े वर्गों की राज्य सूची में अगल कैटेगरी बनाकर सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के तौर पर लिस्टेड किया गया है। एनसीबीसी ने कई इलाकों का दौरा कर तालीमी इदारों और सरकारी नौकरियों में ओबीसी के लिए रियासत की रिजर्वेशन पॉलिसी का जायजा लिया था। एनसीबीसी ने सोमवार रात एक बयान में कहा कि, कर्नाटक में मुस्लिम धर्म की सभी जातियों और तबकों को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों में माना जा रहा है और उन्हें शैक्षणिक संस्थानों में दाखिला और नियुक्तियों में रिजर्वेशन प्रदान करने के लिए पिछड़े वर्गों की राज्य सूची में अलग से मुस्लिम जाति के तौर पर सूचीबद्ध किया गया है।

राहुल प्रलाप पर पुरी का करारा जवाब

अब तक 35 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के निर्विरोध जीतने पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जनता से अपना नेता चुनने का अधिकार छीनना संविधान खत्म करने की तरफ बढ़ाया गया कदम है। राहुल गांधी के आरोप पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पलटवार किया है और बताया कि देश के संसदीय इतिहास में ये पहली बार नहीं है कि किसी को निर्विरोध संसद के लिए चुना गया हो, इससे पहले 35 उम्मीदवार निर्विरोध जीत चुके हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, सूरत का चुनाव पहला नहीं है, जहां संसद का निर्विरोध चुनाव हुआ है। देश की आजादी के बाद से 35 उम्मीदवार संसद के लिए निर्विरोध चुने जा चुके हैं। एक बार फिर बिना पूरी जानकारी के राहुल गांधी ने टिप्पणी की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनकी लोकतंत्र में आस्था तब मजबूत होगी, जब उन्हें पता चलेगा कि निर्विरोध चुने गए 35 उम्मीदवारों में से आधे कांग्रेस के थे। साजिश रचने का उनका विश्वास उस वक्त डिगेगा, जब उन्हें पता चलेगा कि उनके गठबंधन के नेता डॉ. फारुख अब्दुल्ला 1980 में और डिंपल यादव भी 2012 में निर्विरोध चुनी जा चुकी हैं। उन्होंने शायद अपनी पार्टी के दक्षिण गोवा सीट से उम्मीदवार विरिएटो फर्नांडीज के बयान को नहीं सुना है, जो दोहरी नागरिकता की मांग कर रहे हैं और उनका कहना है कि गोवा पर संविधान थोपा गया। उल्लेखनीय है कि भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल चुनाव की रेस में एकमात्र उम्मीदवार बचे, जिन्हें निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया गया।

मुर्शिदाबाद में रामनवमी पर हुई हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त नाराज

जहां हिंसा हुई वहां चुनाव की अनुमति नहीं

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। रामनवमी के दिन पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग से बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव स्थगित करने को कहा है। अदालत ने सख्त लहजे में कहा, यदि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद दो समूहों के लोग लड़ रहे हैं तो एक-दूसरे को अपने प्रतिनिधि को वोट देने का कोई हक नहीं है। हिंसा मामले की एनआईए से जांच कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग से चुनाव स्थगित करने का आग्रह किया। याचिका पर अगली सुनवाई 26 अप्रैल को होगी।

हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव 7 मई और 13 मई को हैं। हम कहेंगे कि चुनाव कराने ही नहीं चाहिए। चुनाव का क्या फायदा? कोलकाता में भी 23 स्थान ऐसे हैं, जहां जश्न मनाया गया लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। यदि आचार संहिता लागू होने पर ऐसा हो रहा है, तो राज्य पुलिस क्या करती है? केंद्रीय बल क्या कर रहे हैं? दोनों झड़पों को रोक नहीं सके। अब तक कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है? इस पर राज्य की तरफ पेश हुए वकील ने कहा कि सीआईडी ने अब जांच अपने हाथ में ले ली है।कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सख्ती से कहा कि वह उन निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव की अनुमति नहीं देगा, जहां रामनवमी के दौरान सांप्रदायिक हिंसा हुई थी। अदालत ने कहा, अगर लोग आठ घंटे शांति से किसी भी पर्व का आनंद और जश्न नहीं मना सकते, तो हम चुनाव आयोग को ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव नहीं कराने की सिफारिश करेंगे। हाईकोर्ट ने हिंसा पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से हलफनामा दाखिल करने को भी कहा है। इसके साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग से मौजूदा स्थिति को देखते हुए बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव स्थगित करने को कहा। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि वह उन निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव की अनुमति नहीं देगा, जहां रामनवमी के दौरान सांप्रदायिक हिंसा हुई थी।

मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम की अध्यक्षता वाली पीठ की यह टिप्पणी 17 अप्रैल को रामनवमी जुलूस के दौरान मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर सुनवाई के दौरान आई। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि लोग शांति और सद्भाव में नहीं रह सकते हैं, तो हम कहेंगे कि चुनाव आयोग इन जिलों में संसदीय चुनाव नहीं कराए।

- चुनाव आयोग से बरहामपुर में चुनाव स्थगित करने को कहा
- हाईकोर्ट के प्रस्ताव पर चुनाव आयोग के निर्णय का इंतजार

एमडीएच और एवरेस्ट मसाला कंपनियों पर संकट

सिंगापुर और हांगकांग ने लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया में मसालों के सबसे बड़े उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक भारत ने सिंगापुर और हांगकांग के खाद्य सुरक्षा नियामकों से दो भारतीय कंपनियों के मसाला उत्पादों से जुड़े विवाद पर संबंधित ब्यौरा मांगा है। सरकार ने दोनों देशों में मौजूद दूतावासों को इस मामले में रिपोर्ट भेजने को कहा है। सिंगापुर और हांगकांग ने हाल ही में गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के कारण एमडीएच और एवरेस्ट कंपनियों के कुछ मसाला उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने इन दोनों देशों में मौजूद भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक विस्तृत रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया है। मंत्रालय ने प्रतिबंध के लपेटे में आने वाली दोनों कंपनियों एमडीएच और एवरेस्ट से भी विवरण मांगा है। उनके उत्पादों में मान्य सीमा से अधिक कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड होने के कारण प्रतिबंध लगाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, कंपनियों से विवरण मांगा गया है। भारतीय मसाला उत्पादों को नकारे जाने के मूल कारण का निदान किया जाएगा और संबंधित निर्यातकों के साथ मिलकर उसका समाधान किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि सिंगापुर और हांगकांग स्थित दूतावासों से इस संबंध में तकनीकी विवरण, विश्लेषणात्मक रिपोर्ट और निर्यातकों के बारे में ब्योरा मांगा गया है।

बीच-बचाव में उतरी भारत सरकार, ब्यौरा तलब

राम मंदिर से रामसेतु तक भगवा फहराने की पहल

तमिलनाडु बनेगा उत्तर दक्षिण का सेतु!

चेन्नई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। चढ़ती गर्मी के साथ लोकसभा चुनाव प्रचार में भी ताप चरम पर है। देश की जनता बेसब्री से मतदान का इंतजार कर रही है।

इस बार भाजपा को दक्षिण भारत से बहुत उम्मीदें हैं, खासकर तमिलनाडु में, जहां उसके खाते में एक भी लोकसभा सीट नहीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अन्नाद्रमुक के साथ गठजोड़ कर चुनाव लड़ा था और 37 सीटों पर अन्नाद्रमुक और एक सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। लेकिन 2019 में यह सीट भी भाजपा के हाथ से निकल गई। इस बार भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन नहीं है। पार्टी ने पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के साथ गठबंधन किया है और वह पहली बार राज्य में गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। इस चुनाव में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है और उसे पूरी उम्मीद है कि वह राज्य में अपने ऊपर लगे उत्तर भारत की पार्टी के ठप्पे को हटा सकेगी।

भाजपा इस बार तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत हासिल कर सकती है। यह सब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई के कारण संभव होता दिख रहा है। आईपीएस अधिकारी रहे अन्नामलाई का कद प्रदेश की राजनीति में बहुत तेजी से बढ़ा है और आज वे एमके स्टालिन के बाद तमिलनाडु के दूसरे सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में उभरे हैं। भले ही अन्नामलाई का यह पहला लोकसभा चुनाव है, लेकिन उन्होंने जिस तरह से राज्य में अपनी पकड़ बनाई है, उससे भाजपा के लिए उम्मीद बंधी है। उनके गतिशील नेतृत्व में भाजपा ने एन मन, एन मक्कल (मेरी भूमि, मेरे लोग) पदयात्रा के माध्यम से जनता के साथ एक अद्वितीय जुड़ाव स्थापित किया है।

जूझारू अन्नामलाई और असरदार मोदी-शाह का पूरा जोर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 22^0

मन की शांति से बढकर कोई धन नहीं: गौतमचंद कवाड़

गौशाला के लिए एकत्र की खाद्य सामग्री

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में मंगलवार को पूर्णिमा के अवसर पर महावीर गौशाला के मुक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर भिजवाई गई।

संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ ने बताया दया से तात्पर्य हमारे आसपास के लोगों के प्रति अच्छा होना है। उनकी तरफ विनम्र बनकर, उन्हें भावनात्मक समर्थन देकर, उनकी आर्थिक रूप से सहायता कर, उनके मनोबल को बढ़ा कर या बस उनके प्रति सहायक होकर दयालु बना जा सकता है। हमारे द्वारा किए गए अच्छे कृत्य और दयालु कृत्य न केवल मदद की आस लगाए

बैठे लोगों के लिए वरदान हैं बल्कि हमारे लिए भी एक वरदान हैं। जब हम दूसरों को उनके कार्यों में सहायता करते हैं, उनके प्रति विनम्र होते हैं और ऐसे अच्छे कृत्य करते हैं तो हमें सिद्धि और खुशी का अहसास मिलता है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना नें कहा

अतीत में दयालुता को अलग-अलग धार्मिक पुस्तकों और साहित्य में वर्णित किया गया है। हालांकि इन सभी विचार का विचार एक ही है। इन सभी के हिसाब से मनुष्य को अन्य मनुष्यों और साथ ही अन्य प्राणियों के लिए दयालुता दिखानी चाहिए। हमें विनम्र, मैत्रीपूर्ण और सहायक होना चाहिए। हमें दयालुता दिखानी चाहिए और बदले में कुछ पाने का उद्देश्य निर्धारित नहीं करना चाहिए। दया एक निःस्वार्थ कार्य है। अगर भगवान दयालु है और जो चीज हमें चाहिए वह हमें दे देता है तो हमें ऐसे ही दूसरों के प्रति दयालु होना चाहिए और जिस तरह से हम कर सकें उस प्रकार सहायता प्रदान करनी चाहिए। भगवान महावीर स्वामी ने कहा है एक उदार दिल, दयालु , सेवा और करुणा का जीवन वे चीजें हैं जो मानवता को नवीनीकृत करते हैं। पार्श्वनाथ इंग्लिश मीडियम स्कूल के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सिंघवी नें बताया कि गदग में पिछले करीब पांच वर्ष पूर्व साध्वी कैवल्य रत्ना श्री जी की पावन प्रेरणा से ये सेवा का कार्य चल रहा है जिसमे पूर्णिमा के दिन घर घर से लोग गौशाला के लिए रोटी, केले, गुड़ समेत कई खाद्य सामग्री लाते है।

लोगों के लिए शीतल पेयजल की सुविधा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा लोगों के लिए जगह जगह शुद्ध एवं शीतल जल सेवा का शुभारंभ किया गया। जिसमें चार अलग अलग व्यापारिक क्षेत्र में वाटर डिस्पेंसर लगाए गए। अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि बेंगलूरु में बढ़ती गर्मी के वाता-वरण में कुछ ही दिनों में अलग अलग दस जगह पर दस वाटर डिस्पेंसर लगाए जायेंगे जिससे लोगों को शुद्ध एवं शीतल जल उपलब्ध हो सके। मानव सेवा के प्रोजेक्ट चेयरमैन प्रमोद गुलेच्छा एवं गिरीश राकेचा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के मुख्य लाभार्थी कुशल राज, प्रमोद कुमार गुलेच्छा

एवं फ्यूचर किचन सिंक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के गौतमचंद, निकेश बाफना रहे। मंत्री विकास खटोड़ ने लाभार्थी परिवार की अनुमोदना करते हुए स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में ट्रस्ट मंडल के मंत्री कुशल राज गुलेच्छा, शाखा चेयरमैन भरत रांका, सलाहकार ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष मनीष गुलेच्छा, विकास पारेख, सहमंत्री हेमंत गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, गौतम कोठारी, अरुण भंसाली, नीलेश मेहता, उत्तम छाजेड, मनीष धारीवाल, अरविंद चोपड़ा, विनोद बाफना, तेजस छाजेड़ सहित शाखा के कई सदस्य उपस्थित रहे। यह जानकारी शाखा के प्रचार मंत्री कल्पेश लुंकड़ ने दी।

हनुमान जयंती पर पूजा अर्चना एवं अन्नदानम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व शांति एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा ने हनुमान जयंती के अवसर पर पवन पुत्र हनुमान की पूजा अर्चना की एवं अन्नदान का आयोजन किया।

कार्यक्रम के शुरुआत में मंच के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, कर्नाटक मारवाड़ी युवा मंच प्रांत के सचिव मोहित शर्मा एवं वरिष्ठ सदस्य पवन राजलिवाल ने भगवान हनुमान की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फिर 500 से अधिक संख्या में लोगों के बीच अन्नदान किया। इस आयोजन में मंच के वर्तमान शाखा अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, सचिव शुभम लोहिया एवं कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कर्नाटक के सभी मतदाताओं से आगामी 26 अप्रैल को ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करने की अपील की।

कार्यक्रम में मंच के सदस्य विनोद गर्ग, संकेत लाट एवं लक्ष्य तुलस्यान ने जय श्री राम का उद्घोष किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के साथ हुआ।

विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी में चैत्र पूर्णिमा की आराधना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी, श्री मुकुल प्रभु सागर जी और पूज्य साध्वी स्वर्णांजना श्री जी के द्वारा चैत्र पूर्णिमा की आराधना करवाई गई। आराधना के दौरान परमात्मा आदिनाथ और उनके प्रथम गणधर पुण्डरीक स्वामी की विशेष पूजा, चैत्यवन्दन और वन्दनाएं की गई।

आज ही के दिन पुण्डरीक स्वामी के साथ पांच करोड़ मुनि भगवन्त शत्रुंजय गिरिराज से मोक्ष पधारे थे। नवपद जी की आराधना के अन्तिम दिवस तप की आराधना की गई। तप जीवन का अमृत है। जैसे अमृत मिलने पर

मृत्यु का डर समाप्त हो जाता है वैसे ही हमारे जीवन में तप रूपी अमृत आने पर जीवन अमर हो जाता है। दूध को तपाने से मलाई, अन्न को तपाने से स्वादिष्ट भोजन, सोने को तपाने से आभूषण बन जाता है, वैसे ही शरीर को तप की अग्नि द्वारा तपाने से हमारे कर्म रूपी मैल निकलने लगता है। परमात्मा महावीर जानते थे कि उन्हें उसी भव में मोक्ष जाना है। फिर भी घाती कर्मों का क्षय करने के लिए दीक्षा लेकर एकमात्र तप धर्म का ही सहारा लिया। साढ़े बारह वर्ष तक भूमि पर बैठे और सोये नहीं। तप की साधना तभी फलीभूत हुई और सभी घाती कर्मों का क्षय कर केवलज्ञान को प्राप्त किया। तप चारित्र को चमकाने वाला है। कर्म निर्जरा कराने वाला है। जीव मात्र तप की आराधना कर सके इसलिए ऐसा तप अनशन, ऊणोदरी, उपवास आदि बारह प्रकार का बताया गया है।

जैन शासन में नवपद का अनूठा स्थान है। बाकी बहुत सारे पर्व वर्ष में केवल एक बार आते है जबकि यह ओलीजी पर्व वर्ष में दो बार आता है। संसार से बाहर निकलना हो तो नवपद की साधना से निकला जा सकता है। तप के द्वारा ही द्वारिका नगरी पर 12 वर्ष तक कोई संकट नही आया। तप हमारा भवोभव का साथी है ऐसा जानकर हमे तप धर्म में विशेष रुप से उत्साहित होकर प्रवृत्त होना चाहिए।

बंटवाल में चुनाव प्रचार

कभी भी नफरत की राजनीति में शामिल नहीं हुए: पद्मराज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बंटवाल के विभिन्न हिस्सों में चुनाव प्रचार किया। उम्मीदवार पद्मराज आर पुजारी, पूर्व मंत्री रामनाथ राय और पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं ने अल्लीपाडे, नवूर, अमतडी, मूलरापटना, करपे श्री रामंजनेय भजन मंदिरा, सिद्दकट्टे, रायी, पंजिकल्लु, कुक्कुप्पाडी, बस्तिकोडी, इर्वथुरपाडावु, कवलकट्टे और वाग्गा का दौरा कर चुनाव प्रचार किया। जनता को संबोधित करते हुए पद्मराज ने कहा हमने कभी नफरत की राजनीति नहीं की। हमे ऐसी नफरत की कोई जरूरत नहीं। हमें लोगों को कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों और हमने जो विकास योजनाएं बनाई हैं, उनके बारे में बताना चाहिए। निश्चित रूप से, कांग्रेस दक्षिण कन्नड़ में विजयी होगी। रिपोर्टों के मुताबिक, कांग्रेस की जीत पक्की है। हालाँकि, हमें सतर्क रहना चाहिए। विपक्षी दल दुष्प्रचार कर रहे हैं। ऐसी सूचना है कि घर-घर में पवित्र पुस्तकों की शपथ ली जा रही है। तो आइये धैर्यपूर्वक इस चुनौती का सामना करें। अगले दो से तीन दिनों में हमें सावधान रहने की जरूरत है। इस मौके पर पूर्व मंत्री रामनाथ राय, ब्लॉक अध्यक्ष बेबी कुंदर, सुदीप कुमार शेट्टी, चंद्र प्रकाश शेट्टी थुम्बे, पीयूष रोड्रिग्स, लवीना मोरस, जयंती पुजारी, सुदर्शन जैन, जगदीश कोयिला, मयिलप्पा सालियान, कैलार इब्राहिम, सुरेश जोरा, इब्राहिम नवाज और मधुसूदन शेनॉय समेत अन्य मौजूद थे।

सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए

मतदाता बिना किसी डर के मतदान करें: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि राज्य में पहले चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। शहर के मतदाता बिना किसी डर के मतदान कर सकें, इसके लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए हैं। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने बताया कि शहर पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के तहत पांच लोकसभा क्षेत्रों के 28 विधानसभा क्षेत्रों में जनता के सुचारू मतदान की सुविधा के लिए भारत के चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

उन्होंने कहा कि 3 अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, 24 डीसीपी, 52 एसीपी, 118 इंस्पेक्टर, 687 पीएसआई, एएसआई, 8511

एचसी, पीसी, 3,919 होम गार्ड जवान, 54 सशस्त्र दस्ते और 11 केंद्रीय पुलिस कंपनियों सहित 9,397 अधिकारियों को चुनाव कर्तव्यों के लिए तैनात किया गया है।

शहर पुलिस के साथ सीएअ-रपीएफ की 11 कंपनियां, केएसआरपी की 14 प्लाटून और सीएआर की 40 प्लाटून तैनात की गई हैं। शहर के 8 प्रभागों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ स्थानीय पुलिस अधिकारियों द्वारा प्लेग मार्च निकाला गया। 103 जांच चौकियां स्थापित की गई हैं और 91 उड़नदस्ते कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि उपद्रवी सूची में शामिल 5117 असमिया/आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर शांति भंग करने के खिलाफ सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। चुनाव के मद्देनजर होम गार्ड के जवान चुनाव कार्य के लिए विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर रहे हैं। शहर के 146 हिस्सों में हथियारबंद दस्तों के साथ पुलिस गश्त लगायी गयी है। उन्होंने कहा कि बरामद किये गये 5533 हथियारों को स्थानीय थाने में जमा कराया गया है तथा 1444 वारंटों का निष्पादन विशेष अभियान के तहत किया गया है। बेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नरेट के अधिकार क्षेत्र में बुधवार शाम 6 बजे से 26 अगस्त की रात 12 बजे तक निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। गैर-मतदाताओं को मतदान बंद होने से 48 घंटे पहले यानी बुधवार शाम 6 बजे के बाद निर्वाचन क्षेत्र छोड़कर अपनी मूल क्षेत्र में चले जाना चाहिए। किसी भी प्रकार का समूह बनाना प्रतिबंधित है। आयुक्त ने जनता से अपील की कि वे पुलिस सहायता के लिए चुनाव संबंधी अनियमितताओं की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस नंबर 112 पर संपर्क करें।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों द्वारा मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी एवं गुरूवर्या श्री स्वर्णाजना श्री जी की पावन निश्रा में श्री जिनकुशल सूरि जैन आराधना भवन बसवंगुड़ी के पावन प्रांगण में पूनम शाश्वत चैत्रमासिक ओलीजी के शुभ अवसर पर दादागुरु देव की पूजन विधि विधान के साथ लाभार्थी पुष्पादेवी झाबक एवं निर्मलादेवी भांडावत परिवार की तरह से कराई गई। पूजन में लाभार्थी परिवार सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित थी। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने पूजन में पधारे सभी भाग्यशालियों एवं लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।*

भाजपा सरकार पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस में जनता की जेब पर डाल रही डाका: शिवकुमार

भाजपा के विज्ञापन पर जमकर निशाना साधा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि भाजपा अपनी गलती कांग्रेस पर डालने की कोशिश कर रही है।

तमिलनाडु के चिदंबरम निर्वाचन क्षेत्र के सांसद तिरुमावलवन से शहर में उनके आवास पर मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने भाजपा के विज्ञापन पर जमकर निशाना साधा। भाजपा के कार्यकाल में ही बिजली बिल बढ़ाया गया। हमारी सरकार ने गृह ज्योति योजना के माध्यम से सभी उपभोक्ताओं को

बिजली बिल में छूट दी है और लोगों पर बोझ न पड़े इसका ध्यान रखा है। इतिहास में पहली बार कांग्रेस सरकार ने पिछले महीने बिजली बिल में 1.50 रुपये की कटौती की। लेकिन उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि बीजेपी ने विज्ञापन में हमारी सरकार के खिलाफ उल्लू खड़ा करने की कोशिश की है। भाजपा सरकार पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस में जनता की जेब पर डाका डाल रही है। 40 फीसदी रिश्वत का मामला बड़ी जेबकतरे का बड़ा उदाहरण है। ये सब भूलकर बीजेपी ने कांग्रेस पर जेब काटने का आरोप लगाया, ये शर्म की बात है। आज कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रतीकात्मक संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोगों का ध्यान इस ओर दिलायें कि केंद्र हमारे साथ लगातार गलत व्यवहार कर रहा है। सोमवार को हासन में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के आंसुओं पर प्रतिक्रिया देते हुए डीके शिवकुमार ने कहा देवेगौड़ा ने किस अन्याय के लिए आंसू बहाए हैं? उन्हें कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री बनाया था। बेंगलूरु देहात और रामनगर की जनता ने मुख्यमंत्री बनाया। इसलिए वे यह दावा नहीं कर सकते कि उनका योगदान क्या है। भाजपा और जद(एस) पार्टी के नेता कोविड के दौरान लापता हो गए। उन्होंने दवा, भोजन और उपचार सहित किसी भी चीज का जवाब नहीं दिया और अंत में वे कब्र पर भी नहीं आए। उन्होंने कहा कि चुनाव के कारण वह अब बार-बार आ रहे हैं।

विधान सौधा परिसर में कांग्रेस द्वारा प्रदर्शन का मामला

भाजपा ने मुख्य सचिव को निलंबित करने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में विधान सौधा परिसर में गांधी प्रतिमा के पास चल रहे विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने के लिए मुख्य सचिवों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। प्रतिनिधिमंडल ने नृपतुंगा रोड स्थित चुनाव आयोग कार्यालय का दौरा किया और इस बारे में शिकायत की। वे सूखा राहत के मुद्दे को लेकर विधानसौधा परिसर में गांधी प्रतिमा के पास रणदीप सुरजेवाला और सिद्धरामैया के नेतृत्व में केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह मांग की गई कि कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव रजनीश गोयल, जिन्होंने राज्य के विधान सौधा के परिसर में इस तरह के अनधिकृत विरोध प्रदर्शन की अनुमति दी को निलंबित किया जाना चाहिए। साथ ही तत्काल प्रभाव से जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। इस याचिका पर विपक्षी नेता आर. अशोक, राज्य

महासचिव पी. राजीव, पूर्व विधायक अखंड श्रीनिवासमूर्ति, विधान परिषद सदस्य रमेश गौड़ा ने हस्ताक्षर किए और आर. अशोक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने यह याचिका सौंपी। सूखा राहत का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। हालाँकि, अनौपचारिक रूप से केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करके, वे मतदात-ाओं के मन में पार्टी विरोधी भावना पैदा करते हैं और चुनाव में अवैध लाभ प्राप्त करते हैं। इसलिए, कांग्रेस के स्टार प्रचारकों, रणदीप सुरजेवाला, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ एक शिकायत दर्ज की गई है और एक अन्य याचिका में उन्हें अगले चरण के चुनाव अभियान में भाग लेने से रोकने का अनुरोध किया गया है।

कर्नाटक काले दिनों का सामना कर रहा: पी. राजीव

लड़कियों और छात्रों की जिंदगी सुरक्षित नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा नेता पी. राजीव ने इस बात पर आपत्ति जताई कि राज्य के सीएम और गृह मंत्री की कृपा से आज कर्नाटक को काले दिनों का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा चुनाव मीडिया सेंटर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कानून-व्यवस्था के अस्तित्व पर सभी को संदेह है। कर्नाटक में लड़कियों और छात्रों की जिंदगी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में एक घटना हुई जहां घर में घुसकर उसके माता-पिता की उपस्थिति में एक दलित की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। घटना यादगिरी की है। हालाँकि, एफआईआर काफी बाद में दर्ज की गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस राज्य में कानून व्यवस्था जिंदा है। क्या इस राज्य में दलित युवक की हत्या पर पर्दा नहीं डाला गया है? अगर किसी दलित की हत्या के 14 घंटे बाद तक पुलिस विभाग एफआईआर दर्ज नहीं कर सकता तो दलित समुदाय से आने वाला गृह मंत्री अपनी गरिमा कैसे बरकरार रख सकता है और अपने मंत्री पद के बारे में कैसे बोल सकता है? उन्होंने पूछा कि आप दलितों को कौन सा मुंह दिखाएंगे। इस गृह मंत्री में दलितों के बारे में बात करने की जरा सी भी नैतिकता नहीं है। दलित युवक की हत्या के बाद दलित माता-पिता ने उसके शव को 14 घंटे तक रखा। पी. राजीव ने मांग की कि यदि परमेश्वर में दलित होने के नाते गरिमा, सम्मान और स्वाभिमान है तो उन्हें इसी वक्त इस्तीफा दे देना चाहिए।

कर्नाटक में वित्तीय दिवालियापन पैदा हो गया है। मुख्यमंत्री अपनी गलतियों पर पर्दा डालने के लिए झूठे आरोप लगाने में लगे हैं। वह सबसे अक्षम मुख्यमंत्री हैं। सीएम ने जो लक्ष्य घोषित किया था, उसे हासिल करने में वे पूरी तरह विफल रहे हैं। आचार संहिता लागू होने के बावजूद मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने विधानसौधा में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। वहीं मंगलवार को कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों का एक समूह विधान सौधा में प्रदर्शन करने बैठा। क्या विधानसभा लोकतंत्र का प्रतीक है? क्या यह कांग्रेस कार्यालय है। मैं राज्य में महिलाओं को निर्वस्त्र करने का मामला, सामूहिक बलात्कार, रामेश्वरम कैफे विस्फोट, कुकर बम विस्फोट, विधानसौधा में पाकिस्तान जिंदाबाद मामलों का जिक्र नहीं कर रहा हूं। सिर्फ 3 दिन में कर्नाटक में 8 हत्या की वारदातें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा लोगों में यह भावना है कि क्या राज्य में जन-समर्थक सरकार है या तालिबान शासन चल रहा है। जब उनसे पूछा गया कि राज्य में हत्याएं, बलात्कार और आतंकवादी घटनाएं क्यों बढ़ रही हैं, तो उन्होंने कहा, डीके शिवकुमार भाइयों को पता है कि पुलिस स्टेशन में उनकी बादशाहत है। वर्तमान कांग्रेस नीत सरकार में चाहे वे कोई भी अपराध करें, उनके घर की सुरक्षा पुलिस करेगी। पी. राजीव ने आरोप लगाया कि अगर किसी निर्दोष युवती की हत्या हो जाती है, तो कांग्रेस सरकार पुलिस स्टेशन में आरोपी का राजा जैसा स्वागत करके उसके घर की रक्षा करने के लिए तैयार है। इस अवसर पर पूर्व विधायक अखंड श्रीनिवासमूर्ति, प्रदेश प्रवक्ता एम.जी.महेश सहित प्रमुख लोग उपस्थित थे।

सूखा प्रबंधन के लिए फंड नहीं देने पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

मोदी व शाह के कर्नाटक दौरे पर उठाया सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्र सरकार पर सूखा प्रबंधन के लिए राज्य को वित्तीय सहायता नहीं देने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस की ओर से मंगलवार को विधान सौधा के पास महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्री रामलिंगारेड्डी, केजे जॉर्ज, कृष्णा बायरे गौड़ा, भैरती सुरेश और कई विधायक मौजूद थे। रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आक्रोश व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सूखा प्रबंधन के लिए भुगतान किए बिना कर्नाटक की धरती पर कदम रखने की नैतिकता नहीं है। प्रदेश की जनता कांग्रेस पार्टी को जीता कर प्रधानमंत्री से बदला लेगी। वित्तीय सहायता न देकर वे राज्य को

धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कन्नडिगाओं से वोट मांगने में केंद्र सरकार से सवाल किया। वहीं बोलते हुए मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि केंद्र सरकार ने सूखा प्रबंधन के लिए फंड जारी नहीं किया है। इसलिए हमें सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। सुनवाई के दौरान वह पैसे जारी करने पर सहमत हो गए। लेकिन अभी तक एक भी रुपया नहीं दिया गया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी धनराशि का उपयोग राज्य सरकार अन्य कार्यों में नहीं करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि फसल क्षति मुआवजे के रूप में भुगतान सीधे किसानों के खाते में किया जाएगा। कठिन समय में पैसा दिए बिना सूखे के बाद मुआवजा देने का कोई मतलब नहीं है। यह कृषक समुदाय का अपमान और उपहास है। कृष्णा गौड़ा ने पूछा कि हमने क्या धोखा दिया है, वे हमारे खिलाफ इतनी नफरत क्यों रख रहे हैं, हम वित्तीय सहायता के लिए निष्पक्ष लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले में हमारे लिए राजनीति या प्रतिष्ठा महत्वपूर्ण नहीं है। महंगाई से लोग सहम गये हैं।

रोजमर्रा की जरूरतों की चीजों की कीमत 2-3 गुना तक बढ़ गई है। गरीबों और मध्यम वर्ग का श्रम अमीरों द्वारा साझा किया जा रहा है। बेरोजगारी दर 1947 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इन सभी विचारों को छुपाने के लिए भाजपा लोगों के मन में सांप्रदायिक भावनाएं बो रही है। उन्होंने बताया कि मूल्य वृद्धि से न केवल मुसलमान परेशान हैं, बल्कि हिंदू भी परेशान हैं जो आबादी का 85 प्रतिशत हिस्सा हैं। इस दौरान हाथों में तख्तियां लिए नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के लिए गो बैक के नारे लगाये। रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कन्नड़ में न्याय के नारे लगाकर ध्यान खींचा।

सीएम की माफी के बाद कांग्रेस पार्षद ने सरकार के खिलाफ गलत बयानबाजी पर माफी मांगी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। जिस दिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मृत छात्रा नेहा हीरेमथ के पिता निरंजन से माफी मांगी, कांग्रेस पार्षद ने कहा कि उन्होंने जानकारी के अभाव और दुख के कारण सरकार और पुलिस के खिलाफ बयान जारी किए थे। अगर उन्होंने गलत बयान जारी किया है तो वे माफी मांगते हैं। मंगलवार को सीएम

सिद्धरामैया ने निरंजन हिरेमथ से फोन पर कहा हम आपके साथ हैं। बहुत खेद है। सिद्धरामैया ने निरंजन हिरेमथ से साहस रखने को कहा। यह बातचीत कानून मंत्री एचके पाटिल के निरंजन के आवास के दौरे के बाद हुई। कर्नाटक के सीएम ने मंत्री पाटिल के फोन पर नेहा के पिता से बात की। सीएम की माफी का जवाब देते हुए, निरंजन हिरेमथ ने मामले को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपने के लिए सिद्धरामैया को धन्यवाद दिया। मंत्री पाटिल ने सीएम सिद्धरामैया को यह भी बताया कि मामला सीआईडी को सौंपे जाने से परिवार संतुष्ट है। मंत्री पाटिल ने सीएम को बताया कि नेहा का परिवार मामले में त्वरित सुनवाई के लिए विशेष अदालत की मांग करने के कर्नाटक सरकार के फैसले से भी खुश है। नेहा को न्याय मिलेगा। मंत्री पाटिल ने कहा, हम एक विशेष अदालत स्थापित करने और दोषियों को दंडित करने के लिए उच्च न्यायालय को पत्र लिखेंगे। निरंजन हिरेमथ ने कहा मैं एक विशेष अदालत स्थापित करने के फैसले के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। विशेष अदालत का नाम नेहा हिरेमठ के नाम पर रखा जाएगा। नेहा को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा जानकारी के अभाव में मैंने सरकार के खिलाफ बयान जारी किए थे। मैं कानून के बारे में नहीं जानता। सरकार ने अपना काम किया था। सीएम ने मेरे घर आने का वादा किया है। अगर मैंने गलत बयान जारी किया है तो मैं माफी मांगता हूं। मैंने दुखी होकर पुलिस कमिश्नर रेणुका सुकुमार के खिलाफ बयान दिया था। स्थानीय विधायक और नेता सभी हमारे साथ खड़े हैं। मामला अब सीआईडी के पास है। उन्हें जांच पूरी करने दीजिए। मैंने कहा था कि पुलिस विभाग ने उचित जांच नहीं की है। हालांकि पुलिस ने निष्पक्ष जांच की है। मैं पुलिस विभाग से भी माफी मांगता हूं। मैंने घबराहट में कुछ बयान जारी किए थे।

राज्य पुलिस असहाय, नेहा का मामला सीबीआई को सौंपा जाना चाहिए: बोम्मई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्य पुलिस पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ता जा रहा है और पुलिस असहाय होती जा रही है।

इसलिए नेहा हिरेमथ हत्या मामले की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए। हनुमान जयंती के मौके पर उन्होंने हुब्बल्ली के अशोकनगर में अंजनेय मंदिर में जाकर विशेष पूजा की और फिर मीडिया से बात करते हुए कहा कि नेहा के पिता निरंजन हिरेमथ ने कहा है कि उन्हें राज्य सरकार की पुलिस पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए मामले को

सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। राज्य में कोई कानून व्यवस्था नहीं है। पुलिस स्टेशन समझौता केंद्र हैं। राजनेता पुलिस को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे पुलिस असहाय होती जा रही है। उन्होंने कांग्रेस के लोगों पर हर चीज में राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए केपी नंजुडी के इस्तीफे को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा इसका कोई असर नहीं है। इसलिए इस्तीफे का कोई असर नहीं होगा।

व्यक्ति की नींद में कार्डियक अरेस्ट से मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां उल्लाल के पास कोल्या कनीरुथ-ोटा में हुई एक दुखद घटना में, 28 वर्षीय एक विवाहित युवक की नींद में ही हृदय गति रुकने से मौत हो गई। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी जीतेश (28) के रूप में हुई है। जीतेश रोजाना की तरह सोमवार की रात खाना खाकर सोने चला गया। हालांकि, मंगलवार देर तक वह नहीं उठा। जब परिजनों ने जांच की तो जीतेश को मृत हालत में पाया। जीतेश मेंगलूरु में केटीएम शोरूम में काम करता था और उसने कोरोना महामारी के दौरान पंडित हाउस निवासी एक लड़की से शादी की थी। उनके परिवार में पत्नी, माता-पिता, भाई और बहन हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अप्रैल को कर्नाटक आएंगे

दो दिनों में 14 लोकसभा सीटों को करेंगे कवर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अप्रैल से कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे पर होंगे, जहां उनका मुख्य ध्यान राज्य के उत्तरी हिस्से पर होगा। उत्तर कर्नाटक क्षेत्र बीजेपी का गढ़ माना जाता है और प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पार्टी की स्थिति मजबूत होगी। वह क्षेत्र की 14 लोकसभा सीटों पर छह रैलियों को संबोधित करेंगे। 28 अप्रैल को, प्रधान मंत्री मोदी दावणगेरे, कारवार और बेलगावी में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे और विजयपुरा, कोप्पल और कलबुर्गी निर्वाचन क्षेत्रों में

भी सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करेंगे जहां कांग्रेस ने नए चेहरों को मैदान में उतारा है। बीदर लोकसभा सीट पर कड़ा मुकाबला है, जहां भाजपा उम्मीदवार केंद्रीय राज्य मंत्री भगवंत खूबा का मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार सागर खंड्रे से है। पूर्व मुख्यमंत्री और बेलगावी से भाजपा उम्मीदवार जगदीश शेट्टर को भी कांग्रेस उम्मीदवार मृणाल हेब्बालकर से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस उम्मीदवार प्रिया जारकीहोली चिक्कोडी संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार अन्नासाहेब जोले के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। प्रभा मल्लिकार्जुन और गायत्री सिद्धेश्वर के बीच भी कांटे की टक्कर है। पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सावदी ने बीजेपी विधायक कराडी सांगन्ना को कांग्रेस में शामिल कराने में मदद की है। कलबुर्गी जिले की अफजलपुर विधानसभा सीट से छह बार के विधायक मलिकैया गुट्टेदार भी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने 2019 के आम चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को हराने में भाजपा के लिए प्रमुख भूमिका निभाई थी। भाजपा लिंगायत वोट बैंक को मजबूत करना चाहती है और उत्पीड़ित वर्गों और पिछड़ों का समर्थन बरकरार रखना चाहती है, जिन्होंने हमेशा उत्तरी कर्नाटक में भाजपा का समर्थन किया है, जहां 7 मई को दूसरे चरण में मतदान होना है। कांग्रेस को उम्मीद है कि इस बार उसकी गारंटी से फर्क पड़ेगा क्योंकि पूरे उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र में सामाजिक संकेतक कम हैं और गारंटी के लाभार्थी लोग उन्हें वोट देंगे। हालांकि, बीजेपी को भरोसा है कि प्रधानमंत्री मोदी की लहर पार्टी के लिए सभी बाधाओं को पार कर जाएगी और क्षेत्र में पकड़ बरकरार रखेगी।

प्रधानमंत्री को कन्नडिगाओं से कितनी नफरत है? : सीएम सिद्धरामैया

सूखे के समय उन्हें कर्नाटक की याद नहीं आती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आक्रोश व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जो राज्य के सूखा प्रबंधन के लिए धन जारी किए बिना कन्नडिगाओं के खिलाफ नफरत फैला रहे हैं, उनमें राज्य में आकर वोट मांगने की नैतिकता नहीं है। उन्होंने विधान सौधा के निकट महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस द्वारा किये गये विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। नरेंद्र मोदी और अमित शाह को राज्य और किसानों से नफरत है। राज्य को न्याय दो का मतलब है कि केंद्र ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केंद्र सरकार ने पहली बार राज्य की उपेक्षा की है। 100

साल बाद राज्य में भयानक सूखा पड़ा है। राज्य के 223 तालुक सूखा प्रभावित हैं। 22 सितंबर को केंद्र को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था और एनडीआरएफ को 18,172 करोड़ रुपये के अनुदान की मांग करते हुए एक अनुरोध प्रस्तुत किया गया था। मंत्री कृष्ण गौड़ा, चेलुवरयास्वामी, प्रियांक खड़गे ने दिल्ली जाकर मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात की और एक अनुरोध प्रस्तुत किया। मैंने स्वयं दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से मुलाकात की और अनुरोध किया। 23 दिसंबर को अमित शाह ने बैठक की और अनुदान जारी करने का वादा किया। लेकिन उन्होंने वादे के मुताबिक काम नहीं किया। वही अमित शाह ने राज्य में आकर राज्य सरकार की ओर से प्रस्ताव सौंपने में हो रही देरी की आल-ोचना की।

केंद्रीय मंत्री के सभी बयान झूठे साबित हुए हैं। राज्य सरकार को मजबूरन सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। सुनवाई के चरण में केंद्र सरकार के अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल ने अमित शाह और निर्मला सीतारमण का बचाव नहीं किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने वहां पैसा जारी न करने के जो बहाने बताए थे, वे झूठे साबित हुए हैं। मजबूरन अब केंद्र सरकार को मुआवजा देना होगा। केंद्रीय मंत्री यह दुष्प्रचार करते हैं कि सूखा प्रबंधन के लिए पैसा दिया जाएगा तो उसका उपयोग गारंटी योजनाओं में किया जाएगा। मैं पहले ही गारंटी योजनाओं पर 36 हजार करोड़ रुपये खर्च कर चुका हूं। हमने वर्ष 2024-25 के लिए 52 हजार करोड़ रुपये आरक्षित रखे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि एनडीआरएफ की धनराशि पूरी तरह से सूखा प्रबंधन पर खर्च की जाएगी।

राज्य सरकार ने अपने खजाने से 600 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर 32 लाख किसानों को पहली किस्त के रूप में 2 हजार रुपये का भुगतान किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हमारे द्वारा याचिका दायर करने के 7 महीने बाद भी केंद्र ने एक पैसा भी जारी नहीं किया है। पहले पैसा जारी करें, फिर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को राज्य में आकर वोट मांगने दें। सूखे के समय उन्हें कर्नाटक की याद नहीं आती। यह सिर्फ चुनाव में ही याद आता है।

प्रियंका गांधी के दौरे का कर्नाटक में नहीं होगा कोई असर: बी वाई विजयेंद्र

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने मंगलवार को कहा कि प्रियंका गांधी के दौरे का राज्य में कोई असर नहीं पड़ेगा। प्रियंका मंगलवार को कर्नाटक पहुंचीं और चित्रदुर्ग और बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्रों में विशाल सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया। विजयेंद्र ने कहा कि उनके दौरे से कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा प्रियंका की यात्रा का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और राहुल गांधी की यात्रा का भी कर्नाटक में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक प्रचार कर रहे हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। यहां के लोग भी नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का इंतजार कर रहे हैं।

मुझे पूरा विश्वास है कि लोग कर्नाटक में भाजपा और जद-एस गठबंधन को आशीर्वाद देंगे। भाजपा नेता के एस ईश्वरप्पा के निष्कासन पर उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक में भी बीजेपी की अनुशासन समिति है। लिंगराज पाटिल अध्यक्ष हैं। यह निर्णय केंद्रीय नेतृत्व के परामर्श के बाद लिया गया। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्हें (ईश्वरप्पा) पर्याप्त समय दिया गया, फिर भी उन्होंने खुद को सही नहीं किया। अंततः अनुशासन के लिए जानी जाने वाली पार्टी को उन्हें निष्कासित करना पड़ा।

पड़ोसी मुल्क से बंगाल में लगातार हो रही है घुसपैठ: शाह

रायगंज/मालदा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पड़ोसी मुल्क के घुसपैठिए बेरोकटोक पश्चिम बंगाल में आ रहे हैं और यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आई, तो वह बंगलादेश से होने वाले घुसपैठ रोक लगा देगी। श्री शाह ने राज्य के मतदाताओं से 30 से 35 सीटें सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा, मैंने आपको आश्वासन दिया है कि आप इस बार जब भाजपा उम्मीदवारों को वोट देंगे और 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करेंगे, तो उत्तर बंगाल में एक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में श्री मोदी ने गरीबों के लिए काम किया और केंद्र सरकार लगभग 80 करोड़ लोगों के लिए राशन वितरण कर रही है, 12 करोड़ शौचालय स्थापित किए हैं, चार करोड़ से अधिक पीएम आवास बनाए हैं,10 करोड़ उजाला गैस वितरित की हैं।

श्री शाह ने बंगाल को हिंसा से मुक्त बनाने का वादा करते हुए कहा, हमें एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बंगाल देश में एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां पंचायत चुनाव 2023 में लगभग 200 लोगों की हत्या कर दी गई और तृमणूल कांग्रेस के शासन के तहत राज्य में हुए प्रत्येक चुनाव में खूनी हिंसा हुई। उन्होंने कहा कि मां, माटी, मानुस के नारों के साथ तृणमूल सत्ता में आई है, अब माताओं-बहनों के लिए संदेशखाली में परिवर्तित (माटी) हो रहा है। बंगलादेशियों के लिए आश्रय स्थल में तब्दील कर दिया गया और मानुस की हत्या की जा रही है और उसे भ्रष्ट किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तृणमूल नेता, जो पहले छोटे घरों में रहते थे, उन्होंने अब 4/5 मंजिला ऊंची इमारतें बना ली हैं और गलत तरीके से पैसा कमाने के कारण उनके पास महंगी गाड़ियां हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय धन का बंदरबांट किया गया। बंगाल में हर जगह भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा, केंद्रीय एजेंसी द्वारा बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी के घर से 51 करोड़ रुपये जब्त किए जाने के बाद अब वो जेल जेल में हैं, लेकिन तृणमूल ने अभी तक उन्हें पार्टी से निलंबित नहीं किया है।

गौरतलब है कि दार्जिलिंग के साथ रायगंज और बालुरघाट लोकसभा सीटों पर 26 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान होगा। इससे पहले दिन में दो भाजपा उम्मीदवारों श्रीरूपा मित्रा चौधरी (मालदा दक्षिण) और खगेन मुर्मु (मालदा उत्तर) के लिए रोड शो करने के बाद श्री शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगे कि वह पड़ोसी मुल्क बंगलादेश से आकर यहां बसे शरणार्थियों हिंदू, बौद्ध, ईसाई और सिख को भारतीय नागरिकता देने का विरोध कर रही हैं। श्री शाह ने कहा कि उन हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता देने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि राज्य में कथित भ्रष्टाचार व्याप्त है और विकास निधि की हेराफेरी की गई और यहां तक कि राज्य के मंत्रियों के घरों से 50 से 75 करोड़ रुपए भी जब्त किए गए हैं। उन्होंने लोगों से कमल चिह्न पर मतदान करने का आग्रह किया और कहा कि यह केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के लिए और श्री मोदी के प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करने हेतु जाएगा।

उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में मालदा दक्षिण से भाजपा उम्मीदवार मात्र 5000 वोटों से हार गए थे, लेकिन इस बार मतदाताओं को 07 मई को कमल बटन दबाना चाहिए और श्रीरूपा मित्रा चौधरी की 50,000 से अधिक वोटों से जीत सुनिश्चित करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से कम से कम 30 सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करेंगे। इससे पहले श्री शाह ने खुले हुड वाले ट्रक पर उम्मीदवार के साथ एक रोड शो किया, जहां हजारों भाजपा समर्थकों ने चिलचिलाती धूप में उनका हौसला अफजाई की।

विधायी निकायों में महिलाओं को पुरुषों के समान महत्व देगी तेदेपा: नायडू

विजयनगरम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलुगू देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में तेदेपा-सहयोगी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद सभी विधायी निकायों में पुरुषों के बराबर महिलाओं को समान महत्व देने का वादा किया है। श्री नायडू ने मंगलवार को विजयनगरम जिले के गजपतिनगरम में महिलाओं के साथ बातचीत में सभी महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम (डीडब्ल्यूसीआरए) समूहों के लिए 10 लाख रुपए का ब्याज मुक्त ऋण देने का भी वादा किया। उन्होंने बातचीत में महिलाओं से कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से राज्य की सभी महिलाओं को अमीर बनाने की जिम्मेदारी लूंगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, जिनके पास लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने का बुनियादी ज्ञान भी नहीं है, शराब और गांजे की घर-घर आपूर्ति की व्यवस्था करने में माहिर हैं। उन्होंने ने तंज कसते हुए दोहराया कि राज्य का विकास तभी संभव है, जब श्री रेड्डी को सत्ता से बाहर किया जाए। उन्होंने राज्य में सभी वर्गों के लोगों की प्रगति के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का वादा किया।

गजपतिनगरम में महिलाओं की जबरदस्त प्रतिक्रिया से प्रसन्न श्री नायडू ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल तेदेपा के साथ ही संभव है। उन्होंने उनसे काली-सेट्टी अप्पाला नायडू (लोकसभा उम्मीदवार) और कोनपल्ली श्रीनिवास (विधानसभा के लिए राजग उम्मीदवार हैं) को भारी बहुमत से जिताने की अपील की। महिलाओं से उन धोखेबाजों की बातों में न आने की अपील करते हुए उन्होंने उन्हें बताया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दिवंगत एनटी रामाराव ही थे, जिन्होंने पैतृक संपत्तियों में महिलाओं को समान अधिकार प्रदान किया था, लेकिन श्री रेड्डी ने अपनी बहन को पैतृक संपत्तियों में हिस्सा नहीं दिया।

उन्होंने कहा, राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर लड़की को शिक्षा मिले, राज्य में प्रत्येक किमी के लिए एक प्राथमिक विद्यालय, प्रत्येक तीन किमी के लिए एक उच्च प्राथमिक विद्यालय और प्रत्येक पांच किमी के लिए एक उच्च विद्यालय की स्थापना की थी। हर मंडल के लिए एक जूनियर कॉलेज, हर मंडल के लिए एक इंजीनियरिंग कॉलेज और हर जिले के लिए एक मेडिकल कॉलेज की भी स्थापना की गई। उन्होंने याद किया और महिलाओं को बताया कि सभी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण भी प्रदान किया गया था।

श्री नायडू ने महसूस किया कि वह दिन दूर नहीं जब महिलाओं को विधायी निकायों में पुरुषों के बराबर प्रतिनिधित्व मिलेगा। इस बात पर अफसोस जताते हुए कि श्री जगन के सत्ता में आने के बाद से सभी वस्तुओं की कीमतें इतनी तेजी से बढ़ी हैं। श्री चंद्रबाबू ने कहा कि यह मुख्यमंत्री जहरीली शराब की बिक्री के कारण महिलाओं के विधवा होने के लिए जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा कि इन पांच सालों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार भी बढ़े हैं।

उन्होंने अपने वादे के मुताबिक सभी कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने का वादा किया, जिसमें हर घर के लिए तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर भी शामिल हैं। इस हिस्से में, टीडीपी-सहयोगी एनडीए सरकार आने वाले पांच वर्षों में प्रत्येक युवा को रोजगार प्रदान करने के लिए राज्य में संपत्ति बनाने का काम करेगी।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे कृषि स्थलों का किया निरीक्षण

कोच्चि, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा भारत-पाकिस्तान सीमा के समुद्री जल के साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीएमएफआरआई) द्वारा गुजरात में कच्छ जिले के कोरी और पडाला में विकसित नवीन और रणनीतिक समुद्री शैवाल खेती स्थलों का निरीक्षण किया है और विकासात्मक गतिविधियों की सराहना की है।

श्री मिश्रा ने इन स्थलों का दौरा करने के दौरान क्षेत्र में विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। सीएमएफआरआई की ओर से मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यहां बताया गया कि उनका ये दौरा किसानों की भलाई के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के व्यापक संदर्भ में भारत के समुद्री कृषि इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जिससे भारत के समुद्री शैवाल मिशन में तेजी आएगी। इस दौरान आईसीएआर-सीएमएफआरआई द्वारा विकसित क्षेत्र-विशिष्ट अनुकूलित स्वदेशी उच्च घनत्व पॉलीथीन (एचडीपीई) समुद्री शैवाल बेड़ा विकास, खेती प्रौद्योगिकी, उत्पादन प्रदर्शन और टिकाऊ कृषि प्रथाओं जैसी विकासात्मक गतिविधियों के बारे में प्रमुख सचिव को जानकारी दी गई। वहीं, प्रमुख सचिव ने उत्पादन के अर्थशास्त्र और इस परियोजना के सामाजिक-आर्थिक निहितार्थों के बारे में चर्चा में गहरी रुचि व्यक्त की। इस अवसर पर परियोजना ने कस्टम-निर्मित एचडीपीई राफ्ट पेश किए हैं, जो लचीली समुद्री शैवाल प्रजाति कप्पाफाइकस अल्व-रेज़ी की खेती के लिए समर्पित हैं। प्रत्येक बेड़े (जिसकी कीमत 16,000 रुपये है) का जीवनकाल 20 वर्षों का है। विज्ञप्ति के अनुसार यह इसमें शामिल उद्यमशील समुद्री शैवाल किसानों को भरपूर फसल का वादा करता है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि लचीलेपन, गतिशी-लता और संचालन में आसानी जैसी प्रौद्योगिकी विशेषताओं के आधार पर ग्रिड प्रौद्योगिकी तमिलनाडु जैसे राज्यों में नियोजित पारंपरिक तरीकों को पार करते हुए दक्षता के एक नए युग की शुरुआत करती है। इसकी क्षमता प्रति बेड़ा 0.3 से 0.5 टन तक का वजन झेलने की है और 300 से 400 टन तक वजन उठाने की क्षमता है। यह समुद्री शैवाल क्षेत्र को फिर से परिभाषित करने और नवीन ग्रिड प्रौद्योगिकी की क्षमता का दोहन करने के लिए तैयार है। प्रति बेड़ा किलोग्राम इसे समुद्री शैवाल समुद्री कृषि परिदृश्य में एक सच्चे गेम-चेंजर के रूप में अलग करता है।

श्री मिश्रा के दौरे के दौरान प्रदर्शित नवोन्मेषी आईसीएआर-सीएमएफआरआई ग्रिड तकनीक प्रधानमंत्री द्वारा अपनाई गई आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रतीक है। स्वदेशी विशेषज्ञता और अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके समुद्री शैवाल किसान बाधाओं को तोड़ने और समुद्री शैवाल समुद्री कृषि के माध्यम से समृद्धि के नए क्षितिज तय करने के लिए तैयार हैं।

विश्व-स्तर की शिक्षा व सेवा प्रदान करना एम्स संस्थानों की बड़ी उपलब्धि: मुर्मू

ऋषिकेश, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) चतुर्थ दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में विश्व-स्तर की शिक्षा और सेवा प्रदान करना एम्स, ऋषिकेश सहित, सभी अन्य एम्स संस्थानों की एक बहुत बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि है। शैक्षिक (टीचिंग) हॉस्पिटल्स के रूप में एम्स संस्थानों ने सर्वश्रेष्ठ मापदंड स्थापित किए हैं। इसके लिए मैं एम्स संस्थानों से जुड़े सभी लोगों की सराहना करती हूं।

श्रीमती मुर्मू ने कहा, मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई है कि यहां के विद्यार्थियों में छात्राओं की कुल संख्या 60 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा, पिछले सप्ताह मेरी मुलाक़ात इंडियन इकोनॉमिक सर्विस के अधिकारियों के नए बैचेस से हुई थी। उन अधिकारियों में भी लगभग 60 प्रतिशत संख्या महिला अधिकारियों की थी। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थ-व्यवस्था से जुड़े नीति निर्धारण से लेकर, टेर्टियरी हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती हुई भागीदारी एक बहुत बड़े और अच्छे सामाजिक बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत करती है।

राष्ट्रपति ने कहा, बेटियों की भागीदारी और सफलता के लिए मैं, एम्स ऋषिकेश, सभी छात्राओं के परिवार-जनों और सभी बेटियों को विशेष बधाई देती हूं। यह भी एम्स, ऋषिकेश के लिए और पूरे समाज के लिए गर्व की बात है कि इस दीक्षांत समारोह में पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या, छात्रों से अधिक है।

श्रीमती मुर्मू ने एम्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे देशवासियों के लिए इसका मतलब सबसे अच्छे डॉक्टरों द्वारा इलाज होना होता है। उन्होंने कहा कि सबसे अच्छा इलाज और कम से कम खर्च में इलाज होना भी एम्स की पहचान है। एम्स के इलाज का फायदा अधिक से अधिक लोगों को मिल सके तथा और अधिक संख्या में आप जैसे मेधावी विद्यार्थी एम्स में शिक्षा प्राप्त कर सकें, इन उद्देश्यों के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक एम्स की स्थापना की जा रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद सहित, भारतीय परंपरा की उपचार पद्धतियों के लिए उत्तराखंड में अनेक लोकप्रिय स्वास्थ्य केंद्र सेवारत हैं। एम्स, ऋषिकेश में एलोपैथी के साथ-साथ, आयुष चिकित्सा पद्धतियों द्वारा भी मरीजों का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि व्यापक स्तर पर, उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हुए उत्तराखंड की इस 'देव भूमि' की ख्याति, आरोग्य भूमि के रूप में भी स्थापित हो। उन्होंने कहा कि हमारे प्राचीन महाकाव्यों में, उत्त-राखंड के क्षेत्र को औषधि और उपचार से जोड़ा गया है। रामायण की कथा के अनुसार, इसी क्षेत्र से संजीवनी बूटी लेकर वायु मार्ग से हनुमान जी, प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण जी के पास पहुंचे थे तथा लक्ष्मण जी के उपचार में अपना योगदान दिया था। ऐसे कथानकों के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने गहन और कल्याणकारी संदेश दिए हैं। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि इसी महीने चार अप्रैल को मुझे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुंबई तथा टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा कार टी सेल थेरेपी लॉन्च करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। भारत में पहली बार इस तरह की जिन थेरेपी विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि यह थेरेपी अन्य देशों की तुलना में बहुत कम खर्च पर उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि एम्स, ऋषिकेश को ऐसे क्षेत्रों में कॉलेबोरेशन करके तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में डायबिटीज से प्रभावित लोगों की संख्या 10 करोड़ से अधिक है, जो विश्व में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि इसके इलाज के रूप में सेमाग्लुटाइड आजकल चर्चा में है। उत्तराखंड में धूप की कमी के कारण तथा स्थानीय खान-पान के कारण ओस्टियोपोरोसिस तथा एनीमिया जैसी बीमारियों से लोग, विशेषकर महिलाएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल मेडिसिन के इस युग में भी मेडिसिन से जुड़ी राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय समस्याओं के बारे में अनुसंधान करना तथा उनका समाधान करना एम्स, ऋषिकेश जैसे संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में बहुत तेज गति से परिवर्तन हो रहे हैं। परिवर्तन की यह गति बढ़ती ही रहेगी। इसलिए, आप सब हमेशा कुछ नया सीखने और कुछ नया करने का उत्साह बनाए रखें। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर, मेडिकल के 598 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की। साथ ही, टॉपर छात्र-छात्राओं को 14 स्वर्ण पदकों सहित कुल 16 पदकों से नवाजा गया। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आभार एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर(डॉ.) मीनू सिंह ने व्यक्त किया।

समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढायेंगे भारत और ओमान

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और ओमान ने समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए एक दूसरे के साथ सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है इससे क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) और रॉयल ओमान पुलिस तटरक्षक (आरओपीसीजी) के बीच मंगलवार को यहां पांचवीं वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक में यह सहमति बनी। इस बैठक को समुद्री क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अवैध गतिविधियों से निपटने और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों में मील का पत्थर माना जा रहा है।

रॉयल ओमान पुलिस कोस्ट गार्ड के सहायक कमांडिंग अधिकारी कर्नल अब्दुल अजीज मोहम्मद अली अल जाबरी ने बैठक में अपने देश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

यह उच्चस्तरीय चर्चा भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक राकेश पाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में क्षमता निर्माण कार्यक्रम, तटरक्षक बलों के जहाजों की एक दूसरे के यहां यात्रा, सी राइडर कार्यक्रम के कार्यान्वयन, प्रदूषण रिपोर्टिंग केंद्रों और परस्पर सहयोग पर आधारित व्यवस्थाओं के बीच पेशेवर संबंध स्थापित करने के लिए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों ने समुद्री चुनौतियों से निपटने में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की, जिससे क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा ढांचे को मजबूत किया जा सके। आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत ओमान के प्रतिनिधिमंडल को भारत की पोत निर्माण क्षमताओं से परिचित कराने के लिए गुरूवार को यहां रॉयल ओमान पुलिस तटरक्षक प्रतिनिधिमंडल और सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर (एसआईडीएम) के प्रतिनिधियों के बीच एक बैठक की भी योजना है।

कांग्रेस ने झूठी गारंटियां देकर जनता को ठगा: ठाकुर

शिमला, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी द्वारा हिमाचल को छलने व झूठी गारंटियाँ देकर ठगने का आरोप लगाते हुए आगामी लोकसभा चुनावों और विधानसभा उपचुनाव में सभी हिमाचलवासियों को एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार हेतु वोट करने का आह्वाह्न किया।

श्री ठाकुर ने कहा,''आज पूरा भारत लोकतन्त्र के महापर्व को पूरे उत्साह उमंग से मना रहा है और इन चुनाव में जनता को सिर्फ़ मोदी और मोदी की गारंटी पर भरोसा है। आज हिमाचल समय पूरे देश में कांग्रेस और उसकी गारंटियां फेल हैं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार दोबारा नहीं बनी क्योंकि वहां उन्होंने एक भी वादे पूरे नहीं किए थे। राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार देश में सबसे ज्यादा होते थे और 19 पेपर लीक हुए हुए। वहीं छत्तीसगढ़ में सिर्फ मुख्यमंत्री के परिवारजनों को ही सरकारी नौकरी मिलती थी। छत्तीसगढ़ में जहां महादेव एप घोटाला सामने आया वहीं राजस्थान के सचिवालय में ही करोड़ों रुपए और सोना बरामद हुआ। यह लोग किसी प्रकार हिमाचल और कर्नाटक में झूठी गारंटीयों के दम पर आए हैं पर आज एक भी वादा पूरा करने में पूरी तरह से फेल हो चुके हैं। ना 1500 प्रतिमाह माता बहनों को मिले हैं, ना 100 प्रति लीटर दूध और दो रुपये प्रति किलो गोबर खरीदा गया है। पांच लाख नौकरियों का दम भरने वालों ने अभी तक पांच युवाओं को भी नौकरी नहीं दी है। और इसीलिए आज जनता ने मन बना लिया है कि सरकार बनाएंगे तो सिर्फ श्री मोदी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हिमाचल में चार की चार और देश में 400 पार की बयार चल रही है और हिमाचल में विधानसभा उपचुनाव की सभी सीटें भाजपा बड़े अंतर से जीतने जा रही है।

श्री ठाकुर ने कहा, आपदा के समय हिमाचल की जनता के साथ मोदी सरकार डट कर खड़ी थी और हरसंभव सहायता देवभूमि को दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सदैव हिमाचल को प्राथमिकता देते हुए इसे अपना दूसरा घर माना है। आपदा के समय उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री से बात कर हर स्थिति का जायजा लिया और सभी जरूरी मदद सुनिश्चित कराई मगर आपदा की घड़ी में भी कांग्रेस राजनीति ही करती रही। केंदीय मंत्री ने कहा, हिमाचल में आपदा की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा एनडीआरएफ की 13 टीमों को बचाव नौकाओं और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया गया। नागरिकों की निकासी के लिए पोंटा साहिब में सेना के 1 पैरा एसएफ और 205 आर्मी एविएशन स्काड्रन की एक कॉलम भी तैनात की गई थी। इसके साथ हीं बचाव कार्यों के लिए भारतीय वायु सेना के दो एमआई-17 वी हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए थे जिससे समय रहते हजारों जानें बचाई जा सकीं। नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के माध्यम से भी मदद दी गई। मैं स्वयं कई दिनों तक हिमाचल में रहा और पूरे क्षेत्र का सघन दौरा कर राहत व बचाव कार्यों को आखिरी पीड़ित तक सुनिश्चित कराया। पटवारियों से टाइम बाउंड रिपोर्ट मंगवा कर डीसी को तुरंत पैसे रिलीज करने का निर्देश दिया।

हनुमान जयंती पर निकला योगी का जोरदार रोड शो

▪ मेरठ की सड़कों पर गूंजा, जय श्रीराम और जय हनुमान का नारा

मेरठ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमान की आज जयंती थी। अयोध्या में भगवान श्रीराम को 500 वर्ष बाद अपने भव्य मंदिर में विराजमान कराने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को मेरठ पहुंचे। उन्होंने लोगों से अपील की कि मेरठ वाले श्रीराम (रामायण सीरियल वाले) अरुण गोविल को सदन में पहुंचा दें। उनके इस आह्वान पर मेरठ के मतदाताओं ने योगी जी को जयश्रीराम कहकर विश्वास दिलाया कि 400 पार में हमारा भी योगदान होगा। मंगलवार को मेरठ की सड़कों पर तिल रखने तक की जगह नहीं थी। रोड शो में बहुसंख्यकों के साथ शामिल अल्पसंख्यक समाज ने भी अपने मुखिया का जोरदार अभिनंदन किया।

मेरठ से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अरुण गोविल के पक्ष में मंगलवार को योगी आदित्यनाथ ने रोड शो निकाला।

लगभग 45 मिनट से अधिक के रोड शो में जहां तक नजर गई, हर तरफ जनसमुद्र ही दिखा। यहां सड़कों पर तिल तक रखने की जगह नहीं थी। हनुमान जयंती पर मंगलवार को निकले योगी आदित्यनाथ के रोड शो ने भीड़ का नया रिकॉर्ड कायम किया। पूरे रास्ते योगी आदित्यनाथ को आश्वासन मिला कि आपने हमें सुरक्षा दी है, हम आपके नेतृत्व में मोदी जी को मेरठ का ताज देंगे।

योगी आदित्यनाथ को देख जनमानस अभिभूत हो उठा। सभी ने जय श्रीराम-जय श्रीराम के गगनभेदी नारे लगाए तो दूसरी तरफ राम जी की सेना चली, जो राम को लाए हैं आदि गीतों से भी पूरा माहौल राममय हो गया। मोदी-योगी जिंदाबाद, भारत माता की जय के नारों ने भी मेरठ की सड़कों पर जोश भर दिया। महिला, बुजुर्ग, पुरुष, युवा, बच्चे योगी की एक झलक पाने को आतुर दिखे। सभी ने योगी आदित्यनाथ के रोड शो के पल-पल की छवि अपने मोबाइल में कैद कर ली।

क्रांतिधरा मेरठ मंगलवार को भगवामय दिखा। यहां हर तरफ भगवा और भाजपा के झंडे दिखते रहे। बच्चे हों या भाजपा समर्थक, भगवामय होकर योगी आदित्यनाथ को अपना समर्थन देने पहुंचे।

बहुसंख्यक समाज के साथ अल्पसंख्यक समाज ने भी योगी का जोरदार स्वागत किया। रोड शो में मेरठ से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, मेरठ के सांसद राजेंद्र अग्रवाल, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया आदि मौजूद रहे।

हनुमान प्राकट्योत्सव पर टीकाराम मंदिर में हुआ सामूहिक सुंदरकांड का पाठ

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सत्य सनातन नारी शक्ति-लक्ष्मणपुरी, की ओर से सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल की अगुवाई में हनुमान महाराज के पावन प्राकट्योत्सव पर मंगलवार 23 अप्रैल 2024 को भव्य सुंदरकांड का आयोजन, निशातगंज गोमती पुल हनुमान सेतु मार्ग स्थित प्रतिष्ठित टीकाराम हनुमान मंदिर परिसर में किया गया। सुंदरकांड पाठ के उपरांत हुए भंडारे में बड़ी संख्या में भक्तगण उमड़े। इस अवसर श्री परमानंद हरि हर मन्दिर की संस्थापिका सपना गोयल ने आह्वान किया कि देवों और संतों की भूमि-भारत को अपनी आध्यात्मिक सनातन पहचान दिलवाने के लिए प्रत्येक हिंदू अपने-अपने स्थानीय मंदिरों पर हर मंगलवार को एकत्र होकर सुंदरकांड का पाठ अवश्य करें।

सपना गोयल की अगुवाई में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार 10 मार्च को 5 हजार महिलाओं द्वारा एक साथ सुंदरकांड कराने का संकल्प पूरा किया गया। इस क्रम में अब जल्द ही अयोध्याजी और प्रयागराज जैसे तीर्थों की पावन धरा पर भी पांच-पांच हजार महिलाओं द्वारा सामूहिक सुंदरकांड पाठ का संकल्प लिया गया है। यह आह्वान किया गया है कि हर मंगलवार को मंदिरों में भक्तों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड का पाठ किया जाए। इसके साथ ही हर माह मासिक संगोष्ठी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के व्यापक अभियान का संचालन भी प्रभावी रूप से किया जा रहा है।

सपना गोयल ने बताया कि इस साल सावन महीने में पांच सौ मंदिरों में महिलाएं एकत्र हो कर सुंदरकांड का पाठ करेंगी। सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल के संकल्प को धरातल पर साकार करने में उनके द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर गठित 51 शक्तिपीठ सनातनी महिला समूह अहम् भूमिका अदा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, बरेली, मुरादाबाद, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, लखीमपुर, रायबरेली, बनारस, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अयोध्या नगरी, बदायूं, बिजनौर, अमरोहा, सीता-पुर, कानपुर, जौनपुर सहित प्रदेश के पचास गांव और देश में मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उड़ीसा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु तक में यह अभियान पहुंच चुका है। विदेशों में मॉरीशस, अमेरिका, साउथ अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात तक में यह अभियान सक्रिय हैं। उल्लेखनीय है कि सपना गोयल उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को प्रभु श्रीराम के अनुज लक्ष्मण के नाम पर बसी लक्ष्मणपुरी के मूल नाम को स्थापित कराने और सनातन धर्म के पुनरुत्थान के लिए कार्य कर रही हैं। बीते कई वर्षों से वे मंदिर निर्माण और मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य भी करा रही हैं।

काशी में हनुमान जन्मोत्सव

60 फीट के रथ पर सजी रामलला की झांकी

11 हजार ध्वज लहराए, 1001 किलो लड्डू का भोग चढ़ा

वाराणसी, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भगवान शिव की नगरी काशी में मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमत प्रभु के जयकारे गूंजे। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में चारों तरफ हनुमान जी के जन्मोत्सव की धूम रही।

काशी में मंगलवार को घर से लेकर हनुमान मंदिरों तक प्रभु की पूजा-अर्चना और हनुमान चालीसा का पाठ होता रहा।

विभिन्न इलाकों से निकली शोभायात्राएं और प्रभात फेरिया संकट मोचन मंदिर पहुंचीं, जहां पर भक्तों ने ध्वजा अर्पण कर हनुमान जी की पूजा-अर्चना की और हनुमान चालीसा का पाठ किया।

पूर्वांचल के सबसे बड़े 60 फीट के रथ पर 25 इंच की श्री रामलला की झांकी सजाई गई, तो 11000 ध्वज लहराए गए। 251 डमरू के निनाद और जय श्री राम, जय हनुमान के जयकारे से पुरा वातावरण गूंजता रहा। 1001 किलोग्राम लड्डूओं का भोग लगाया गया। काशी के 40 स्थानों पर ध्वज यात्रा का स्वागत किया गया। हनुमान ध्वजयात्रा भिखारीपुर से जैसे ही आगे बढ़ी, रास्ते में जगह-जगह पर भक्तों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। नेवादा, सुंदरपुर, नारियां, लंका, रविदास गेट, संकटमोचन तिराहे पर विभिन्न संस्थाओं, समितियों एवं व्यापारियों द्वारा स्वागत किया गया। यहां पीने के लिए पेयजल, शर्बत, फलाहार आदि की व्यवस्था भी की गई थी। हनुमान ध्वजयात्रा में पूर्वांचल भर से 40 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए, जिन्होंने विश्व कल्याणार्थ संकट मोचन हनुमान जी के चरणों मे 11 हजार ध्वजाएं अर्पित कीं। 25 फीट की विशाल मुख्य ध्वजा समिति के अध्यक्ष रामबली मौर्य द्वारा अर्पित की गई, जिसके बाद श्रद्धालु हनुमान जी के चरणों में ध्वज अर्पित कर खुद को धन्य करते रहे। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक महा चालीसा पाठ कर प्रभु के समक्ष अपनी अर्जी लगाई। भिखारीपुर तिराहे से संकट मोचन मंदिर तक पूर्वांचल भर के भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं का हुजूम देख लगा मानो आस्था का ज्वार उमड़ गया हो। भक्तों का हुजूम इस कदर रहा कि 5.25 किलोमीटर की यह यात्रा पूरी करने में 4 घंटे से ज्यादा का समय लग गया।

बसपा प्रमुख मायावती ने फिर फेंका अलग राज्य का पासा

मौका मिला तो पश्चिम यूपी को बनाएंगे अलग राज्य

मेरठ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज मेरठ में हापुड़ रोड पर आयोजित जनसभा में एक बार फिर अलग राज्य का कार्ड फेंका। उन्होंने कहा कि उन्हें मौका मिला तो वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाएंगी।

मायावती ने अल्लीपुर में बसपा प्रत्याशी देवव्रत त्यागी की चुनावी सभा को संबोधित कर वोट करने की अपील की। इस बार लोकसभा चुनाव में यह मेरठ में उनकी पहली जनसभा थी। मायावती कई वर्ष बाद मेरठ में जनसभा करने पहुंचीं। उन्होंने मच से भाजपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और अलग राज्य का दांव भी फेंका।

मायावती ने कहा कि यदि जनता ने हमें केंद्र में सरकार बनाने का मौका दिया तो सबसे पहला कार्य है उत्तर प्रदेश का बंटवारा करके पश्चिम उत्तर प्रदेश बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ बेंच की तर्ज पर मेरठ में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की जाएगी। सभी बेरोजगार, दलित, मुस्लिम, गरीब, युवाओं को स्थाई रोजगार यानी सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने पश्चिम उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को भी गन्ने का उचित मूल्य दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस और विपक्षी दलों की सहयोगी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सभी राजनीतिक दलों ने देश के गरीब लोगों के साथ अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि संविधान के साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास किया जा रहा है। जहां दलित अति पिछड़ों के आरक्षण के साथ छेड़छाड़ की गई है, वहीं सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन में आरक्षण नहीं दिया जा रहा है। भाजपा की सरकार गरीबों को दो वक्त का सरकारी राशन देकर उनका असली रोजगार का अधिकार छीन रही है। उन्होंने मंच से अपनी सरकार के 2007 से 12 तक उत्तर प्रदेश की जनता के लिए किए गए कार्यों को भी गिनाया।

अमरोहा की जनसभा में बोले मुख्यमंत्री

आतंकी हमलों के वक्त कान में तेल डालकर सो जाते थे कांग्रेसी

अमरोहा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार के समय आतंकी वारदात होती थी तो यह कानों में तेल डालकर सो जाते थे। कहते थे कि हम देख रहे हैं, देखेंगे और आतंकी वारदात कर देता था। समाजवादी पार्टी ने तो बेशर्मी की हदें पार कर दीं। जिन लोगों ने अयोध्या के राम जन्मभूमि व काशी में संकट मोचन मंदिर पर हमला किया था, उन आतंकियों के मुकदमों को सपा ने वापस लेने का दुस्साहस किया, लेकिन न्यायपालिका ने सपा के इस मंशा को पूरा नहीं होने दिया। कोर्ट ने सपा पर तीखी टिप्पणी की थी कि आज आतंकियों के मुकदमे वापस ले रहे हो और कल बेशर्मी के साथ इन्हें पद्म पुरस्कार से नवाजकर देश की जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ करोगे। न्यायपालिका यह नहीं होने देगी।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने मंगलवार को अमरोहा के हसनपुर में जनसभा कर कंवर सिंह तंवर को कमल के फूल चुनाव चिह्न पर वोट देने की अपील की। सीएम योगी ने हनुमान जी का जयकारा लगाते हुए कहा कि आज हनुमान जयंती है। हनुमान जी के आराध्य श्रीराम को अयोध्या में विराजमान करने का कार्य मोदी जी ने किया है, इसलिए बोलेंगे, जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे और कमल खिलाएंगे।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 के पहले आतंकी वारदात और बम विस्फोट होते थे। लोग भयभीत रहते थे। 2014 के बाद आतंकवाद को नियंत्रित किया गया।

2019 आते-आते मोदी जी ने ऐसा कार्य किया कि आतंकवाद की जड़ धारा-370 को उखाड़ फेंका गया। भारत से आतंकवाद को नेस्तनाबूद कर दिया गया। अब पटाखा फूटने पर पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है। दुश्मन को भी भारत की ताकत का अहसास है। उसे पता है कि अब भारत में आतंकी घटनाएं हुईं और निर्दोष की जान गई तो लेने के देने पड़ जाएंगे।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा विकास की बात करती है। अमरोहा से दिल्ली की दूरी महज 165 किमी. है। 2014 के पहले इस दूरी को तय करने में पांच घंटे लगते थे। कांग्रेस सुविधा और समय की कीमत को नहीं समझती थी। हम अमरोहा को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ रहे हैं। अब डेढ़ घंटे में दिल्ली, चार घंटे में लखनऊ व छह घंटे में प्रयागराज जा सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने 1970 में गरीबी हटाओ का नारा दिया था। गरीबी नहीं हटी, लेकिन एक परिवार को देश के संसाधनों को लूटने की पूरी छूट मिल गई थी। चाहे वह परिवार दिल्ली का हो या सैफई हो। यह लूटते थे और अराजकता फैलाते थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह कहते थे कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमानों का है तो दलित, पिछड़ा, खड़गवंशी, सेमी, गरीब, किसान, माताएं-बहनों और नौजवान कहा जाएंगे।

सीएम ने आरोप लगाया कि कांग्रेसी और सहयोगी दलों के रूप में आए इंडी गठबंधन वालों ने देश के साथ गद्दारी किया है और फिर गद्दारी करने के लिए यह झूठे घोषणा पत्र के साथ आए हैं। यह कहते हैं कि हमारी सरकार बनी तो सरिया कानून लागू कर देंगे।

वे यह जान लें कि देश बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा, किसी सरिया कानून से नहीं। यह कहते हैं कि जनता की प्रॉपर्टी को हथियाकर फिर बंदरबांट करेंगे। आपके बाप-दादा ने कमाकर सम्पत्ति रखी है, क्या आप सपा व कांग्रेसियों को अपनी सम्पत्ति पर डकैती डालने की छूट देना चाहते हैं। इन बेशर्मों की हालत देखिए। एक तरफ आपकी सम्पत्ति पर कुदृष्टि है तो दूसरी तरफ माफिया व अपराधियों को गले का हार बनाकर फातिहा पढ़ रहे हैं।

सीएम ने कहा कि 2017 और 2022 में महेंद्र खड़गवंशी के प्रचार में आया था। कबीर दास के वचनों को अंगीकार करते हुए आपने महेंद्र खड़गवंशी को चुनाव जिताकर भेजा।

वे निरंतर विकास कार्यक्रमों को बढ़ा रहे हैं। जो सपना कभी कल्याण सिंह का था, उस सपने को साकार करने के लिए कंवर सिंह तंवर के साथ मिलकर महेंद्र खड़गवंशी लगातार प्रयास करते रहे हैं। कल्याण सिंह की भावनाओं के अनुरूप राम मंदिर अयोध्या में बन गया। जब कल्याण सिंह का देहांत हुआ तो सपा के लोग गए भी नहीं। इन लोगों ने कल्याण सिंह का अपमान किया है। सीएम ने कहा कि गरीब-वंचित किसी भी जाति का हो, उसे अब योजनाओं का लाभ मिल रहा है। 10 वर्ष में मोदी जी के शासन में विकास और गरीब कल्याण के अनेक कार्य हुए। आखिरकार 65 वर्ष तक कांग्रेस रही, चार बार सपा की सरकार रही और बसपा को भी अवसर मिला, लेकिन इन लोगों ने क्या किया। यह लूटकर केवल परिवार को भर रहे थे। इन्हें गरीबों को चिंता नहीं थी। इंदिरा गांधी ने नारा दिया था कि गरीबी हटाओ, पोता भी तोता की तरह वही रट रहा है।

सीएम ने कहा कि आपका वोट गलत हाथों में गया तो आतंकवाद ला सकता है और यदि भाजपा को वोट गया तो आतंकवाद को सीमा पार ही निपटा देगा। आज पाकिस्तान कहता है कि हमारे देश के एक-एक आतंकियों को चुन-चुन कर भारत ने निपटा दिया है। भाजपा को मिलने वाला एक-एक वोट सुरक्षा की गारंटी, कर्फ्यू से मुक्ति और कांवड़ यात्रा को ले चलने की गारंटी देता है। कांग्रेस के समय गरीबी बढ़ी तो मोदी के शासन में 10 वर्ष में 25 करोड़ लोग गरीबी से मुक्त हुए। सीएम ने कहा कि पिछली बार धोखा हुआ। आपने जिसे सांसद चुना, वह भारत मां की जय भी नहीं बोलता। पहले उसने हाथी का सहारा लिया, जब यहां चर-खा लिया तो अब वह हाथ का सहारा लेकर संसाधनों को लूटने का प्रयास कर रहा है। भारत मां की जय न बोलने वाले को कतई वोट न देना। रहेंगे और खाएंगे भारत का, लेकिन भारत मां की जयकार नहीं करेंगे, ऐसा नहीं हो सकता है। यह लोकतंत्र को कमजोर करने का हिस्सा है। यह देश और वोट आपका है। अपने सुरक्षित जीवन, उज्ज्वल भविष्य और भारत मां को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के लिए फिर से मोदी आवश्यक हैं। भारत की प्रगति-समृद्धि चाहने वाले पीएम मोदी के समर्थन में हैं।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरि गोस्वामी, विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सिंह सैनी, जिला प्रभारी सत्यपाल पाल, हरि सिंह ढिल्लो, विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, राजीव तरारा, जिला पंचायत अध्यक्ष ललित पंवार, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंहल, पूर्व विधायक तोताराम, संगीता चौहान, हसनपुर के नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी आदि मौजूद रहे।

व्यक्तित्व

व्यक्ति का स्वास्थ्य बताएंगी उसकी आंखें

आंखें दिल की जुबान होती हैं। आंखों से ही हम लोगों के मन की बात को जान सकते हैं। सभी लोगों की आंखों का रंग अलग-अलग होता है। ऐसे में आंखों के रंग के हिसाब से उसके स्वभाव के बारे में भी पता लगाया जा सकता है। किसी व्यक्ति की आंखों का रंग काला और किसी का ब्राउन होता है। आइए जानिए आंखों के हिसाब से व्यक्ति के स्वभाव के बारे में

भूरी आंखें

जिन लोगों की आंखों का रंग भूरा होता है, वे काफी अच्छे और प्यार करने वाले सदस्य होते हैं। ऐसे लोग दूसरों को जल्दी आकर्षित कर लेते हैं और घर से बाहर रह कर ज्यादा खुश रहते हैं। भूरी आंखों वाले लोग पैसों की परवाह नहीं करते और दोस्त बनाने में विश्वास रखते हैं।

हरी आंखें

हरी आंखों वाले लोग देखने में बहुत सुंदर होते हैं। ऐसे लोग बुद्धिमान और भावुक स्वभाव वाले होते हैं। ये लोग काफी मजाकिया स्वभाव के होते हैं और जिंदादिली से जीते हैं। इसके अलावा हरी आंखों वाले लोग थोड़े ईर्ष्यालु प्रवृति के होते हैं।

नीली आंखे

इस रंग की आंखों वाले लोग स्मार्ट और दयालु स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग दूसरों को जल्दी अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हैं और जरूरत पड़ने पर मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

काली आंखें

दुनिया में ज्यादातर लोगों की आंखें काले रंग की ही होती हैं। ऐसे लोग थोड़े भावुक स्वभाव के होते हैं लेकिन ये दूसरों पर जल्दी भरोसा नहीं करते। इसके अलावा काली आंखों वाले लोगों में धैर्य की कमी होती है।

ग्रे आखें

इस तरह की आंखों वाले लोग शांत और बुद्धिमान स्वभाव के होते हैं और अपने आप में रहना पसंद करते हैं। इन्हें वफादार और सादा जीवन जीने वाले लोग पसंद होते हैं।

हल्की भूरी आंखें

हल्की भूरी आंखों वाले लोग रहस्यमयी और आजाद ख्यालों वाले होते हैं। ऐसे लोग मीठा बोलने वाले और दयालु स्वभाव के होते हैं लेकिन ये लोग अपने आप में खोए रहते हैं जिस वजह से इनके साथ रहना थोड़ा मुश्किल होता है।

कटहल के बीज के फायदे, आप भी जानिए

आम तौर पर कटहल की सब्जी और इससे बने पकवानों को लोग बेहद पसंद करते हैं, और बेशक यह मजेदार भी होते हैं। जहां कटहल स्वाद के साथ सेहत से जुड़े फायदे देता है, वहीं इसके बीज भी कम खास नहीं है। कटहल के बीज भी सेहत से भरपूर होते हैं। जानिए 5 फायदे –
1 कटहल के बीज डायट्री फाइबर से भरपूर होते हैं और इसमें कैलोरी भी कम होती है, अतः ये वजन कम करने में आपकी मदद करते हैं।
2 कटहल के बीज मैग्नीशियम, मैग्नीज जैसे तत्वों से भरपूर होते हैं जो हड्डियों में कैल्शियम अवशोषण में मददगार होते हैं। ये रक्त का थक्का जमने से रोककर रक्तसंचार में भी मदद करता है। 3 इसके बीजों में काफी मात्रा में स्टार्च पाया जाता है, जो आपके शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। यह ऊर्जा के लिए बेहतरीन स्त्रोत है जो कि स्वादिष्ट भी है। 4 कटहल के यह बीज एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो बढ़ती उम्र की गति धीमी करने के साथ्स ही आपको तनाव से भी दूर रखने में मददगार होते हैं। 5 इसमें लिग्नेंस, आइसोफलेवोन्स, सैपनिन्स एवं अन्य लाभारी फायइटोन्यूट्रीएन्स पाए जाते हैं जो मानसिक व शारीरिक सेहत के लिए लाभकारी है।

एक्यूप्रेशर से करें थायराइड का उपचार

थायराइड जिसमें लक्षण शुरूआत में दिखाई नहीं देते, जैसे रोगों के उपचार के लिए एक्यूप्रेशर थेरेपी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। थायराइड डिस्ऑर्डर थायरॉयड ग्रंथि का आम विकार है। थायराइड हार्मोन शरीर के चयापचय और लगभग हर अंग प्रणाली के विनियमित को प्रभावित करता है। यह बताता है कि अंग कैसे तेजी या धीमी गति से काम करते हैं। थायराइड हार्मोन शरीर की ऑक्सीजन की खपत और हीट के उत्पादन को नियंत्रित करता है। थायराइड समस्याएं जैसे ओवर एक्टिव और अंडरएक्टिव थायराइड गंभीर रूप से चयापचय को प्रभावित करता है।

थायराइड ग्रंथि में गड़बड़ी से चयापचय प्रभावित होने से आपको अधिक थकावट महसूस होती है और वजन बढ़ने लगता है। साथ ही अन्य समस्याएं भी होने लगती है। हाल ही में हुए वैज्ञानिक अध्ययनों में थायराइड डिस्ऑर्डर जैसे हाइपोथायरायडिज्म को वजन बढ़ने से जोड़ा गया है। थायराइड हार्मोन एक महत्वपूर्ण अंत स्त्रावी हार्मोन है जो कई शारीरिक कार्यों के लिए आवश्यक है। यह चयापचय गतिविधि की बढ़ती दर और कुछ एंजाइमों का संश्लेषण के लिए जिम्मेदार होता है। हाइपोथायरायडिज्म को स्वाभाविक रूप से योग, प्राकृतिक चिकित्सा या एक्यूप्रेशर द्वारा ठीक किया जा सकता है, लेकिन सबसे पहले इसकी पुष्टि करना बहुत आवश्यक होता है।

उपचार के लिए एक्यूप्रेशर

थायराइड हार्मोन चयापचय की दर को सही बनाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इसके ठीक से काम न करने से वजन का बढ़ना, थकान, हाथों और पैरों में ठंडापन, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, चिंता, कब्ज, डिप्रेशन, बालों को झाड़ना जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। साथ ही कोमलता या दर्द थायराइड की समस्या को इंगित करता है। लेकिन घबराइए नहीं क्योंकि एक्यूप्रेशर थेरेपी से इसका इलाज किया जा सकता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों खासकर हथेलियों और पैरों के तलवों के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर दबाव डालकर विभिन्न रोगों का इलाज करने की विधि को एक्यूप्रेशर चिकित्सा तकनिक कहा जाता है। बिना दवा के इलाज करने वाली यह सरल, हानिरहित, खर्चरहित व अत्यंत प्रभावशाली व उपयोगी थेरेपी है।

एक्यूप्रेशर का एक बड़ा लाभ यह है कि बीमारी का पता और इलाज दोनों एक ही तरह से किया जाता है।

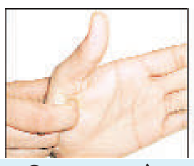

थायराइड के उपचार के लिए एक्यूप्रेशर बिंदु

» थायराइड की समस्याओं को कम करने के लिए इस्तेमाल होने वाले एक्यूप्रेशर बिंदु आपकी आंखों के बीच में स्थिति होते है, जो पिट्यूटरी फंग्शन को उत्तेजित करते हैं।
» एक्युप्रेशर थेरेपी के अनुसार थायरायड व पैराथायरायड के प्रतिबिम्ब बिंदु हाथों एवं पैरों दोनों के अंगूठे के बिलकुल नीचे ऊंचे उठे हुए भाग में स्थित होता हैं। थायरायड के अल्पस्त्राव की अवस्था में इन केन्द्रों पर घडी की सुई की दिशा में अर्थात बाएं से दायें प्रेशर दें तथा अतिस्त्राव की स्थिति में प्रेशर दायें से बाएं (घडी की सुई की उलटी दिशा में) देना चाहिए। इसके साथ ही पिट्यूटरी ग्लैंड के भी प्रतिबिम्ब बिंदु पर भी प्रेशर देना चाहिए।
» प्रत्येक बिंदु पर एक से तीन मिनट तक प्रतिदिन दो बार प्रेशर देना चाहिए। पिट्यूटरी ग्लैंड के केंद्र पर पम्पिंग मैथेड (पम्प की तरह दो-तीन सेकेण्ड के लिए दबाएं फिर एक दो सेकेण्ड के लिए ढीला छोड़ दें) से प्रेशर देना चाहिए।
» अपने खुद के दबाव बिंदुओं को उत्तेजित करना सीखकर आप छोटे-मोटे लक्षणों से राहत पा सकते हैं और नान प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की आवश्यकता को कम कर सकते हैं।

व्यायाम

एकदम एक्सरसाइज छोड़ने से बॉडी पर होते है ये असर

समय बदलने के साथ लोग अपनी सेहत को लेकर सतर्क हो गए हैं। आजकल लोग खुद को फिट रखने के लिए एक्सोसाइज करते हैं, जोकि सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। वहीं, कुछ लोग

एकदम एक्सोसाइज करना छोड़ देते है। जिससे सेहत संबंधित कई समस्याओं का सामना करना

पड़ता है। ऐसे में कभी भी एकदम एक्सोसाइज करना न छोड़े।

» **लूज स्किन:** रोजाना एसरसाइज करने से मसल्स टाइट रहते है। वहीं एक दम एसरसाइज छोड़ने से स्किन लूज हो जाती है जोकि देखने में भी अच्छी नहीं लगती।

» **हाईब्लड प्रेशर की समस्या:** एसरसाइज छोड़ने से अधिकतर लोगों को हाई लड प्रेशर की समस्या का सामना करना पड़ता है।

» **कमजोरी:** एकदम एसरसाइज छोड़ने से कमजोरी महसूस होने लगती है। दरअसल, एसरसाइज करते रहने से बॉडी की स्ट्रेंथ बढ़ जाती है और छोड़ने से स्टेमिना कम हो जाता है।

» **वजन बढ़ना:** अधिकतर लोग वजन कम करने के लिए एसरसाइज करते हैं लेकिन जब वजन कंट्रोल हो जाता है तो इसे करना छोड़ देते है। आपको बता दें एक दम एसरसाइज छोड़ने से शरीर में फैट बढ़ने लगता है जिससे वजन बढ़ सकता है।

» **बॉडी पेन:** एसरसाइज छोड़ने से शरीर दर्द हो सकता है। इसके अलावा हार्ट प्रॉलम होने के चांस भी बढ़ जाते है।

किचन को दें सफेद कलर का टच

रसोई घर का सबसे खास हिस्सा मानी जाती है। हर औरत चाहती है कि उसकी किचन साफ-सुथरी हो। किचन में लगाई जाने वाली कैबिनेट,चिमनी,शैल्फ को घर के इंटीरियर का खास हिस्सा माना जाता है। जिस तरह से लोग ड्राइंग रूम,बैडरूम, गार्डन के अलावा बाकी सारे घर को सजाते हैं, उसी तरह रसोई का स्टाइलिश होना भी बहुत जरूरी है। हाउस वाइफ का तो आधे से भी ज्यादा दिन किचन में ही बितता है। रसोई ही अगर बोरिंग होगी तो यहां पर काम करने का मजा भी नहीं आएगा।

आजकल डार्क रंगों की बजाए व्हाइट कलर की किचन को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। यह कलर रसोई के साथ-साथ घर को भी रॉयल लुक देता है। आप चाहे तो व्हाइट कलर के साथ अपने पसंदीदा रंग से भी किचन को हल्का-फुल्का टच दे सकते हैं। कैबिनेट,सिंक,टेबल और इलैक्ट्रोनिक सामान भी इसी रंग से मैच कर सकते हैं। इसके साथ वुडन फ्लोरिंग या फिर मार्बल फ्लोर भी बहुत खूबसूरत लगता है।

घर पर गहनों को साफ करने के बेहतरीन टिप्स

महिलाओं के पास कई तरह के गहने होते हैं। सोने के हों या चांदी के गहने, कुछ देर के बाद उनकी चमक खराब हो जाती है लेकिन व्यस्त शैड्यूल के कारण लोग जौहरी के पास ज्वैलरी को साफ करवाने के लिए नहीं ले जाते। ऐसे में घर पर ही कुछ आसान तरीके अपनाकर गहनों को साफ किया जा सकता है।

1. टूथपेस्ट

डायमंड की अंगुठी या ईयररिंग्स में कुछ समय के बाद कालापन आ जाता है और उनमें पहले जैसी चमक नहीं रहती। ऐसे में पुराने ब्रश पर टूथपेस्ट लगाएं और इससे डायमंड ज्वैलरी को साफ करें और फिर एक साफ कपड़े से पेस्ट को पौंछ लें। इससे गहने चमकदार बनेंगे।

2. सिरका

आधा कप सफेद सिरके में 2 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर मिश्रण तैयार करें और इसमें अपनी सोने या चांदी के गहनों को 2-3 घंटों तक भिगोकर रखें। इसके बाद ज्वैलरी को निकाल कर पानी से धो लें।

3. टोमेटो कैचप

टोमेटो कैचप का इस्तेमाल सिर्फ खाने के लिए ही नहीं गहनों को चमकाने के लिए भी किया जा सकता है। इसके लिए ज्वैलरी को कुछ मिनटों के लिए कैचप में डालें और फिर किसी टूथब्रश से साफ करें।

4. सोडा

रंग-बिरंगे या व्हाइट स्टोन ज्वैलरी जब काली पड़ जाए तो इसे साफ करने के लिए एक बर्तन में पीने वाला सोडा भरें और रात भर उसमें ज्वैलरी को रखें। सुबह गहनों को सोडे में से निकालकर अच्छी तरह पौंछ लें।

5. बीयर

किसी साफ कपड़े को बीयर में भिगोएं और इससे अपनी ज्वैलरी को साफ करें।

6. बेकिंग सोडा

आधा चम्मच बेकिंग सोडे में 2 चम्मच पानी मिलाकर पेस्ट बनाएं और किसी स्पंज की मदद से सोने और चांदी के गहनों को हल्के हाथों से साफ करें।

छोटी इलायची खाने के ये फायदे आपको हैरत में डाल देंगे

आमतौर पर छोटी इलायची का इस्तेमाल खुशबू और स्वाद के लिए किया जाता है। मीठे व्यंजनों में इसका स्वाद तो और खास हो जाता है। कुछ लोगों को इलायची वाली चाय भी खूब पसंद आती है लेकिन कम ही लोगों को पता होता है कि इलायची एक आयुर्वेदिक औषधि की तरह काम करती है। इसके और भी कई फायदे हैं, जिनके बारे में जानकर आप दंग रह जाएंगे।

» छोटी इलायची एक कारगर माउथ फ्रेशनर है। इसे खाने से मुंह की बदबू दूर होती है। इलायची में मौजूद तत्व मुंह की बदबू दूर करने का काम करते हैं। अगर आपके मुंह से आने वाली दुर्गंध बहुत तेज है तो आपको हर समय एक इलायची अपने मुंह में रखनी चाहिए।

» अगर आपकी सेक्स लाइफ अच्छी नहीं है तो इलायची के इस्तेमाल से आपको फायदा होगा। इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है, साथ ही नपुंसकता में भी इसका सेवन करना फायदेमंद माना जाता है।

» हमारे समाज में खाना खाने के बाद इलायची खाने का चलन है। खाना खाने के बाद इलायची का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व खाने को पचाने में मदद करते हैं।

» अगर आपके गले में खराश की समस्या है तो भी इलायची का सेवन करना फायदेमंद रहेगा। इसके सेवन से गले के दर्द में राहत मिलती है।

» इलायची के रसायनिक गुण शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल और दूसरे विषैले तत्वों को दूर करने में मददगार होते हैं। इससे खून भी साफ होता है।

मुंह के छालों ने छुड़वा दिया है खाना तो अपनाएं ये तरीके

यूं तो मुंह में छाले होना आम सी बात है लेकिन पेट की गड़बड़ी के कारण भी मुंह और जीभ पर छाले की समयस्या हो सकती है। अगर समय रहते इनका इलाज न किया जाए तो इससे परेशानी और बढ़ जाती है और कुछ भी खाने-पीने में दिक्कत आने लगती है। इससे छुटाकारा पाने के लिए मार्कीट से दवाइयां तो बहुत मिलती है लेकिन कई बार दवाइयों से भी आराम नहीं मिल पाता है। अगर ऐसे में कुछ घरे्लू तरीके अपनाकर देखे जाए तो शायद आप मुंह और जीभ के छालों से राहत पा सकते है। हम आपको मुंह और जीभ के छालों से राहत दिलाने वाले असरदार नुस्खों के बारे में बताएंगे।

1. **हल्दी :** हल्दी काफी गुणकारी होती है। एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर मिक्स कर लें और इस पानी से गरारे करें। दिन में 2-3 बार इस तरह करने से मुंह के छालों से राहत मिलेगी।

2. **देसी घी :** अगर आप मुंह और जीभ के छालों से कुछ ज्यादा ही परेशान है तो रात को सोने से पहले शुद्ध देसी घी को छालों पर लगा लें। सुबह तक छाले गायब हो जाएगे।

3. **नमक :** एक गिलास पानी में थोड़ा सा नमक डालकर इससे कुल्ला करें। दिन में 1-2 बार लगातार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

4. **शहद :** शहद को भी मुंह और जीभ के छाले दूर करने में कारगार माना जाता है। दिन में 3-4 बार छालों पर शहद लगाएं। इससे काफी राहत मिलेगी।

5. **बर्फ :** बर्फ का इस्तेमाल करके भी मुंह के छालों से राहत पाई जा सकती है। बर्फ को छालों पर रगड़े। दिन में ऐसा 4-5 बार करें।

कच्चे पपीते के अनगिनत फायदे, शायद आप नहीं जानते होगें

पपीता सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन पाए जाते हैं जिससे कई बीमारियों को दूर किया जा सकता है। लेकिन क्या आपको पता है कि पके हुए पपीते की तरह कच्चा पपीता भी शरीर के लिए लाभकारी है। कुछ लोग इसकी सब्जी बनाकर भी खाते है। इसमें मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन पके हुए पपीते से ज्यादा मात्रा में पाए जाते हैं जिसका रोज सेवन करने से कई तरह की समस्याओं से बचा जा सकता है। आइए जानते है कच्चे पपीते के अनगिनत फायदों के बारे में

1. डायबिटीज से छुटकारा

कच्चे पपीते का जूस पीने से डायबिटीज को कंट्रोल किया जा सकता है। यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करके इंसुलिन की मात्रा को बढ़ाता है।

2. ब्रेस्ट फीडिंग में फायदेमंद

बच्चे को दूध पीलाने वाली औरतों के ज्यादा न्यूट्रिशंस की जरूरत पड़ती है। कच्चा पपीता खाने से दूध बढ़ाने में मदद मिलती है।

3. कब्ज

इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो कब्ज की समस्या से छुटकारा दिलाता है। कच्चे पपीते में कुछ ऐसे एंजाइम भी पाए जाते हैं जो पाचन तंत्र में सुधार करके पेट दर्द से राहत दिलाते है।

4. वजन कम

पके हुए पपीते के मुकाबले कच्चा पपीता वजन को जल्दी कम करता है। इससे शरीर में जमा अतिरिक्त फैट कम होती है।

5. सर्दी-जुखाम से राहत

कच्चे पपीते के बीज में काफी मात्रा में विटामिन पाए जाते हैं, जो कि सर्दी और जुखाम जैसी इंफेक्शन से छुटकारा दिलाते हैं।

रेसिपी

वेज शामी कबाब

सामग्री

1 कप काले चने (उबले हुए), 1 प्याज (कटा हुआ), 1 चम्मच पुदीने की पत्तियां, 1 चम्मच धनिए की पत्तियां, 1 चम्मच धनिया पाऊडर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, 1 हरी मिर्च (कटी हुई), 1/2 चम्मच अदरक का पेस्ट, 1/2 चम्मच गरम मसाला पाऊडर, 2 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, तेल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले एक बाउल में उबले हुए चने, प्याज, पुदीने की पत्तियां, धनिए की पत्तियां, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, अदरक का पेस्ट, गरम मसाला, बेसन और नमक डालकर अच्छी तरह से मैश करके मिक्चर तैयार कर लें। अब छोटे से मिक्चर को हाथ में ले और उसे कबाब का आकार दें। इसी तरह से बाकी के सारे कबाब तैयार कर लें। पैन में तेल डालकर गर्म करें। अब कबाब को तेल में डालकर फ्राई करें। फ्राई करने के बाद इन्हें प्लेट में निकाल लें। शामी वेज कबाब तैयार है। इसे चटनी के साथ सर्व करें।

सूजी ड्राय फ्रूट गुजिया

सामग्री

मैदा – 2 कप (250 ग्राम), घी – द कप (60 ग्राम), दही या दूध – 1/4 कप, **स्टफिंग के लिए:** सूजी – 3/4 कप (150 ग्राम), पाउडर चीनी – 3/4 कप, ड्राय फ्रूट्स – 1 कप (काजू, अखरोट, बादाम, किशमिश), छोटी इलायची – 7-8, घी – गुजिया तलने के लिए और सूजी भूनने के लिए

विधि

मैदा को किसी बर्तन में निकाल लीजिए, घी और दही आटे में डाल कर, अच्छी तरह मिलाइए। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए पूरी के आटे से थोड़ा सख्त आटा गूंथ लीजिए। आटे को आधे घंटे के लिए ढककर रख दीजिए। **स्टफिंग बना लीजिए:** सभी ड्राय फ्रूट्स छोटे छोटे काट कर तैयार कर लीजिए और इलायची को छीलकर पाउडर बना लीजिए। कढ़ाई में 2 टेबल स्पून घी डालकर गरम कीजिए। घी में सूजी डालकर लगातार चलाते हुए हल्का गोल्डन ब्राउन होने तक भूनिए। सूजी के भूनने पर इसमें कटे हुए ड्राय फ्रूट्स डाल दीजिए और 1-2 मिनिट मिक्स करते हुए भून लीजिए। आटे को मसल-मसल कर मुलायम कीजिए, और आटे से छोटी छोटी 25 लोई तोड़ कर बना लीजिए, लोइयों को ढककर रखिए। सूजी के हल्का ठंडा होने पर इसमें पाउडर चीनी और इलायची का पाउडर डाल कर मिला लीजिए। एक लोई निकालिए 3-4 इंच के व्यास में पूरी बेलिए, बेली हुई पूरी थाली में रखते जाइए। अब इन्हें भर कर गुजिया तैयार कर लीजिए। एक पूरी उठाइए, पूरी को सांचे के ऊपर रखिए। एक या डेढ़ चम्मच स्टफिंग पूरी के ऊपर डालिए, किनारों पर उंगली के सहारे से पानी लगाइए। इसी तरह सारी गुजिया बेल कर भर कर बना कर तैयार कर लीजिए। **गुजिया तल लीजिए:** मीडियम गरम घी में गुजिया डालिए और हल्के ब्राउन होने तक पलट-पलट कर तल लीजिए। कढ़ाई से गुजिया, तिशु पेपर बिछी प्लेट में निकालिए। गुजिया तैयार हैं, गरमा गरमा गुजिया परोसिये और खाइए।

संपादकीय

ईवीएम का औचित्य

आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरुआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोगला क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है। ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है। आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है।

जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है।

नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है

नक्सलवाद पर कब लगेगी नकेल?

योगेंद्र योगी

नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड है, जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ें हुई हैं। इन मुठभेड़ों के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शांति का प्रस्ताव भी सामने रखा था, लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैंड कर दिया गया है। ऐसे

में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे, तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस की गोली का शिकार हुआ है। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरह से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किए जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पाएगा और बस्तर में खून की होली थमेगी? सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहां वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 96 थी, वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित जिलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहां नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी, वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है, उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं। माओवादियों के थिंक टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी नामक गांव से हुई और इसीलिए इस उग्रपंथी आंदोलन को नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है। जमींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडन पर अंकुश लगाने के लिए सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किए गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मजदूरों और किसानों की दुर्दशा के लिए सरकारी नीतियां जिम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिए हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़क्काने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यतः कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक-आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिए लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे जमीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहां जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहां न सडक़ें हैं, न पीने के लिए पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं और न ही रोजगार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भडक़ाते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं।

दृष्टि कोण

आज के युग में परिवार में संतुलन जरूरी

परम पिता परमेश्वर ने जब सृष्टि की रचना की तो अपनी अलौकिक शक्ति व दिव्य दृष्टि से प्रत्येक कमी को जांचा-परखा और प्राणियों में एक ऐसा संतुलन बनाया जिससे सभी प्रकार के प्राणी एक-दूसरे के पूरक बनकर आनंदमय जीवन व्यतीत कर सकें। मनुष्य समाज की इकाई बना। मानव से परिवार और परिवार से समाज की स्थापना हुई। मानव समाज के लिए परिवार न केवल आवश्यक है, अपितु एक सुरक्षित एवं आदर्श संस्था भी है। पर विगत कुछ वर्षों में इस संस्था की जड़ें कुछ हिलने लगी हैं। रचयिता ने जब अविकसित बचपन, पूर्ण विकसित युवावस्था और जीर्ण-शीर्ण वृद्धावस्था की तस्वीर बनाई तो उन्हें लगा कि बच्चे तो नन्हे-मुन्ने से प्यारे-प्यारे कोमल खिलौने उनके मां-बाप और अन्य सभी के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। उनके अविकसित तन और नादान मन को विकसित होने में सभी प्यार से सहयोग करेंगे। पर जब बचपन के बाद जवानी और बुढ़ापा आया तो उन्हें लगा कि जवानी तो स्वयं ही फौलाद होगी जो सबको संभालेगी पर बुढ़ापा कुरूप, निर्बल, मृत्यु की कगार पर डगमगाता सा एक पेड़ जिसके सभी पत्ते और शाखाएं थक कर और सूख कर गिरने वाले होंगे, उसे भी सहारा चाहिए। तो वृद्धावस्था को सुरक्षित रखने के लिए बचपन और बुढ़ापे में एक संतुलन बनाया गया। अंत में वैसे भी वृद्धों के मन बच्चों की तरह हो जाते हैं और वे घर में रहकर बच्चों को संभाल सकते हैं, क्योंकि बच्चे कोमल और वृद्ध निर्बल होते हैं। परिवार में बुजुर्गों को सम्मान दिया गया। बच्चों के माता-पिता बुजुर्गों का सम्मान करते और बुजुर्ग अपने अनुभवों और ज्ञान को साझा कर अगली पीढ़ी को जीना और कार्य करना सिखाते थे। नई पीढ़ी भी उनकी सेवा और आज्ञापालन करना अपना कत्र्तव्य समझती थी और बच्चों को भी यह सिखाया जाता था। मां-बाप अपने बच्चों को बुजुर्गों के पास सौंप कर निश्चिंत होकर घर अंदर-बाहर के कार्य करने निकल पड़ते थे। पहाड़ी भाषा में एक कहावत है कि मूल से प्यारा ब्याज होता है क्योंकि बुजुर्गों को नाती-पोते अपने बच्चों से अधिक प्यारे होते हैं। जब मां-बाप बच्चों की शरारतों पर पिटाई करने लगते तो बच्चे दादी-नाना की गोद में छिप जाते हैं और दादा-दादी बच्चों को मारने वाले मां-बाप को पिटाई करने से रोकते और डांटते। इस प्रकार बच्चे बुजुर्गों के साथ मिलकर खूब आनंद और मस्ती करते तथा बुजुर्ग भी बच्चों के साथ बच्चे ही बन जाते और अपनी मनपसंद खानपान की चीजें चोरी-छुपे बच्चों के साथ खूब चटकारे भरकर खाते। बच्चे अपनी दादी-नानी से रामायण, महाभारत, परियों की कहानियां, पहेलियां बड़े शौक-प्यार से सुनते थे। बच्चों में बचपन से ही संयुक्त परिवार में रहकर बड़ों का सम्मान और छोटे से प्यार करने की भावना का विकास होता था। उनमें मिल-जुलकर बांट कर खाने की भावना और सहनशीलता होती। इस प्रकार आयु की रेल पर जीवन रूपी यात्रा वृद्ध रूपी गार्ड के संचालन में बचपन, किशोरावस्था, यौवनावस्था और वृद्धावस्था रूपी स्टेशनों को पार करती हुई मृत्यु रूपी निश्चित स्टेशन पर बड़े आराम से पहुंच जाती थी। पर आज के इस भौतिकवादी युग में बच्चों का बचपन वीडियो गेम में खो गया है और उन्हें सिखाया जाता है कि मिट्टी से हाथ -पैर गंदे हो जाते हैं। आज पढ़े-लिखे बुजुर्गों को भी दरकिनार कर दिया जाता है, क्योंकि वे नए जमाने का ज्ञान नहीं रखते। बच्चे एक ऐसे परिवार में रहते हैं जहां न दादा-दादी हैं, न चाचा-ताया या परिवार के अन्य सदस्य। अगर किसी परिवार में बुजुर्ग हैं भी तो किसी के भी पास उनके साथ बैठने के लिए समय नहीं है। बच्चों को उनके पास बैठने से मां-बाप मना करते हैं कि वृद्ध उन्हें आधुनिक बातें नहीं सीखा पाएंगे और हमारे बच्चे पिछड़ जाएंगे। उनके मां-बाप भी वृद्धों को यही कहकर चुप करा देते हैं कि आपको आधुनिक ज्ञान नहीं है। हमें आपसे ज्यादा ज्ञान है। जैसे घर में पड़े पुराने सामान को कबाड़ी को बेच दिया जाता है, ऐसे ही वृद्धों को वृद्धाश्रमों में छोड़ा जा रहा है, जहां वे अपने परिवार के लिए खून के आंसू रोते हैं। यहां तक कि उनके क्रिया-कर्म को भी उनकी संतान के पास समय नहीं है। यौवन के नशे में चूर उनकी संतानें यह क्यों नहीं समझती कि ये वृद्ध भी कभी उनकी तरह बलशाली जवान थे, पर जवानी में फौलाद सा शरीर एक दिन बुढ़ापे की जंग लगकर जर्जर हो जाएगा, तब उन्हें भी सहारे की आवश्यकता होगी। इस बात को भी क्यों नहीं सोच पाते कि हम भी कभी बुजुर्ग होंगे, तब हमारे बच्चे भी हमारा अनुकरण करते हुए हमारे साथ भी वही व्यवहार करेंगे जो हमने अपने बुजुर्गों के साथ किया है। हर बुजुर्ग के पास अपने कुछ ऐसे अनुभव और सीख होती है जो कि गूगल में भी नहीं मिलती। एकल परिवार में अकेलेपन के शिकार बच्चे कई प्रकार की मानसिक विकृतियों का शिकार हो रहे हैं। बुजुर्ग अपने संघर्ष के बारे में जो बताते थे तो बच्चे प्रोत्साहित होते थे और विषम से विषम परिस्थितियों को संभालने की क्षमता रखते थे। पर आज छोटी-छोटी बातों पर आत्महत्या या दूसरों की हत्या एक आम बात हो चुकी है। बच्चे कई प्रकार के नशे के जाल में फंस कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। जैसे कि बूढ़े से बूढ़े पुराने तरु भी छाया और फल देते हैं, वैसे ही बुजुर्गों के पास भी प्यार, आशीर्वाद, जीवन के अनुभवों का अमूल्य खजाना होता है। तो क्यों न आधुनिकता और सोशल मीडिया के भीड़ भरे बाजार में बिखरती बचपन की कोमल शाखाओं को वृद्धों की छत्रछाया में रखकर, उनके प्यार के सागर से सींचकर उनके सर्वांगीण विकास के साथ एक बलशाली तन-मन, मस्तिष्क के साथ राम, लक्ष्मण, अर्जुन, युधिष्ठिर जैसी बहादुर पीढ़ी का अवतरण किया जाए, जिनके संस्कारों की छत्रछाया में न जाने कितने लोगों को आश्रय देने की क्षमता हो।

कुछ अलग

जागरूकता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी

वर्तमान समय में विज्ञापन बाजार की दुनिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में वैश्विक विज्ञापन बाजार का आकार 615.2 अरब अमेरिकी डॉलर था, जिसके आगामी कुछ वर्षों में 800 अरब डॉलर होने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, औसत व्यक्ति प्रतिदिन 200 से 300 विज्ञापन तक देखता है। विज्ञापन लोगों को सूचना देने और उत्पादों आदि के बारे में जागरूक करने का एक प्रभावी माध्यम है। लेकिन वर्तमान समय में जिस प्रकार से भ्रामक विज्ञापनों की बाढ़-सी आई है, यह समाज के लिए समाधान कम, समस्या ज्यादा बनते जा रहे हैं। विज्ञापनदाता का इरादा मनोवैज्ञानिक रूप से आपको प्रभावित करते हुए आपके विचारों और निर्णयों को प्रभावित करना होता है। सिर्फ पांच दिनों में काले से गोरा करने, या मात्र एक खुशबू वाले डियोड्रेंट के स्प्रे मात्र से महिलाओं को आपके प्रति आकर्षित करने का दावा करने वाले विज्ञापन आपने खूब देखे होंगे। अभी कुछ दिन पहले साइंस जर्नल 'मेडिसिन' ने भारत में बेचे जाने वाले और उपभोग किए जाने वाले सबसे लोकप्रिय प्रोटीन पाउडर के 36 विभिन्न ब्रांडों पर किए गए विश्लेषण के निष्कर्ष प्रकाशित किए थे। विश्लेषण से पता चला कि 36 पूरकों में से लगभग 70 प्रतिशत में प्रोटीन की गलत जानकारी थी, कुछ ब्रांड अपने दावे का केवल आधा हिस्सा ही पेश कर रहे थे। इसके अलावा, लगभग 14 प्रतिशत नमूनों में हानिकारक फंगस थे, जबकि 8 प्रतिशत में कीटनाशकों के अवशेष दिखाई दिए। ये नतीजे भ्रामक जानकारी, पारदर्शिता की कमी और ऐसे उत्पादों से उत्पन्न संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में बढ़ती चिंता को दर्शाते हैं। पर्यावरणीय स्थिरता और सचेत उपभोग के बारे में चिंतित दुनिया में ग्रीनवाशिंग एक बढ़ती हुई चिंता बन गई है। ग्रीनवॉशिंग, जिसे उत्पादों या सेवाओं के बारे में भ्रामक पर्यावरणीय दावे के रूप में परिभाषित किया गया है, ने नियामकों, उपभोक्ताओं और वकालत समूहों का समान रूप से ध्यान आकर्षित किया है। हाल ही में, यूरोपीय संसद और भारतीय न्यायपालिका, दोनों ने इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए निर्णायक कदम उठाए, जो सख्त नियमों और विपणन प्रथाओं में अधिक जवाबदेही की ओर वैश्विक बदलाव का संकेत है। इसी तरह, भारतीय न्यायपालिका द्वारा उत्पादों की प्रभावकारिता के बारे में भ्रामक और निराधार दावे करने के लिए पतंजलि समूह की निंदा करना कंपनियों को उनकी मार्केटिंग के प्रति जवाबदेह बनाने के महत्व को रेखांकित करता है। न्यायपालिका का निर्णय उपभोक्ताओं को गलत जानकारी के आधार पर विकल्प चुनने से बचाता है और यह सुनिश्चित करता है कि कंपनियां अपने विपणन संचार में नैतिक मानकों का पालन करें। ग्रीनवाशिंग या भ्रामक विज्ञापन न केवल उपभोक्ताओं को गुमराह करते हैं, बल्कि टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के प्रयासों को भी कमजोर करते हैं। भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल कस कर नियामक कंपनियों को अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी विपणन रणनीति अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। भ्रामक विज्ञापनों को संबोधित करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें नियामकों, उद्योग हितधारकों, उपभोक्ता वकालत समूहों और जनता के बीच सहयोग शामिल होता है।

देश दुनिया से

अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते दक्षिण के क्षेत्रीय दल

चुनावी अभियान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी दक्षिण के क्षेत्रीय दल अपनी भाषायी अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते। तमिलनाडु इस मामले में अगुआ रहा है। अक्सर ऐसे अभियानों में केंद्र सरकार और भाजपा जैसी पार्टियां ही निशाने पर रहती हैं। लेकिन भाषायी अस्मिता को चुनावी मुद्दा बनाने में उस कांग्रेस का नाम भी जुड़ गया है, जिसने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था। कोयंबटूर की चुनावी सभा में राहुल गांधी ने तमिल लोगों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में एक ही भाषा चाहते हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी तमिल के खिलाफ हैं। इस पर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है।

चुनावी अभियान के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है। जब प्रचार तमिलनाडु जैसे राज्य में हो, तो भाषा अपने आप मुद्दा बन जाती है। चुनावी अभियान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी दक्षिण के क्षेत्रीय दल अपनी भाषायी अस्मिता का सवाल उठाने से नहीं चूकते। तमिलनाडु इस मामले में अगुआ रहा है। अक्सर ऐसे अभियानों में केंद्र सरकार और भाजपा जैसी पार्टियां ही निशाने पर रहती हैं। लेकिन भाषायी अस्मिता को चुनावी मुद्दा बनाने में उस कांग्रेस का नाम भी जुड़ गया है, जिसने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी को देश की प्रमुख भाषा बनाने का अभियान चलाया था। कोयंबटूर की चुनावी सभा में राहुल गांधी ने तमिल लोगों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में एक ही भाषा चाहते हैं। यानी प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी तमिल के खिलाफ हैं। इस पर विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है। भाजपा ने राहुल गांधी के इस बयान की शिकायत चुनाव आयोग से की है। वैसे राहुल गांधी कांग्रेस के पहले नेता नहीं हैं, जिन्होंने भाषा को लेकर ऐसा बयान दिया है। केरल के तिरूवनंतपुरम सीट से चुनाव लड़ रहे शशि थरूर भी चुनाव प्रचार में भाजपा पर ऐसे आरोप लगा चुके हैं। हालांकि उनके बयान को

उतनी तवज्जो नहीं मिली, क्योंकि केरल में हिंदी को लेकर तमिलनाडु जैसा माहौल नहीं रहा है। तमिलनाडु में तो हिंदी विरोध में पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी दिनों में आंदोलन तक हो चुका है, लेकिन केरल में ऐसा नहीं है। चाहे राहुल हों या शशि थरूर, दोनों के बयानों का एकमात्र मकसद यही है कि वे अपने वोटरों को इस आधार पर अपने समर्थन में खड़ा करें और उनका मत हासिल करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसे विभाजनकारी बयानों की चुनाव में जरूरत है? भारत की राजभाषा या राष्ट्रभाषा हिंदी हो, इसके खिलाफ पहला सवाल तमिलनाडु से ही उठा। तमिल विरोध के चलते संविधान के प्रावधान में हिंदी को जो हैसियत 26 जनवरी, 1965 को मिलनी चाहिए थी, नहीं मिल पाई। तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन की वजह से हिंदी देश की आधिकारिक रूप से संपर्क भाषा भी नहीं बन पाई। लेकिन तब से लेकर अब तक कावेरी और कृष्णा नदियों में काफी पानी बह चुका है। राजनीतिक बुनियाद पर भले ही दक्षिणी राज्यों में सीमित हिंदी विरोधी मानसिकता बची हुई हो, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि अब दक्षिणी राज्यों की सोच भी बदल रही है। अगर ऐसा नहीं होता, तो टूटी-फूटी ही सही, दक्षिणी राज्यों में भी हिंदी लिखने-बोलने की कोशिश नहीं होती। हिंदी सिनेमा के गाने दक्षिणी राज्यों में पसंद नहीं किए जाते। हिंदी की राह में सबसे बड़ी बाधा राजनीति रही है। अपने फायदे-नुकसान को ध्यान में रखते हुए वही स्थानीय लोकभावनाओं को कभी पक्ष, तो कभी विपक्ष में भड़काती है। महात्मा गांधी का सपना था कि आजाद भारत की अपनी भाषा हो, वह केंद्रीय भाषा बने। गुजरातीभाषी होते हुए भी उन्हें हिंदी में ही यह ताकत और संभावना नजर आई। लेकिन स्वाधीन भारत के राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते हिंदी आधिकारिक रूप से केंद्रीय भाषा नहीं बन पाई। राजनीति ने हिंदी विरोध के लिए अब नया बहाना ढूंढ़ लिया है। बहुभाषिकता और भाषायी लोकतंत्र को बनाए रखने के नाम पर उसका विरोध किया जाता है। दिलचस्प है कि केंद्रीय भाषा के तौर पर विदेशी भाषा तो स्वीकार्य हो सकती है, लेकिन अपनी हिंदी नहीं। तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी द्रमुक हिंदी की घोषित विरोधी है। जब भी उसे मौका मिलता है, हिंदी विरोध में अपनी आवाज मुखर करने से वह नहीं हिचकती। जब नई शिक्षा नीति लागू हो रही थी, तब भी उसने आरोप लगाया था कि हिंदी को थोपने की कोशिश की जा रही है। द्रमुक इंडिया गठबंधन का प्रमुख हिस्सा है। लेकिन गौर किया जाना चाहिए कि तमिलनाडु में जब प्रधानमंत्री मोदी या अमित शाह या फिर योगी आदित्यनाथ प्रचार में उतरते हैं, तो हिंदी में बोलते हैं। उनके भाषणों का तमिल में अनुवाद होता है। अगर तमिल जनता हिंदी विरोधी होती, तो वह धैर्य से इन नेताओं का भाषण नहीं सुनती। लेकिन कभी ऐसा नहीं लगा कि तमिल लोगों ने इन नेताओं के हिंदी भाषणों में अरुचि दिखाई हो। साफ है कि हिंदी को लेकर दक्षिण का लोकमानस बदल रहा है, अगर नहीं बदल रही है, तो वह है राजनीति। हालांकि कांग्रेस तर्क दे सकती है कि एक भाषा थोपने की उसके नेताओं की बात के पीछे हिंदी विरोध नहीं है। लेकिन केंद्रीय भाषा के रूप में एक भाषा का मतलब स्वतंत्र भारत में हिंदी ही है। ऐसे बयानों से

आप का नजरिया

सियासी आस्था से परे

बेशक मुकेश अग्निहोत्री की बेटी आस्था ने चुनाव लडऩे में अनिच्छा जाहिर की, लेकिन कुछ तो ऐसा रहा कि कांग्रेस के सियासी तराजू में उसका वजन देखा गया। जिस सौम्यता, सादगी और तहजीब का इजहार करती हुई आस्था ने राजनीतिक परंपराओं में खुद को अंकित कर लिया, वहां नई संभावनाओं के अक्स खुलते हैं। राजनीतिक शास्त्र में हिमाचल का अध्ययन फिलहाल इस स्तर का नहीं है कि पूरी तरह मूल्यांकन किया जाए, लेकिन कुछ तो ऐसे चेहरे आ रहे हैं जिनके कारण परिपाटी निश्चित रूप से बदलेगी। यहां आस्था बनाम कंगना के बीच बंटी हुई राजनीति का मूल्यांकन जरूर एक दिन होगा। आक्रामकता के मायनों में सियासत जिस चरित्र को खोज रही है, उसके विपरीत एक श्रृंखला आस्था अग्निहोत्री से शुरू होती है। जाहिर है डिप्टी सीएम ने राजनीतिक परिवार होने से पहले सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि का पालन पोषण किया है। इस बेटी के उद्गार एक दिन राजनीतिक क्षेत्र के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं, लेकिन तात्कालिक अवसर से दूर रह कर अग्निहोत्री परिवार ने कांग्रेस का शिखर जरूर पैदा किया है। बतौर नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री की पिछली पारी से एकदम भिन्न वर्तमान सत्ता में उनका अंदाज व एहसास अपराजेय साबित होता है। भले ही उप मुख्यमंत्री के रूप में उनकी प्रशासनिक क्षमता के अनुपात में सरकार के विभाग न बंटे हों, लेकिन राजनीति का बड़ा इतिहास वह जीत चुके हैं। एक पिता के रूप में, बेटी में उसकी मां की विरासत पुनः जीवंत और मर्यादित दिखाई देती है, तो इस तरह वह राजनीति की वर्तमान स्थिति से कहीं मीलों आगे हो जाते हैं। तमाम सियासी पंडितों और कांग्रेस प्रेमियों के लिए हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की तारणहार अगर आस्था को माना गया, तो यह दर्जा मुकेश अग्निहोत्री की सियासत को परिपक्व, संतुलित और सहज स्वीकार्य बनाता है। यह केवल कांग्रेस के लिए ही नहीं, बल्कि तमाम राजनीतिक दलों के लिए भी एक प्रेरक प्रसंग की तरह याद किया जाना चाहिए, लेकिन इसी कांग्रेस के दूसरे पक्ष में तमाम घमासान व टिकट के इंतजार में इंतकाम के सबब सामने आ रहे हैं। अब कांग्रेस के बीच पार्टी के कार्यकर्ता नहीं, कोई राजपूत, कोई ब्राह्मण, कोई ओबीसी, कोई गद्दी, तो कोई दलित बना बैठा है। सोशल मीडिया पर राजनीतिक चरित्र के फटेहाल न देखे जा सकते और न ही समझे जा सकते। इन तमाम बुराइयों के बावजूद कुछ चेहरे सिद्धांत और मर्यादा की बात करने और कहने सियासत में आए हैं। विलुप्त होती परंपराओं के बीच जब कभी शांता कुमार सरीखा सियासी दिग्गज अपनी ही पार्टी और केंद्र सरकार पर प्रश्न उठाता है, तो लोकतंत्र की आत्मा जी उठती है। वह कांग्रेस सरकार के मुखिया वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की कुछ योजनाओं व संकल्पों की तारीफ करते हैं, तो हिमाचल के संदर्भ सकारात्मक हो जाते हैं, लेकिन जिस तरह के आदान-प्रदान के बीच वर्तमान चुनाव के बोल सामने आ रहे हैं, उससे सामाजिक मूल्यों की न जाने कितनी अर्थियां उठ रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली।

निफ्टी मंगलवार को लगातार तीसरे सत्र में 0.14 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 22,368 अंक पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के डिप्टी हेड रिटेल रिसर्च देवर्ष वकील का कहना है कि हाल ही में 21,777 अंक के निचले स्तर से निफ्टी 670 अंक ऊपर आ गया है। उन्होंने कहा, भारतीय बाजार ने आखिरी घंटे की बिकवाली में दिन का अधिकांश लाभ गंवा दिया और लगातार तीसरे सत्र में मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। उन्होंने कहा कि निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 सूचकांकों ने निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन किया, और उनमें क्रमशः 1.06 प्रतिशत और 1.23 प्रतिशत की बढ़त रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स ने 16,702 अंक के साथ एक नया सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया। लगातार दूसरे दिन बढ़त वाले शेयरों की संख्या गिरावट वाले शेयरों से अधिक रही। उन्होंने कहा कि निफ्टी में रियलिटी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टरों में सबसे ज्यादा तेजी रही, जबकि फार्मा, हेल्थकेयर और तेल एवं गैस में सबसे ज्यादा गिरावट आई। सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में मजबूती के कारण अप्रैल में देश की आर्थिक गतिविधियों का विस्तार जारी रहा। फ्लैश इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च की अंतिम रीडिंग 61.8 की तुलना में अप्रैल में 62.2 पर पहुंच गई।

असित सी मेहता इन्वेस्टमेंट इंटरमीडिएट्स के एवीपी (टेक्निकल एंड डेरिवेटिव्स रिसर्च) नीरज शर्मा ने कहा कि मजबूत वैश्विक बाजार रुझानों से उत्साहित घरेलू इक्विटी बेंचमार्क में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन वृद्धि जारी रही। अस्थिरता सूचकांक, भारत वीआईएक्स, 19.72 प्रतिशत गिरकर 10.20 पर आ गया, जो बाजार में कम अस्थिरता का संकेत देता है।

सेफ्टी के मामले में फिसड्डी निकली महिंद्रा की ये एसयूवी, ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में मिली 1-स्टार रेटिंग

नई दिल्ली।

महिंद्रा बोलेरो नियो कॉम्पैक्ट एसयूवी को ग्लोबल एनसीएपी के भारत के लिए सेफ कार प्रोग्राम के तहत क्रैश टेस्ट के लेटेस्ट ट्रेंड में एडल्ट और चाइल्ड सेफ्टी दोनों में 1-स्टार रेटिंग मिली है। जिस एसयूवी को टेस्ट किया गया था, उसमें स्टैंडर्ड तौर पर केवल दो एयरबैग लगे थे और कई पैरामीटर्स पर इसे कम रेटिंग मिली है। ग्लोबल एनसीएपी के अनुसार, बोलेरो नियो को लेटेस्ट प्रोटोकॉल के तहत टेस्ट किया गया है और इसे अधिकतम 34 में से 20.26 अंक मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसयूवी का स्ट्रक्चर और फुटवेल एरिया अस्थिर है, और इसके आलावा, इसमें चालक के लिए कमजोर चेस्ट और लेग सेफ्टी भी मिली। बोलेरो नियो सभी यात्रियों के लिए कर्टेन एयरबैग या सीट बेल्ट रिमाइंडर से लैस नहीं है। जहां तक चाइल्ड पैसेंजर सेफ्टी की बात है, तो बोलेरो नियो ने अधिकतम 49 अंकों में से 12.71 अंक प्राप्त किए। सभी यात्रियों के लिए 3-प्वाइंट सीट बेल्ट की कमी, यात्री एयरबैग स्विच की कमी और केवल एक चाइल्ड रेस्ट्रेंट सिस्टम (सीआरएस) के कारण इस एरिया में कम स्कोर मिले, भले ही चाइल्ड प्रोटेक्शन ने ''एक्सेप्टेबल मोबिलिटी परफॉर्मेंस'' दिखाया हो। बोलेरो नियो के लिए कम रेटिंग का एक और कारण साइड-फेसिंग थर्ड-रो सीटों की मौजूदगी है। जबकि महिंद्रा ने स्कॉर्पियो एन, एक्सयूवी700 और एक्सयूवी300 एसयूवी जैसे अपने प्रॉडक्ट्स के लिए अच्छी रेटिंग हासिल की है, लेकिन बोलेरो की कम रेटिंग आश्चर्यजनक नहीं है, क्योंकि यह एक पुराने प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है। बोलेरो नियो एक अपडेटेड टीयूवी300 एसयूवी है और इसे दो साल के भीतर एक नए प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट किया जाएगा। बोलेरो नियो के अलावा, ग्लोबल एनसीएपी ने इस इवेल्यूएशन ट्रेंड में होंडा अमेज और किआ कैरेंस एमपीवी को भी टेस्ट किया गया है। सुरक्षा एजेंसी ने यह भी घोषणा की कि ये टेस्टिंग भारत के लिए सुरक्षित कारों के अभियान के अंतिम परीक्षणों में से हैं क्योंकि भारत एनसीएपी अब पूरी तरह से एक्टिव हो गया है।

जोमैटो से खाना मंगाना हुआ महंगा

नई दिल्ली।

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपनी कस्टमर फीस में 25 फीसदी का इजाफा किया है। जोमैटो ने चुनिंदा बाजारों में अपनी प्लेटफॉर्म फीस को चार रुपये से बढ़ाकर पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है। यह बदलाव दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और लखनऊ जैसे प्रमुख शहरों पर लागू है। जोमैटो ने अगस्त 2023 में प्लेटफॉर्म फीस लगाना शुरू किया था। शुरूआत में यह प्रति ऑर्डर 2 रुपये था। फिर अक्टूबर में कंपनी ने अपने ज्यादातर प्रमुख बाजारों में फीस बढ़ाकर 3 रुपये कर दिया था। कंपनी के ऐप के मुताबिक, उसने अपनी अंतर-शहरी फूड डिलीवरी सर्विस 'इंटरसिटी लीजेंड्स' को भी रोक दिया है। जोमैटो के प्रवक्ता ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह एक कारोबारी कदम है। इन्हें हम समय-समय पर विभिन्न कारकों के आधार पर लेते हैं।' कंपनी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), बेंगलुरु, मुंबई, लखनऊ और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में लागू होगी। जोमैटो ने पिछले साल अगस्त से प्रति ऑर्डर प्लेटफॉर्म फीस लेना शुरू किया था। उस समय यह दो रुपये प्रति ऑर्डर था। इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर अब पांच रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया गया है। इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्विगी पहले से ही प्रति ऑर्डर पांच रुपये का शुल्क लेती है। इसे समझने के लिए मुंबई में बर्गर की डिलीवरी का उदाहरण लेते हैं।

सस्ता हो गया सोने का भाव ! रिकॉर्ड हाई से रुपए 4500 रुपए गिरा रेट

नई दिल्ली।

सोने और चांदी के खरीदारों के लिए अच्छी खबर है। दोनो के भाव में 23 अप्रैल को तेज गिरावट आई है। भारतीय और ग्लोबल मार्केट में सोने और चांदी के भाव गिर गए हैं। सोने का भाव तो रिकॉर्ड हाई से करीब 4500 रुपए तक फिसल गए हैं। चांदी भी 7000 रुपए तक गिर गई है। घरेलू वायदा में सोना-चांदी का आज भाव 700-800 गिरकर खुले। एमसीएक्स पर सोना 657 रुपए फिसलकर 70540 रुपए प्रति 10 ग्राम के पास ट्रेड कर रहा है। चांदी भी करीब 700 रुपए गिरकर 79858 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है।

रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 4,500 रुपए फिसल गया है। जबकि सोने ने इसी महीने 73,958 रुपए का ऑल टाइम हाई छुआ था। इसी तरह चांदी भी 86,126 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड हाई लेवल से 7000 रुपए तक फिसल गई है।

ग्लोबल मार्केट में सोना टूटा

ग्लोबल मार्केट में सोने का भाव गिर गया है। कॉमैक्स पर सोने का भाव 2320 डॉलर प्रति ऑन्स पर ट्रेड कर रहे। सोना एक दिन में 85 डॉलर लुढ़का है। बता दें कि रिकॉर्ड ऊंचाई से सोने का रेट 120 डॉलर गिर गया है।

क्यों गिर रहे सोने-चांदी का भाव?

बुलियन मार्केट के लिए बड़ा ट्रिगर जियो पॉलिटिकल टेंशन है, जोकि कम हो रहा है। सुरक्षित निवेश की खरीदारी थमने का भी दबाव है। सोने के भाव पर डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में मजबूती का भी असर है। बता दें कि 106 के पास डॉलर इंडेक्स 6 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया है। यूएस में ब्याज दरें घटने में देरी का दोहरा असर है। इसके अलावा लगातार 4 हफ्ते तेजी के बाद सोने में मुनाफावसूली देखने को मिल रही है।

सोने-चांदी पर ब्रोकरेज आउटलुक

एमिरेट्स एनबीडी ने कहा कि मौजूदा स्तर से सोना-चांदी 2% और गिरने की संभावना है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग ने सोने पर 69,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का टारगेट दिया। चांदी पर 77,000 रुपए प्रति किलोग्राम का टारगेट दिया है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने कॉमैक्स पर सोने के 2240 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है। चांदी पर 26.40 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है।

सोने-चांदी पर ब्रोकरेज आउटलुक

एमिरेट्स एनबीडी ने कहा कि मौजूदा स्तर से सोना-चांदी 2% और गिरने की संभावना है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म निर्मल बंग ने सोने पर 69,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का टारगेट दिया।

चांदी पर 77,000 रुपए प्रति किलोग्राम का टारगेट दिया है। वहीं, मोतीलाल ओसवाल ने कॉमैक्स पर सोने के 2240 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है। चांदी पर 26.40 डॉलर प्रति ऑन्स का टारगेट दिया है।

कंपनी का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में 18,951 करोड़ रुपए रहा

रिलायंस का मुनाफा ₹1 लाख करोड़ के पार पहुंचा

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का टैक्स से पहले का मुनाफा 1 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। रिलायंस ऐसा करने वाली पहली भारतीय कंपनी है। इसके अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 (अप्रैल 2023- मार्च-2024) में 10 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड सालाना आय दर्ज की है। रिलायंस ने 22 अप्रैल को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी के बोर्ड ने प्रति शेयर 10 रुपए के डिवेडेंड (लाभांश) को भी मंजूरी दी है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

चौथी तिमाही में सालाना आधार पर मुनाफा घटा, तिमाही आधार पर बढ़ा

कंपनी का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में 18,951 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में ये 19,299 करोड़ रहा था। यानी, पिछले साल की तुलना में मुनाफा 2% कम हुआ है। वहीं पिछली तिमाही यानी द3ऋ24 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 17,265 करोड़ रुपए रहा था। इससे पता चलता है कि तिमाही आधार पर मुनाफे में 10% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

चौथी तिमाही में आय 2.37 लाख करोड़ रही, सालाना आधार पर 11% बढ़ी

ऑपरेशंस से चौथी तिमाही में कंपनी की आय 2.37 लाख करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 2.13 लाख करोड़ रुपए रही थी। यानी, सालाना आधार पर आय 11% बढ़ी है। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी की आय 2.25 लाख करोड़ रुपए रहा था। यानी, तिमाही आधार पर आय में 5.33% की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी के चार मेन सेगमेंट है- ऑइल टू केमिकल, ऑयल एंड गैस, रिटेल, और जियो। यहां हम एक-एक कर सभी का परफॉर्मेंस बता रहे हैं...

1. रिलायंस जियो: ऐवरेज रेवेन्यू/यूजर 178.8 रुपए से बढ़कर 181.7 रुपए हुआ

टेलिकॉम कंपनियों के प्रदर्शन को मापने के लिए ऐवरेज रेवेन्यू पर यूजर (एआरपीयू) का इस्तेमाल होता है। एक साल पहले की तुलना में जियो का एआरपीयू 178.8 रुपए से बढ़कर 181.7 रुपए प्रति यूजर प्रति माह हो गया है। Q4 FY24 में जियो ने 1.09 करोड़ सब्सक्राइबर जोड़े। शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 13% बढ़कर 5,337 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल समान तिमाही में 4,716 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया था। वहीं तीसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 5,208 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर मुनाफा 2.5% बढ़ा है। चौथी तिमाही में कंपनी की आय सालाना आधार पर 11% बढ़कर 25,959 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 23,394 करोड़ रुपए रही थी। वहीं पिछली तिमाही में आय 25,368 करोड़ रुपए रही थी। यानी, आय तिमाही आधार पर 2.3% बढ़ी है।

2. रिलायंस रिटेल: चौथी तिमाही में 1,840 स्टोर खोले, कुल स्टोर 18,836 हुए

रिलायंस रिटेल ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 1.56 करोड़ वर्ग फीट के ग्रॉस एरिया एडिशन के साथ 1,840 नए स्टोर खोले। कुल स्टोर की संख्या बढ़कर 18,836 हो गई है, जो 7.91 करोड़ वर्ग फीड के क्षेत्र को कवर करती है। सॉफ्टड्रिंक ब्रांड कैम्पा कोला का अधिग्रहण रिलायंस के लिए सही रणनीति साबित हो रही है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की बिक्री में इस ब्रांड ने करीब 400 करोड़ रुपए का योगदान किया है। ये कंपनी रिलायंस रिटेल वेचर्स की एफएमसीजी यूनिट है। रिलायंस रिटेल की आय 10.7% बढ़कर ₹76,683 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में ₹69,288 करोड़ थी।

3. रिलायंस ऑइल टू केमिकल: सालाना आधार पर रेवेन्यू में 11% की बढ़ोतरी

O2C सेगमेंट ने चौथी तिमाही में साल-दर-साल आधार पर आय में 11% की बढ़ोतरी दर्ज की है। चौथी तिमाही में ये ₹1,42,634 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी, Q4FY23 में ₹1,28,633 करोड़ आय रही थी।

सेगमेंट के भीतर, ऑइल एंड गैस की आय ₹6,468 करोड़ रही। एक साल पहले की समान तिमाही में ये ₹4,556 करोड़ रुपए रही थी। यानी सालाना आधार पर इसमें 42% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं पिछली तिमाही में आय 6,719 करोड़ रही थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने कहा कि ग्लोबल लेवल पर फ्यूल की मजबूत मांग और दुनिया भर में रिफाइनिंग सिस्टम में लिमिटेड फ्लेक्सिबिलिटी ने O2C सेगमेंट के मार्जिन और प्रॉफिटेबिलिटी को सपोर्ट किया है।

रेवेन्यू 10 लाख करोड़ रुपए के पार, पिछले साल 9.74 लाख करोड़ रुपए था

FY24 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 10 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है। एक साल पहले यानी FY23 में ये 9.74 लाख करोड़ रुपए था। यह प्री-टैक्स प्रॉफिट में 100,000 करोड़ रुपए की सीमा पार करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। पिछले साल की इसी तिमाही में टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने के कारण टैक्स एक्सपेंसेज सालाना आधार पर 138.8% बढ़कर 6,577 करोड़ रुपए हो गया।

मौसम बढ़ाएगा महंगाई? आरबीआई को सता रही ये चिंता... कहा- वैश्विक तनाव से दोहरा संकट

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक को एक बड़ी चिंता सता रही है, जिसका जिक्र केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को जारी अपने बुलेटिन में किया है। ये चिंता है महंगाई बढ़ने की, जी हां रिजर्व बैंक ने अपने बुलेटिन में कहा है कि मौसम की प्रतिकूल स्थिति महंगाई का जोखिम बढ़ा सकती है। यही नहीं इसमें दोहरी मुसीबत के बारे में बताया गया है। एक तो मौसम से महंगाई में इजाफा और दूसरा कच्चे तेल में बढ़ोतरी का खतरा।

ऐसे पड़ सकती है महंगाई की दोहरी मार!

आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, खराब मौसम से मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ने की आशंका है। अप्रैल बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में केंद्रीय बैंक ने कहा है कि मौसम की खराब स्थिति मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा करने वाली साबित हो सकती है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव भी कच्चे तेल की कीमतों को अस्थिर रख सकता है। ऐसे में महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

अभी ईरान-इजरायल वार से बेअसर है क्रूड ऑयल

गौरतलब है कि पहले रूस और यूक्रेन, फिर इजरायल और हमास, इसके बाद अब इजरायल और ईरान के बीच तनाव और संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतों के अस्थिर होने का खतरा बढ़ा है और आरबीआई ने भी इसे लेकर चिंता जाहिर की है। हालांकि, Iranf-Israel War का कच्चे तेल की कीमतों पर फिलहाल तक को कोई बड़ा असर नहीं दिखा है, लेकिन रिजर्व बैंक को चिंता है कि अगर तनाव लंबा खिचा तो Crude Oil की कीमतों में अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

बता दें कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में ब्रेंट क्रूड का भाव 86.52 डॉलर प्रति बैरल और WTI Crude 81.37 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। हालांकि, इस युद्ध का शुरूआती असर सोने की कीमतों में जरूर देखने को मिला था और ये कुछ ही दिनों में 73,000 के आंकड़े को पार कर गई थी। हालांकि, दोनों देशों के बीच तनाव कम होने के संकेतों के चलते सोने के भाव में कमी देखने को मिली है।

देश में अभी खुदरा महंगाई की स्थिति

भारतीय रिजर्व बैंक अपनी हर हो महीने में होने वाली मौद्रिक नीति पर पहुंचते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर फोकस रखता है। मार्च महीने में पांच महीने के निचले स्तर 4.85 फीसदी पर पहुंची है, जो कि इससे पिछले दो महीनों में औसतन 5.1 फीसदी पर बनी हुई थी। महंगाई दर में गिरावट के चलते फरवरी 2023 से ही रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों को 6.5 फीसदी पर स्थिर रखा है। अपने अप्रैल बुलेटिन में आरबीआई ने आगे कहा है कि साल 2024 की पहली तिमाही में वैश्विक विकास की गति बरकरार है और ग्लोबल बिजनेस के लिए दृष्टिकोण सकारात्मक हो रहा है। हालांकि, रिजर्व बैंक ने अपने बुलेटिन में कहा है कि लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और केंद्रीय बैंक इन विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

एवरेस्ट कंपनी बोली- हमारे मसाले सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग में बैन नहीं

नई दिल्ली

भारतीय मसाला ब्रांड एवरेस्ट ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में अपने प्रोडक्ट्स बैन होने के रिपोर्टों का खंडन किया है। कंपनी ने कहा कि किसी भी देश में एवरेस्ट मसालों पर बैन नहीं है। हमारे सभी प्रोडक्ट्स सेफ और हाई क्वालिटी के हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हांगकांग के अलर्ट के बाद सिंगापुर ने जांच के लिए हमारे मसालों को अस्थायी रूप से होल्ड किया है। 60 में से सिर्फ एक प्रोडक्ट को जांच होगी। दरअसल, सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा लिमिट से ज्यादा होने की जानकारी दी थी। इससे कैंसर होने का खतरा रहता है। दोनों देशों ने इनके 4 प्रोडक्ट्स को बाजार से हटाने का आदेश दिया था। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

भारत सरकार ने सभी मसालों की जांच के आदेश दिए

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में मसालों को लेकर विवाद के बाद भारत सरकार ने भी फूड कमिश्नर्स से सभी कंपनियों के मसालों का सैंपल कलेक्ट करने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि देश के सभी फूड कमिश्नर्स को इस मामले को लेकर अलर्ट कर दिया गया है। मसालों के सैंपल कलेक्शन की प्रोसेस शुरू कर दी गई है। तीन से चार दिनों में एमडीएच और एवरेस्ट समेत देश की सभी कंपनियों की मसाला मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स से सैंपल्स कलेक्ट कर लिए जाएंगे। इनकी लैब रिपोर्ट करीब 20 दिनों में आएगी।

हानिकारक तत्व होने पर कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी

भारत में फूड आइटम्स में एथिलीन ऑक्साइड के इस्तेमाल पर बैन है। भारतीय मसालों में हानिकारक तत्व पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आपराधिक कार्यवाही का भी प्रावधान है। सरकार ने मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के तहत स्पाइस बोर्ड से अपील की है कि वह जागरूकता फैलाए कि उत्पादों में कोई हानिकारक तत्व नहीं मिलाया जाना चाहिए।

पहले भी होती रही है सैंपलों की टेस्टिंग, इस बार ज्यादा सैंपल कलेक्ट करेंगे

सूत्रों ने ये भी कहा कि वे हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर की घटनाओं से पहले भी सैंपलों की टेस्टिंग कर रहे थे। दावा किया कि अब तक भारतीय बाजार में उपलब्ध विभिन्न ब्रांडों के मसालों में कोई हानिकारक तत्व नहीं पाए गए हैं। यह सैंपल लेने की एक सतत प्रक्रिया है। इस बार हम पहले जो भी सैंपल ले रहे थे, उससे कहीं अधिक तेजी और अधिक संख्या में सैंपल लेंगे।

कीटनाशक है एथिलीन ऑक्साइड, इससे कैंसर का खतरा

स्पाइस बोर्ड एथिलीन ऑक्साइड को 10.7 सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर ज्वलनशील, रंगहीन गैस के रूप में परिभाषित करता है। यह कीटाणुनाशक, स्टरलाइजिंग एजेंट और कीटनाशक के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल चिकित्सा उपकरणों को स्टरलाइज करने और मसालों में माइक्रोबियल कंटेमिनेशन को कम करने के लिए किया जाता है।

महंगाई | पांव पखराई में भी नहीं देते चांदी की पायल, बिछुए और करधनी

सोने और चांदी के बढ़े भावों ने घटा दिया सराफा का 40 प्रतिशत कारोबार

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

सोना और चांदी के बढ़े हुए भाव ने सराफा बाजार का व्यापार 40 प्रतिशत तक घटा दिया है। अब केवल सहालगी कारोबार ही हो रहा है जो कि बहुत ही कम है। किसी समय दूल्हा-दुल्हन की पांव पखराई और व्यवहार में नजदीकी लोगों द्वारा सोना-चांदी तक के गहने दिए जाते थे जो अब बंद हो चुके हैं। अब केवल नगदी देकर ही काम चलाया जा रहा है। अब मई और जून में सहालगी सीजन नहीं होने के कारण सराफा का कारोबार काफी प्रभावित होने वाला है जिसको लेकर कारोबारी चिंतित बने हुए हैं।

सराफा बाजार में इस समय स्टेण्डर्ड सोना 76200 रुपए प्रति दसग्राम तो चांदी 85300 रुपए किलो हो गई है। जेवराती 69800 रुपए का दसग्राम है जिसमें मेकिंग चार्ज अलग से जुड़ा हुआ है। दामों के इतने बढ़ने से आमजन ने इसकी खरीदारी से दूरी बना ली है। क्योंकि सोना और चांदी को खरीदना इनके बूते की बात नहीं है। दूसरी बात यह है कि इनको पहनना भी खतरनाक है। वहीं इनके दामों के बढ़ने के कारण निवेशक भी इसमें निवेश करने से कतराने लगे हैं।

मई और जून में नहीं सहालग

अप्रैल माह में 22, 23, 24, 25 और 26 का थोड़ा बहुत ही सहालग बचा हुआ है। इसके बाद मई और जून में शुक्र अस्त होने से विवाह का कोई योग नहीं है। जुलाई माह में 09, 10, 11, 12, 13, 14, 15 और 16 का सहालग है। इसके बाद 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है, इसके बाद चार माह तक मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। इस लिहाज से सोना और चांदी के बढ़े हुए दाम व्यापार की दृष्टि से सराफा बाजार के लिए अच्छे नहीं है।

इनका कहना है

'वैश्विक स्तर पर बनी परिस्थितियों के कारण सोने-चांदी के दाम बढ़े हुए हैं। जब कोई वस्तु अधिक महंगी हो जाती है तो इसकी बिक्री कम हो जाती है। यही हाल सोना और चांदी का है। लोग इसे खरीदने में दिलचस्पी कम ही ले रहे हैं।'

पुरुषोत्तम जैन
अध्यक्ष, सराफा बाजार

'मार्च और अप्रैल व्यापार की दृष्टि से निल रहा। आगे भी कोई उम्मीद नहीं है। मात्र थोड़ी-बहुत सहालगी खरीदारी रह गई है। जो लोग व्यवहार के लिए चांदी की पायल, बिछुए और करधनी लेते थे उन्होंने भी लेना बंद कर दिया है। इसलिए हम भी कम मंगाते हैं। सोने-चांदी के दामों ने व्यापार को 40 प्रतिशत तक घटा दिया है।'

गौरव गोयल, स्वर्ण कारोबारी

मार्केट वैल्यू में मदद मिलेगी

केंद्र सरकार पांच सरकारी बैंकों में हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में

एजेंसी नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के 5 बैंकों में अपनी हिस्सेदारी घटाने की तैयारी शुरू कर दी है। वित्त वर्ष 2017 से 2022 के बीच सरकार ने इन सभी बैंकों में काफी पूंजी डाली थी। इसके चलते बैंकों की बड़ी हिस्सेदारी सरकार के पास है। सरकार विनिवेश करके इन बैंकों का एनपीए कम करने की कोशिश करेगी ताकि इनकी बैलेंस शीट सुधारी जा सके। सरकार जल्द ही सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंघ बैंक में अपनी हिस्सेदारी कम कर सकती है। इस विनिवेश के जरिए सरकार मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग के नियम का भी पालन सुनिश्चित कर सकेगी।

नियम की डेडलाइन अगस्त

मार्केट रेगुलेटर सेबी के नियमों के अनुसार, किसी भी कंपनी को लिस्टिंग के 3 साल के अंदर मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग 25 फीसदी करनी होती है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी है कि इन सभी 5 बैंकों के लिए एमपीएस नियम का पालन करने के लिए अगस्त, 2024 तक अक समय है। इसलिए सरकार इससे पहले ही इन बैंकों में अपनी हिस्सेदारी घटा सकती है।

सार.समाचार

मुझे अपनी क्षमताओं पर भरोसा था: मरीना

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के 33 सदस्यीय कोर ग्रुप में जगह बनाने वाली मिजोरम की युवा और ऊजार्वान मिडफील्डर मरीना लालरामनघाकी ने कहा कि मुझे अपनी क्षमताओं पर भरोसा था। अपने चयन को लेकर मरीना ने कहा, जब मुझे कोर ग्रुप में मेरे चयन की खबर मिली तो मैं खुशी से अभिभूत हो गई। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा क्षण था और मेरी आंखे भर आईं। मुझे हमेशा आत्मविश्वास था मेरी क्षमताओं और सफल परीक्षणों ने मेरे विश्वास की पुष्टि की। उन्होंने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य 2026 महिला एफआईएच हॉकी विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम की सफलता में योगदान देना है। हालांकि, वर्तमान में मेरा ध्यान भारतीय टीम की टीम में जगह बनाना है। उन्होंने कहा, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।

चोटिल मिचेल मार्श आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 से बाहर हो गए हैं।

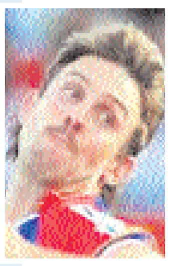

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने सोमवार को कहा कि ऑलराउंडर मिचेल मार्श आईपीएल 2024 के शेष भाग में हिस्सा नहीं लेंगे। मार्श फिलहाल दाहिनी हैमस्ट्रिंग की समस्या से उबर रहे हैं। इस चोट से उबरने के बाद वह भारत नहीं लौटेंगे और ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे। मार्श क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के चिकित्सीय दल से परामर्श करने के लिए 12 अप्रैल को पर्थ वापस चले गए थे। आईपीएल में वह वापसी करेंगे या नहीं करेंगे, इस फैसले को लेने में थोड़ी देर हुई, क्योंकि मार्श को ठीक होने और उनकी चोट को पुनर्मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त समय दिया जा रहा था। पोंटिंग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह वापस आएंगे। सीए चाह रहा था कि मार्श की चोट की रिकवरी ऑस्ट्रेलिया में ही हों।

विटैलिटी काउंटी चैंपियनशिप में नायर ने जड़ा दोहरा शतक

नॉर्थेंप्टनशायर। विटैलिटी काउंटी चैंपियनशिप में ग्लमॉर्गन के खिलाफ करुण नायर के नाबाद दोहरे शतक की बदौलत नॉर्थेंप्टनशायर ने मैच पर अपनी स्थिति मजबूत पकड़ बना ली है। भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज करुण नायर ने 253 गेंद में नाबाद 202 रन बनाए। उनके दोहरे शतक के बाद टीम ने 334 रनों की बढ़त के साथ छह विकेट पर 605 रन पर पारी घोषित की। नायर ने छठे विकेट के लिए सैफ जैब के साथ 212 रन की साझेदारी की। इस दौरान जैब ने भी अपने इस सत्र का पहला शतक बनाया। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज रिकार्डो वासकॉनसेलोस ने भी 182 रनों की बेहतरीन पारी खेली। मेहमान टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक 104 रन पर तीन विकेट गंवा दिए हैं और ग्लमॉर्गन अभी भी 230 रन पीछे हैं। एक समय मेजबान टीम 82 रन पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी ऐसे समय में नायर ने 55 रन के साथ तीसरे दिन की शुरूआत की और जैब ने उनका अच्छा साथ दिया। नायर लगातार ग्लमॉर्गन के गेंदबाजों के प्रति आक्रामक रहे।

विराट के साथ बातचीत से बुरे दौर में काफी मदद मिली: रियान पराग

नई दिल्ली। जब रियान पराग पहली बार मैदान पर उतरे तो वह अपनी बल्लेबाजी से ज्यादा सोशल

मीडिया पर बेबाकी से अपनी राय व्यक्त करने के लिए जाने जाते थे, लेकिन फिर महान बल्लेबाज विराट कोहली से 10-15 मिनट तक अच्छी सलाह मिली और चीजें बदलकर बेहतर हो गईं। कोहली से सलाह मांगने पर पराग ने बताया, मेरे दूसरे साल खेल रहा था और आईपीएल में बुरे दौर से गुजर रहा था। मैं उनसे चर्चा कर रहा था कि उस दौर से कैसे बाहर निकला जाए और वह इस तरह की परिस्थितियों को कैसे संभालते थे जिससे कि मैं उनके अनुभव से सीख सकूं। उन्होंने मुझे अपने समय में से 10-15 मिनट दिए और मेरे साथ कुछ चीजें साझा कीं। मुझे लगता है कि इससे मुझे काफी मदद मिली।

प्रियंका और अक्षदीप को मैराथन रेस वॉक मिश्रित रिले में पेरिस ओलिंपिक कोटा

अंताल्या। भारत की प्रियंका गोस्वामी और अक्षदीप सिंह ने विश्व एथलेटिक्स रेस वॉकिंग टीम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलिंपिक कोटा हासिल किया है। तुर्की के अंताल्या में आयोजित विश्व एथलेटिक्स रेस वॉकिंग टीम चैंपियनशिप में मैराथन रेस वॉक मिश्रित रिले स्पर्धा में प्रियंका गोस्वामी और अक्षदीप सिंह ने भारत के लिए पेरिस 2024 ओलिंपिक कोटा हासिल किया। इस दौरान भारतीय एथलीट 18वें स्थान पर रहे। अक्षदीप सिंह और प्रियंका गोस्वामी ने कट हासिल करने के लिए 3:05:03 समय लिया। कोटा रेस में प्रतिस्पर्धा करने वाली अन्य भारतीय टीम में मुनिता प्रजापति और परमजीत सिंह 3:09:58 समय के साथ 35वें स्थान पर रहे।

युकी भांबरी ने बीएमडब्ल्यू ओपन 2024 टेनिस में जीता युगल खिताब

म्यूनिख। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी जोड़ी ने बीएमडब्ल्यू ओपन 2024 टेनिस टूर्नामेंट में युगल खिताब जीत लिया है। जर्मनी के म्यूनिख

में गैरवरीयता प्राप्त भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी ने जर्मन एंड्रियास मिज और जान-लेनार्ड स्ट्रफ की जोड़ी को एक घंटे 51 मिनट में तक चले फाइनल मुकाबले में 7-6(6), 7-6(5) से हराया। इंडो-फ्रेंच जोड़ी का पहला खिताब है। इससे पहले सेमीफाइनल में भांबरी-ओलिवेट्टी ने ऑस्ट्रिया के अलेक्जेंडर एर्लर और लुकास मीडलर को 6-1, 6-7(5), 10-7 से हराया और क्वार्टरफाइनल में उन्होंने अमेरिकी जोड़ी रॉबर्ट गैलोवे और इवान किंग को 6-3, 6-3 से पराजित किया था। शुरूआती दौर में, भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी ने बेल्जियम की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी सैंडर गिल और जोरान व्लिगेन की जोड़ी को 95 मिनट तक चले मुकाबले में 4-6, 7-6(5),10-6 से हराया था। ऐसा माना जा रहा है कि इस जीत से 31 वर्षीय भांबरी पुरुष युगल टेनिस रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग 56वें स्थान पर पहुंच जाएंगे।

कैस्पर रूड ने जीता बार्सिलोना ओपन खिताब, सितसिपास को दी मात

बार्सिलोना। नॉर्वे के कैस्पर रूड ने स्टेफानोस सितसिपास से मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में मिली पिछली हार का बदला चुकता करते हुए बार्सिलोना ओपन टेनिस फाइनल में सीधे सेटों में हरा दिया। कैस्पर रूड ने 7-5, 6-3 से जीत दर्ज करके सत्र का पहला खिताब अपने नाम किया। वह इस साल तीन अन्य फाइनल हार चुके हैं। यह उनके कैरियर का 11वां खिताब और क्लेकोर्ट पर दसवां खिताब है। पिछली बार उन्होंने अप्रैल 2023 में एस्टोरिल में खिताब जीता था। पिछले साल फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहे रूड की नजरें अब रोलां गैरो पर खिताबी जीत दर्ज करने पर लगी हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हराया

चेन्नई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

मार्कस स्टॉयनिस नाबाद (124) और निकोलस पूरन (34) रनों की शानदार पारियों की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 39वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हरा दिया है। 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (शून्य) को विकेट गवां दिया। उन्हें दीपक चाहर ने बोल्ड आउट किया। उसके बाद कप्तान के एल राहुल 14 गेंदों में (16) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। देवदत्त पड़िक्कल (13) रन बनाकर आउट हुये। मार्कस स्टॉयनिस और निकोलस पूरन ने पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच 70 रनों की साझेदारी हुई। निकोलस 15 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (34) रन बनाये। मार्कस स्टॉयनिस ने 63 गेंदों में 13 चौके और छह छक्कों की मदद से नाबाद (124) रनों की पारी खेली। दीपक हुड्डा छह गेंदों में 17 रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाकर कर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। चेन्नई की ओर से मथीशा पथिराना को दो विकेट मिले। दीपक चाहर और मुस्तफिजुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।इससे पहले ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद (108) की शतकीय और शिवम दुबे (66) रनों की अर्धशतकीय आतिशी पारियों के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को जीत के लिए 211 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (1) का विकेट गवां दिया। उसके बाद डैरिल मिचेल ने ऋतुराज के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिये 45 रन जोड़े। छठें ओवर में यश ठाकुर ने हुड्डा के हाथों कैच आउट कराकर मिचेल (11) को पवेलियन भेज दिया।12वें ओवर में रवींद्र जडेजा (16) रन बनाकर आउट हुये। हालांकि दूसरे छोर से ऋतुराज लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने 60 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद (108) रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने ऋतुराज चौथे विकेट लिये 104 रनों की साझेदारी की। वह 20वें ओवर की चौथी गेंद पर रनआउट हुये। उन्होंने 27 गेंदों में तीन चौके और सात छक्के लगाते हुये (66) रन बनाये। महेन्द्र सिंह धोनी ने मैच की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर टीम का स्कोर चार विकेट पर 210 रन पहुंचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से मैट हेनरी, मोहसिन खान और यश ठाकुर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

17 साल की उम्र में जीता कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट

विश्वनाथन आनंद के बाद टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय गुकेश

नई दिल्ली | एजेंसी

भारत के 17 साल के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। वे वर्ल्ड खिताब के लिए सबसे कम उम्र में चुनौती देने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अब वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए उनकी भिड़ंत चीन के डिंग लिरेन से होगी। गुकेश से पहले 1984 में रूसी खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने सबसे कम उम्र 22 साल में यह टूर्नामेंट जीता था।

वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए चीन के डिंग लिरेन से भिड़ेंगे

अब गुकेश वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए इस साल के आखिर में चीन के डिंग लिरेन से भिड़ेंगे। हालांकि यह मुकाबला कब होगा और कहां खेला जाएगा, इसकी घोषणा नहीं की गई है। गुकेश यह टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। उनसे पहले पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 2014 में यह टूर्नामेंट जीता था। तब वे 45 साल के थे। गुकेश ने जीत के बाद कहा, बहुत खुशी हो रही है। मैं उस रोमांचक खेल (फैबियो कारुआना और इयान नेपोमनिआचची के बीच) को देख रहा था, फिर मैं अपने सहयोगी (ग्रिगोरी गैजेव्स्की) के साथ टहलने गया, मुझे लगता है कि इससे मदद मिली।

गुकेश को टूर्नामेंट में 14 में से 9 अंक मिले

गुकेश ने टूर्नामेंट में 14 में से 9 अंक हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया। उन्होंने टूर्नामेंट के अपने आखिरी मुकाबले में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेला। इससे उनके अंक 8.5 से बढ़ कर 9 हो गए। वहीं उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराकर अपने पॉइंट 8.5 कर लिए थे। अलीरेजा को हराने के साथ ही गुकेश ने टूर्नामेंट में नेपोमनियाच्ची, नाकामुरा और अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हाफ अंक की बढ़त ले ली थी।

एशियन गेम्स में रजत जीतने वाली टीम के सदस्य

गुकेश ने पिछले साल चीन के हांग्जो एशियन गेम्स में रजत पदक जीता था। 2015 में गुकेश एशियाई स्कूल शतरंज चैंपियनशिप में अंडर-9 का खिताब जीतने के साथ कैंडिडेट मास्टर बने थे। गुकेश ने अब तक 5 गोल्ड एशियाई यूथ चैंपियनशिप जीती हैं। 2019 में वे भारत के सबसे युवा और वर्ल्ड के दूसरे सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने थे।

विश्वनाथन आनंद ने दी बधाई

विश्वनाथन आनंद ने ट्विटर पर युवा खिलाड़ी को बधाई देते हुए लिखा, सबसे युवा चैलेंजर बनने के लिए डी गुकेश को बधाई। आपने जो हासिल किया है उस पर बहुत गर्व है। मुझे निजी तौर पर बहुत गर्व है कि आपने कैसे खेला और कठिन परिस्थितियों को संभाला। इस पल का आनंद लें।

कतर के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बाद ऑस्ट्रेलिया बाहर, ओलिंपिक की उम्मीदें खत्म

दोहा। दोहा के जसीम बिन हमद स्टेडियम में मेजबान कतर के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ के बाद ऑस्ट्रेलियाई पुरुष फुटबॉल टीम ग्रुप चरण में एएफसी अंडर -23 एशियाई कप 2024 से बाहर हो गई है। ऑस्ट्रेलिया को अंतिम आठ में पहुंचने के लिए कतर के खिलाफ जीत के साथ-साथ जॉर्डन बनाम इंडोनेशिया मैच से अनुकूल परिणाम की आवश्यकता थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया शुरू से ही काफी दबाव में था। ऑस्ट्रेलिया ने एक भी गोल किए बिना ग्रुप चरण समाप्त किया और अपने तीन में से दो गेम ड्रॉ कराए। वे ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर रहे और इंडोनेशिया ने दूसरे मैच में जॉर्डन को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में कतर के साथ शामिल हो गया। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो ने अंतिम आठ में जगह बनाई।

1958 में पहली बार हिन्द केसरी खिताब जीतने वाले रामचंद्र पहलवान नेपानगर का निधन

इंदौर

1958 हैदराबाद में पहली बार भारतीय शैली कुश्ती का सबसे बड़ा खिताब हिन्द केसरी जीतने वाले रामचंद्र पहलवान बाबू का 99 वर्ष की आयु में निधन होने से देशभर व प्रदेश की कुश्ती जगत में शोक छा गया। हिन्द केसरी खिताब जीतने पर उन्हें नेपानगर मिल ने आजीवन गोद ले रखा था। वे देशभर में नेपानगर मिल की ओर से भाग लेते रहे व देश के उस समय के सभी शीर्ष पहलवानों से कुश्तियां लड़कर मध्यप्रदेश की कुश्ती जगत में गहरी क्षति हुई है।

उनके 41 वर्ष बाद हिन्द केसरी खिताब विश्वामित्र अवार्डी शिवराम पटेल के बेटे राकेश पटेल ने हिन्द केसरी खिताब जीता व 2007 में पटेल जी के पोते रोहित पटेल ने भी यह दुर्लभ खिताब जीता। सोमवार को नेपानगर में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मप्र कुश्ती संघ के ओलिम्पियन पप्पू यादव, विश्वामित्र अवार्डी शिवराम पटेल, विक्रम अवार्डी ओमप्रकाश खत्री, हिन्द केसरी राकेश पटेल, हिन्द केसरी रोहित पटेल, कुश्ती सम्राट सतीश मांडिया, सुरेश राणे, गोविंद गुर्जर, खंडवा के मंगल यादव, रतलाम के वैभव जाट, राजू रावत, सलाम पहलवान सहित कुश्ती जगत के सभी अखाड़ों ने रामचन्द्र पहलवान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अबीर, आराध्य, विदित, सामर्थ्य, रौनक, चैताली, गिरिजा और अन्नीता क्वार्टर फाइनल में

बैडमिंटन स्पर्धा

इंदौर

इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन के तहत मल्हार क्रीड़ा मंडल द्वारा आयोजित 14वीं दिलीप बारगल स्मृति इंदौर जिला मिनी-सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में 13 वर्ष बालक एकल में आरव राज सिंह बग्गा, वैभव पाटीदार, सक्षम गुप्ता, अवनीश नेकिए, हिमांशु सरोदे, दिव्यांश पाटीदार, आराध्य सागर और शोभित गुप्ता ने चौथे दौर के मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में

जगह बनाई। अबीर चौधरी, अनवित गोयल, आराध्य सागर, कैवल्य अग्रवाल, हर्षवर्धन सिंह राजपूत, रिशान नांदेडकर,अदवैत पाटीदार और वेदांश सिंह तोमर 11 वर्ष बालक एकल के क्वार्टर फाइनल में हैं। सेमीफाइनल मुकाले सुबह 10 बजे से होंगे।

सीएम यादव पहुंचे नरसिंहपुर:कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा-

वे राम को ही नहीं मानते तो हनुमान को क्या मानेंगे

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को नरसिंहपुर के जनपद मैदान में पहुंचे, जहां उन्होंने आमसभा को संबोधित करते हुए नर्मदापुरम-नरसिंहपुर लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के पक्ष में प्रचार किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के न्योते को स्वीकार न करने पर उन्होंने कांग्रेस को नालायक बताया। सीएम ने कहा कि जिनकी बुद्धि कमजोर है वे अगर राम जी को ही नहीं मानते तो हनुमान जी को क्या मानेंगे। कांग्रेस के लोगों को माफी मांगना चाहिए। भगवान राम के मामले में सुप्रीम कोर्ट फैसला दे दे फैसले के बाद भी भगवान राम के मंदिर के निमंत्रण को ठुकरा ओगे। इसके बाद क्या करेंगे आप लेकिन करने वाले कौन है। यह कांग्रेस वाले! मोहन यादव बोले की अब यह तो गलती कर चुके हैं, उंगली उठाईये और उंगली में सुदर्शन चक्र धारण कर 26 तारीख को अपनी उंगली पर सुदर्शन चक्र धारण कर कांग्रेस का सर्वनाश कीजिए।

कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए- मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी तरह के संसाधनों पर हक देश के सभी वर्ग के लोगों का है। कांग्रेस ने मेनिफेस्टो में वर्ग विशेष के लिए संसाधनों पर हक की बात लिखकर निंदनीय काम किया है। इसके लिए कांग्रेस को देश के सभी वर्ग के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

फसल कटाई के कारण पहले दौर में कम वोटिंग

वोटिंग कम होने को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार अप्रैल में चुनाव हुए हैं जबकि पिछले लोकसभा चुनाव में मई में वोटिंग हुई थी। इस समय फसल कटाई का दौर चल रहा है और शादी विवाह का सीजन भी है। इसलिए वोटिंग कम हुई है। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के प्रचार में न आने को लेकर कहा कि वे प्रचार करने जाएंगी। पीएम मोदी के भोपाल आने को लेकर कहा कि हम चुनाव लड़ रहे हैं तो जनता के बीच वोट मांगने के लिए आना पीएम मोदी की विनम्रता का परिचायक है।

पवन कल्याण ने पिथापुरम विधानसभा क्षेत्र से दाखिल किया नामांकन पत्र

काकीनाडा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जन सेना पार्टी के प्रमुख व फिल्म अभिनेता पवन कल्याण ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश में पिथापुरम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। कल्याण ने अपने भाई कोनिडेला नागाबाबू, पूर्व विधायक वर्मा और अपने वकील के साथ निर्वाचन अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर रामसुंदर रेड्डी को अपना नामांकन पत्र सौंपा। उन्होंने सुबह गोलाप्रोलु में अपने कैंप कार्यालय से रैली शुरू की, जो गोलाप्रोलु प्रवेश राजमार्ग, राजमार्ग, गोलाप्रोलु एमआरओ कार्यालय, पुराना बस्टैंड, पिथापुरम कैटल शेडी, चर्च सेंटर, पिथापुरम नया बस स्टैंड, उप्पाडा बस स्टैंड, सरकारी अस्पताल, पुलिस स्टेशन रोड और पडगया क्षेत्र से होकर गुजरी।

रैली पडगया में समाप्त हुई, जहां से वह निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय गए और अपना नामांकन दाखिल किया। चिलचिलाती धूप के बावजूद श्री कल्याण की रैली के दौरान पूरे रास्ते में लोगों की हुजूम उमड़ी और समर्थकों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

विशाखापत्तनम बनेगा आंध्र का भाग्य: जगन

विशाखापत्तनम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि भाग्य का शहर विशाखापत्तनम, प्रदेश का भाग्य बनेगा और बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों से प्रतिस्पर्धा करेगा। मुख्यमंत्री ने अपनी मेमंथा सिद्धम यात्रा के तहत यहां वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करते हुए कहा कि शहर में अन्य क्षेत्रों के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र भी तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा, अगर मुख्यमंत्री विशाखापत्तनम से काम करेंगे तो शहर सीधे तौर पर अन्य मेट्रो शहरों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। श्री रेड्डी ने कहा कि वह कुछ पक्षपाती क्षेत्रीय मीडिया द्वारा समर्थित विपक्षी गठबंधन तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा) जन सेना पार्टी (जेएसपी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ रहे हैं। वाईएसआरसीपी प्रमुख ने कहा, लेकिन मैं लड़ाई में अकेला नहीं हूं क्योंकि मुझे आप, सोशल मीडिया योद्धाओं का समर्थन प्राप्त है। मुख्यमंत्री ने पार्टी के मीडिया और सोशल मीडिया समन्वयक सज्जला भार्गव रेड्डी से उन्हें सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के मुद्दों पर हर हफ्ते एक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा। श्री रेड्डी ने कहा, हम आश्वासन दे रहे हैं कि पूरी पार्टी हर निर्वाचन क्षेत्र, मंडल और गांव में आपके पीछे है। उन्होंने सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं से राज्य में आगामी आम चुनावों में सभी विधानसभा और लोकसभा सीटें जीतने की दिशा में काम करने को भी कहा।

ओड़ीशा में एक करोड़ रूपए की ड्रग्स जब्त

अंगुल, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

ओडिशा में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की ब्राउन शुगर ड्रग्स जब्त की गई है। इस मामले में ओडिशा के अंगुल जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार एक खबरी से यह जानकारी मिली थी, जिसके बाद स्पेशल टास्क फोर्स और ओडिशा पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान चलाया गया।

मौके से 1.1 किलोग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई। गिरफ्तार किए गए तस्करों का नाम रकीबुल इस्लाम और बिजय बिरबर्मा बताया गया है। रकीबुल पश्चिम बंगाल का रहने वाला है, जबकि बिजय बिरबर्मा अंगुल जिले का ही रहने वाला है।

मेघालय में सामुहिक दुष्कर्म के तीन आरोपी गिरफ्तार

शिलॉन्ग, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मेघालय के शिलॉन्ग में हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन पर शिलॉन्ग की एक व्लॉगर के साथ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप है।

व्लॉगर ने 20 अप्रैल को पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता एक गेम व्लॉगर है, जिसके यू-ट्यूब पर 75 हजार से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं और इंस्टाग्राम पर एक लाख से ज्यादा फॉलोवर हैं। पीड़िता के अनुसार उसके दोस्त ने उसे पहले ड्रग्स दी और इसके बाद उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। तीनों आरोपियों की उम्र 18 से 20 साल के बीच बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में जांच लगातार जारी है।

दिल्ली मेट्रो में अजीब घटना

सीट नहीं मिली, सरेआम आदमी की गोद में बैठ गई महिला

नई दिल्ली . सोशल मीडिया पर दिल्ली मेट्रो का एक और वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक महिला सीट नहीं मिलने पर एक व्यक्ति की गोद में जबरिया बैठ जाती है। गोद में बैठते हुए वह कहती है कि हमें क्या, हम भी बेशरम बन जाएंगे, इनको तो रात में पता चलेगा। सोशल मीडिया पर ट्रेंड कराए गए वीडियो में दिल्ली मेट्रो में खचाखच भीड़ वाले एक कोच में एक महिला को जगह के लिए मशक्कत करते देखा जा सकता है। महिलाओं की सीट पर भी काफी संख्या में पुरुष यात्री बैठे हैं। उसी समय महिला, सीट पाने की कोशिश करती है। महिला, अपनी सीट खाली करने के लिए कहती है लेकिन कोई राजी नहीं होता है। इसके बाद बेझिझक वह एक आदमी की गोद में बैठ जाती है। महिला बैठते हुए कहती है कि 'हमें क्या, हम भी बेशरम बन जाएंगे।' महिला कहते सुनी जा सकती है 'हमें फर्क नहीं पड़ता।

आर्मी चीफ बोले-

मौजूदा वैश्विक हालात में फिर बढ़ी है हार्ड पावर की अहमियत

नई दिल्ली। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे मंगलवार को एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक हालात में किसी भी देश की हार्ड पावर की अहमियत फिर से बढ़ी है। भारत की हार्ड पावर को आकार देने में आत्मनिर्भरता कैसे अहम भूमिका निभा रही है, इस पर आर्मी चीफ ने अपने विचार रखे। अपने संबोधन में थलसेना अध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने कहा कि %मौजूदा भू-रणनीतिक परिदृश्य में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। हाल की भू राजनीतिक गतिविधियां बताती हैं कि जहां भी राष्ट्रीय हितों को लेकर चिंताएं उभरेंगी, देश युद्ध से भी पीछे नहीं हटेंगे।

भारत ने 250 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत ने अंडमान में 250 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली नई बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। भारतीय वायु सेना की हवा से प्रक्षेपित यह बैलिस्टिक मिसाइल 250 किलोमीटर से अधिक दूरी के लक्ष्य को भेद सकती है।अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना द्वारा परीक्षण की गई मिसाइल इस्राइल मूल की क्रिस्टल मेज 2 एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल है जिसे रॉक्स (ठजउघड) के नाम से भी जाना जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ सूत्रों ने एएनआई को बताया कि अंडमान में द्वीप के क्षेत्र में एक परीक्षण रेंज में पिछले हफ्ते सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू जेट द्वारा मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। अंडमान एवं निकोबार तीनों सेनाओं की कमान के तहत आने वाले इलाके में परीक्षण की तैयारियां की गई। भारतीय वायु सेना अब मेक इन इंडिया के माध्यम से बड़ी संख्या में इन इस्राइली मिसाइलों को हासिल करने की योजना बना रही है क्योंकि यह देश को एक अनूठी क्षमता प्रदान करती है।

भारतीय वायुसेना द्वारा सुखोई-30 लड़ाकू विमान से दागी गई यह मिसाइल ऊपर की ओर यात्रा करती है और फिर तेज गति से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती है। क्रिस्टल मेज 2 क्रिस्टल मेज 1 से बिल्कुल अलग है जिसे इस्राइल से भारतीय वायु सेना में बहुत पहले शामिल किया गया था। क्रिस्टल मेज 2 एक विस्तारित स्टैंड-ऑफ रेंज एयर-टू-सतह (हवा से जमीन पर मार करने वाली) मिसाइल है। भारतीय वायुसेना द्वारा इसका उपयोग भारतीय दुश्मनों के लंबी दूरी के रडार और वायु रक्षा प्रणालियों जैसे लक्ष्यों पर हमला करने के लिए करने की योजना है। यह बैलिस्टिक मिसाइल वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा संरक्षित क्षेत्रों में भी अपने लक्ष्य के खिलाफ प्रभावी हो सकती है।

हिडन एजेंडा वालों को जवाब

जीत के बाद बढ़ा राष्ट्रपति मुइज्जू का घमंड! भारत पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) पार्टी ने संसदीय चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इस जीत के बाद मुइज्जू ने एक बार फिर भारत को तेवर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि हालिया चुनाव के नतीजों ने दुनिया को ये दिखा दिया है कि मालदीव के लोग अपना भविष्य चुनने में स्वायत्तता चाहते हैं, ना कि किसी तरह का विदेशी दखल। चीन समर्थित मुइज्जू की सत्तारूढ़ पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) पार्टी ने 93 में से 68 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि गठबंधन में उनकी साझेदार पार्टियों मालदीव नेशनल पार्टी (एमएनपी) ने एक और मालदीव डेवलपमेंट अलायंस (एमडीए) ने दो सीटों पर जीत दर्ज की।

दोनों देशों के बीच क्या है विवाद

प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के बाद मालदीव की सरकार के तीन मंत्रियों ने पीएम मोदी के इस दौरे की कुछ तस्वीरों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच राजनयिक विवाद गहराया था। मामले पर विवाद बढ़ने के बाद इन तीनों मंत्रियों को सस्पेंड कर दिया गया था।

इजरायली सेना के जाने के बाद गाजा के अस्पताल में मिलीं सामूहिक कब्रें, 253 शव निकले

गाजा।

गाजा के खान यूनिस शहर में नासिर मेडिकल अस्पताल में सामूहिक कब्रें मिली है। इलाके में इजरायली सेना के पीछे हटने के दो हफ्ते बाद फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा दल ने इन शवों को बाहर निकाला है। शवों की संख्या में इजाफा होने की भी आशंका है।

गाजा के खान यूनिस शहर में नासिर मेडिकल अस्पताल के परिसर में चार सामूहिक कब्रें मिली हैं। पहली कब्र से 180 शव बरामद किए गए हैं। वहीं तीन और कब्र से अब तक 73 शव बरामद किए जा चुके हैं। पिछले दो महीनों से ये लोग लापता बताए जा रहे थे। इलाके में इजरायली सेना के पीछे हटने के दो हफ्ते बाद फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा दल ने इन शवों को बाहर निकाला है। शवों की संख्या में इजाफा होने की भी आशंका है। क्योंकि कब्रें खोदने का काम अभी भी जारी है।

इजरायली सेना ने 7 अप्रैल को यहां से अपने सैनिक वापस बुला लिए थे। 27 अप्रैल को अधिकारियों को अस्पताल परिसर में सामूहिक कब्रों की जानकारी मिली। 21 अप्रैल को पहली सामूहिक कब्र मिलने के बाद शवों को बाहर निकाला गया। अल जजीरा से जुड़े हानी महमूद की रिपोर्ट के मुताबिक, 22 अप्रैल को तीन और सामूहिक कब्र से 73 शव मिले हैं। इनमें बच्चे, बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। खुदाई का काम अभी भी जारी है। अस्पताल का दौरा करने वाले मेडिकल स्टाफ और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने इसे ''कब्रिस्तान'' बताया है। नागरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रवक्ता महमूद बस्सल ने एपीएफ को बताया,

इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने इजरायल के इस ''भयानक नरसंहार'' की निंदा की है। संगठन ने एक बयान में कहा कि सैकड़ों विस्थापितों, बीमार, घायलों और मेडिकल टीमों को सामूहिक तौर पर फांसी देने और दफनाने से पहले उन्हें यातनाएं दी गईं। ओआईसी ने मानवता के खिलाफ अपराध, वॉर क्राइम और आतंकवाद की जांच की मांग की है।

इस स्टेटमेंट में अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को इसके प्रति अपनी ज़िम्मेदारियां निभाने पर जोर दिया गया है।

हाल ही में गाजा के अल-शिफा अस्पताल में एक ऐसी ही सामूहिक कब्र की खोज मिली थी। हमास-नियंत्रित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 7 अक्टूबर के हमले के बाद शुरू हुई इजरायली जवाबी कार्रवाई में 34,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। वहीं 77,084 घायल हैं।

चिंता हिमालय पर 2431 ग्लेशियल लेक्स, 676 झीलों का आकार बढ़ा, 130 भारतीय क्षेत्र, झीलों के टूटने का खतरा

इसरो का दावा! संकट में सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हिमालय पर 2431 ग्लेशियल लेक्स हैं। जिनमें से 676 झीलों का आकार लगातार बढ़ा है। इनमें से 130 भारतीय क्षेत्र में हैं। इन झीलों के टूटने का खतरा बरकरार है। इसरो की नई रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से इन ग्लेशियल झीलों पर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, हिमालय के पहाड़ों को दुनिया तीसरा ध्रुव कहा जाता है। वजह है भारी संख्या और मात्रा में ग्लेशियरों की मौजूदगी। और ढेर सारी बर्फ, लेकिन यह इलाका ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ज्यादा प्रभावित हो रहा है। बर्फ पिघल रही है। ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं। इसका असर सामाजिक तौर पर भी पड़ता है। ग्लेशियरों के सिकुड़ने का मतलब है बर्फ का तेजी से पिघलना। पानी जुड़ने से हिमालय में पुरानी ग्लेशियल लेक्स का आकार भी बढ़ जाता है। ये ग्लेशियर और बर्फ भारत की नदियों का स्रोत हैं, लेकिन ये बर्फीली झीलें खतरनाक साबित हो सकती हैं। इन ग्लेशियल लेक्स से ग्लेशियल लेक्स आउटबर्स्ट फ्लड्स का खतरा रहता है। जैसे केदारनाथ, चमोली और सिक्किम में हादसे हुए।

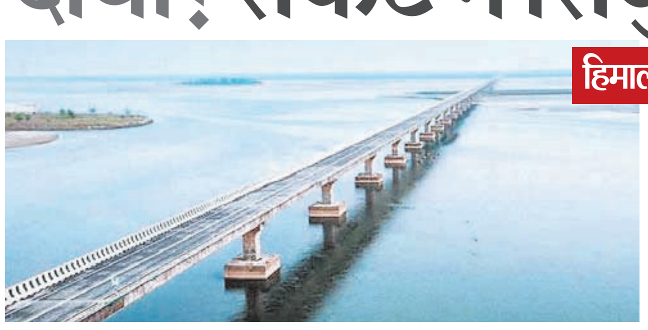

हिमालय के ग्लेशियल लेक्स पर नजर

इसरो इन पर नजर रखता है। सैटेलाइट्स के जरिए नई बनने वाली झीलों पर और साथ ही पुरानी झीलों के बढ़ते हुए आकार पर। ताकि खतरनाक ग्लेशियल लेक्स के फूटने से पहले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा सके। या इससे बचाव का कोई रास्ता निकाला जा सके। भारत के पास हिमालय पर मौजूद बर्फीली झीलों का 3-4 दशक का डेटा है।

लगातार बढ़ रहा आकार

1984 से 2023 तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि हिमालय में 2431 झीलें ऐसी हैं, जो आकार में 10 हेक्टेयर से बड़ी हैं, जबकि 1984 से अब तक 676 झीलें ऐसी हैं, जिनके क्षेत्रफल में फैलाव हुआ है। इनमें से 130 भारत में मौजूद हैं। सिंधु नदी के ऊपर 65, गंगा के ऊपर सात और ब्रह्मपुत्र के ऊपर 58 ग्लेशियल लेक्स बनी हैं।

89 फीसदी झील कई बार फैलीं

इन 676 झीलों में से 601 के आकार में दो बार से ज्यादा फैलाव हुआ है, जबकि 10 झीलें डेढ़ से दोगुना बढ़ी हैं। वहीं 65 झीलें हैं, जो डेढ़ गुना बढ़ी हैं। अगर इन झीलों की ऊंचाई की बात करें तो 314 झीलें 4 से 5 हजार मीटर (13 से 16 हजार फीट) की ऊंचाई पर हैं, जबकि 296 ग्लेशियल लेक्स 5 हजार मीटर से ऊपर हैं।

अमेरिका की माइक्रोवेव मिसाइल से क्यों थर्रा रहा ईरान? 13 देशों की एंट्री ही महाविनाश की मुनादी

वाशिंगटन डीसी ●

अमेरिका ने ऐसी सीक्रेट और स्पेशल मिसाइल बना ली है, जो ईरान के परमाणु ठिकानों को एक झटके में तबाह कर देगी। अमेरिका की ये मिसाइल बारूद नहीं उगलती है, बल्कि तीव्र माइक्रोवेव एनर्जी छोड़ती है। इससे न्यूक्लियर सेंटर में मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल और पिघल जाते हैं। अमेरिका की माइक्रोवेव मिसाइल ईरान और उसके एटमी ठिकानों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गई है। इस मिसाइल को इंटरसेप्ट करना बहुत मुश्किल है। मिसाइल की ये वो तकनीक है, जो अमेरिका के अलावा दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है। ईरान अगर इजरायल पर फिर से हमला करता है। अगर रईसी की सेना अमेरिका के खिलाफ जंग छेड़ती है, तो अमेरिका इस मिसाइल का इस्तेमाल कर सकता है। यही वजह है कि अरब में इस वक्त महाजंग का सबसे बड़ा मैदान तैयार हो चुका है। महाजंग में सिर्फ महाशक्तियों की ही एंट्री नहीं हुई है, बल्कि युद्ध की आग एक दर्जन देशों में फैल चुकी है। अरब और मिडिल ईस्ट के जिन देशों में जंग की आग भड़क चुकी है, वो हैं-ईरान, इजरायल, इराक, सीरिया, लेबनान, जॉर्डन, यमन और अजरबैजान। वहीं, जो देश पर्दे के पीछे से युद्ध में शामिल हैं वो हैं अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, उत्तर कोरिया। इसका मतलब ये हुआ कि अरब जंग में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 13 देश उतर चुके हैं।

अरब में तीसरे विश्व युद्ध का आगाज!

13 देशों की एंट्री ही महाविनाश की मुनादी कर रही है। युद्ध में एक दर्जन देश उतर चुके हैं, यही वजह है कि दुनिया के बड़े रक्षा विशेषज्ञ दावा कर रहे हैं कि अरब में तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो चुका है। आने वाले वक्त में विनाश का क्षेत्रफल बढ़ता ही जाएगा। अरब महायुद्ध में सुपर पावर की एंट्री तब हुई, जब इजरायल ने ईरानी धरती पर हमला कर दिया। हमले को लेकर इजरायल और ईरान के अपने अपने दावे हैं। आईडीएफ का कहना है कि उसने इस्फहान में ईरानी एयरबेस को हिट किया। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा है कि इजराइल ने हमला नहीं मजाक किया। ईरानी विदेश मंत्री हुसैन आमिर ने ऐलान किया कि इजराइली हमले में ईरान को कोई नुकसान नहीं हुआ।

ईरान में इजराइल के हमले बढ़ाई टेंशन

इजरायल के हमले में ईरान को कितना नुकसान हुआ, नुकसान हुआ या नहीं हुआ, इसका आखिरी सच सामने आना अभी बाकी है। लेकिन ईरान में इजराइल के हमले ने दुनिया की महाशक्तियों को जंग में उतरने का मौका दे दिया। अमेरिका इजराइल के साथ मजबूती से खड़ा हो गया है, तो रूस और चीन ईरान के साथ खड़े हो गए। खेमेबाजी के साथ ही अरब में तीसरे विश्व युद्ध की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

रूस ईरान को देने जा रहा एस -400

इजराइली हमले से बचाने के लिए रूस ईरान को एस -400 मिसाइल सिस्टम देने जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि इजरायल और अमेरिका परमाणु विनाश के हालात बना रहे हैं। रिपोर्ट है कि चीन ईरान को हमले के लिए मिसाइलों की खेप भेज रहा है। उधर अमेरिका इजरायल और यूक्रेन को 9 हजार 500 करोड़ रुपए का हथियार दे सकता है। इतना ही नहीं 12 बी-2 एटमी बॉम्बर से एलिफेंट वॉक कर अमेरिका ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी कर दिया है।

पितृ दोष दूर करने के लिए करें ये विशेष उपाय, बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

पंडितों का कहना है कि पितृ के अप्रसन्न या नाराज होने से पितृ दोष लगता है। वहीं पूर्व जन्मों के प्रारब्ध के चलते भी जातक पितृ दोष से पीड़ित हो सकता है। पितृ दोष से पीड़ित जातक को जीवन में ढेर सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अतः पितृ दोष का निवारण अनिवार्य है।

कुंडली में कई प्रकार के दोष लगते हैं। इनमें एक पितृ दोष है। ज्योतिषियों की मानें तो अगर कोई जातक लंबे समय तक कालसर्प दोष से पीड़ित है, तो जातक के पितृ दोष से पीड़ित होने की संभावना बढ़ जाती है। अशुभ ग्रहों के चलते भी जातक पितृ दोष से पीड़ित होता है। कई जातकों को जन्म से पितृ दोष लगा रहता है। इस बारे में प्रकांड पंडितों का कहना है कि पितृ के अप्रसन्न या नाराज होने से पितृ दोष लगता है। वहीं, पूर्व जन्मों के प्रारब्ध के चलते भी जातक पितृ दोष से पीड़ित हो सकता है। पितृ दोष से पीड़ित जातक को जीवन में ढेर सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही अकस्मात किसी अनहोनी का खतरा रहता है। अतः पितृ दोष निवारण अनिवार्य है। अगर आप भी पितृ दोष से निजात पाना चाहते हैं, तो ये उपाय अवश्य करें। इन उपायों को करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

उपाय

–अगर आप पितृ दोष से पीड़ित हैं, तो रोजाना स्नान–ध्यान के बाद दक्षिण दिशा में मुखकर जल में काले तिल मिलाकर पितरों को जल का अर्घ्य दें। शास्त्रों में तीन पीढ़ी तक जल देने का विधान है। इस उपाय को करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है।

–पितृ दोष से निजात पाने के लिए हर रोज सन्ध्याकाल में आचमन कर स्वयं को शुद्ध करें। इसके पश्चात गोबर या मिट्टी से निर्मित दीये में तेल मिश्रित बाती जलाकर छत पर दक्षिण दिशा में रख दें। इस समय पितरों से कुशल मंगल की कामना करें।

–पितृ दोष से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो रोजाना स्नान–ध्यान के बाद जल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से भी पितृ दोष दूर होता है। साथ ही रोजाना पितृ पूजा के समय इस स्तोत्र का पाठ करें।

दोष कवच

कृणुष्व पाजः प्रसितिम् न पृथ्वीम् याही राजेव अमवान् इभेन।

तृष्वीम् अनु प्रसितिम् द्रूणानो अस्ता असि विध्य रक्षसः तपिष्ठैः।।

तव भ्रमासऽ आशुया पतन्त्यनु स्पृश धृषता शोशुचानः।

तपूंष्यग्ने जुह्वा पतंगान् सन्दितो विसृज विष्व–गुल्काः।।

प्रति स्पशो विसृज तूर्णितमो भवा पायु–र्विशोऽ अस्या अदब्धः।

यो ना दूरेऽ अघशंसो योऽ अन्त्यग्ने माकिष्टे व्यथिरा दधर्षीत्।।

उदग्ने तिष्ठ प्रत्या–तनुष्व न्यमित्रान् ऽओषतात् तिग्महेते।

यो नोऽ अरातिम् समिधान चक्रे नीचा तं धक्ष्यत सं न शुष्कम्।।

ऊर्ध्वो भव प्रति विध्याधि अस्मत् आविः कृणुष्व दैव्यान्यग्ने।

अव स्थिरा तनुहि यातु–जूनाम् जामिम् अजामिम् प्रमृणीहि शत्रून्।

वैशाख माह में कब है अमावस्या?

जानें शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

अमावस्या को पितरों भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के पूजन के लिए बहुत फलदायी माना गया है। इस शुभ तिथि पर पूजा जप तप और दान करने का विधान है। वैशाख अमावस्या का दिन पितरों की पूजा के लिए समर्पित है। इस बार वैशाख माह की अमावस्या 08 मई को है। आइए जानते हैं वैशाख अमावस्या का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि का अधिक महत्व है। यह तिथि जगत के पालनहार भगवान विष्णु और पितरों को समर्पित है। इस दिन जप–तप और दान करने का विधान है। वैशाख अमावस्या का दिन पितरों की पूजा करने के लिए शुभ माना जाता है। इस बार वैशाख माह की अमावस्या 08 मई को है। मान्यता है कि इस दिन पितरों का तर्पण करने से उनको बैकुंठ धाम में जगह प्राप्त होती है। चलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे वैशाख अमावस्या का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

वैशाख अमावस्या 2024 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, वैशाख के माह कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरुआत 07 मई को सुबह 11 बजकर 40 मिनट से होगी और इसका समापन 08 मई को सुबह 08 बजकर 51 मिनट पर होगा। ऐसे में वैशाख अमावस्या 08 मई को मनाई जाएगी।

वैशाख अमावस्या पूजा विधि

वैशाख अमावस्या के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें और दिन की शुरुआत देवी–देवता के ध्यान से करें। अगर संभव हो तो किसी पवित्र नदी में स्नान करें। इसके अलावा घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। इसके पश्चात सूर्य देव को जल अर्पित करें। अब भगवान विष्णु की पूजा करें और व्रत का संकल्प लें। दीपक जलाकर आरती करें। प्रभु को प्रिय चीजों जैसे– केला, खीर आदि चीजों का भोग लगाएं। प्रसाद का लोगों में वितरण करें और खुद भी ग्रहण करें। पूजा संपन्न होने के बाद बहते हुए पानी में तिल प्रवाहित करें। इस दौरान आप भगवान से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें। इस दिन पूर्वजों का पिंडदान करने का विधान है।

कब और क्यों मनाया जाता है गंगा दशहरा?

जानें इसके बारे में सबकुछ

इस दिन जगत की धात्री मां गंगा की पूजा–उपासना की जाती है। इसके लिए साधक ब्रह्म बेला से पवित्र गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। शास्त्रों में निहित है कि ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मां गंगा का अवतरण भूलोक पर हुआ था। अतः हर वर्ष ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा दशहरा मनाया जाता है।

हर वर्ष ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस दिन जगत की धात्री मां गंगा की पूजा–उपासना की जाती है। इसके लिए साधक ब्रह्म बेला से पवित्र गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। इसके पश्चात विधि–विधान से मां गंगा की पूजा करते हैं। शास्त्रों में निहित है कि ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मां गंगा का अवतरण भूलोक पर हुआ था। अतः हर वर्ष ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा दशहरा मनाया जाता है। धार्मिक मत है कि गंगा नदी में स्नान–ध्यान करने से व्यक्ति के जन्म–जन्मांतर में किए गए सकल पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही मां गंगा की कृपा से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। आइए, गंगा दशहरा की तिथि, मुहूर्त एवं योग जानते हैं–

शुभ मुहूर्त– ज्योतिषीय गणना के अनुसार ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 16 जून को देर रात 02 बजकर 32 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 17 जून को ब्रह्म मुहूर्त में 04 बजकर 43 मिनट पर समाप्त होगी। नोट करें यह तिथि अंग्रेजी कैलेंडर पर आधारित है। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना की जाती है। अतः 16 जून को गंगा दशहरा मनाया जाएगा।

योग– गंगा दशहरा पर वरीयान योग का निर्माण हो रहा है। वरीयान योग संध्याकाल 09 बजकर 03 मिनट तक है। इसके बाद परिघ योग का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा, ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और अमृत सिद्धि योग के भी संयोग बन रहे हैं। इन योग में गंगा स्नान करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होगी।

चंद दिनों में बनना चाहते हैं मालामाल

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह का शुभारंभ 24 अप्रैल से होगा। यह माह हिंदू नववर्ष का दूसरा महीना है। मान्यता है कि इस माह में पूजा–पाठ करने से सभी कष्ट और दुख दूर हो जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस माह में कुछ उपाय करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है और इंसान कुछ ही दिनों में मालामाल बन सकता है।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, साल का दूसरा महीना वैशाख होता है। इस माह में जगत के पालनहार भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। यह माह प्रभु को प्रसन्न करने के लिए बेहद खास होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस माह पूजा–अर्चना करने से साधक को सभी कष्ट और दुख से छुटकारा मिलता है। इस बार वैशाख माह की शुरुआत 24 अप्रैल से हो रही है और इसका समापन 23 मई को होगा। ऐसा माना जाता है कि इस माह में कुछ उपाय करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है और इंसान कुछ ही दिनों में मालामाल बन सकता है। आइए जानते हैं वैशाख माह में किए जाने वाले उपायों के बारे में।

वैशाख माह के उपाय

– सनातन धर्म में दान करने का विशेष महत्व है। अगर आप अपने पापों से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो इसके लिए वैशाख माह में अपनी श्रद्धा अनुसार तिल, सत्तू, आम और कपड़े का दान करें। माना जाता है कि इन चीजों का दान करने से इंसान के पापों का नाश होता है।

– वैशाख माह में पड़ने वाली अक्षय तृतीया के दिन सोना या फिर चांदी की कोई चीज खरीदें। मान्यता है कि इस खास अवसर पर सोना या फिर चांदी घर लाने से सुख और समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही देवी–देवता प्रसन्न होते हैं।

–वैशाख माह में अधिक गर्मी होती है, तो ऐसे में आप गरीब लोगों को चप्पल, छाता का दान करें। इसके अलावा पशु–पक्षियों के लिए खाने के लिए चीजें और जल रखें। माना जाता है कि यह उपाय करने से इंसान के जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

–इस माह में कांस्य के पात्र में भोजन करने से और खाट पर सोने से इंसान की सभी बीमारियां खत्म हो जाती हैं।

–वैशाख माह के सोमवार को भगवान शिव का विधिपूर्वक रुद्राभिषेक करें और प्रभु को विशेष चीजों का भोग लगाएं। इससे इंसान को धन–धान्य की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

वैशाख महीने में इस दिन है कालाष्टमी?

जानें शुभ मुहूर्त, महत्व एवं योग

सनातन धर्म में कालाष्टमी व्रत का विशेष महत्व है। इस दिन भक्त श्रद्धा भाव से भगवान शिव की पूजा करते हैं। इस उपलक्ष्य पर शिव मंदिरों को सजाया जाता है। साथ ही रात्रि पूजा का आयोजन किया जाता है। इसमें देर रात निशा काल भैरव की पूजा करते हैं। तंत्र सीखने वाले साधकों को कालाष्टमी की रात्रि पर विशेष विद्या में सिद्धि प्राप्ति होती है।

हर माह कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी मनाई जाती है। यह पर्व भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दिन भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव देव की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। तंत्र– मंत्र सीखने वाले साधक कालाष्टमी तिथि पर विशेष अनुष्ठान करते हैं। शास्त्रों में काल भैरव की पूजा निशा काल में करने का विधान है। अतः साधक रात्रि के समय में काल भैरव देव की पूजा करते हैं। हालांकि, सामान्य जन यानी भक्तजन प्रदोष काल में भी काल भैरव देव की पूजा कर सकते हैं। धार्मिक मत है कि काल भैरव देव की पूजा करने वाले साधक के जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख, संकट, काल, क्लेश यथाशीघ्र दूर हो जाते हैं। आइए, शुभ मुहूर्त, तिथि एवं शुभ योग जानते हैं–

शुभ मुहूर्त– वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी 01 मई को सुबह 05 बजकर 45 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी 02 मई को सुबह 04 बजकर 01 मिनट पर समाप्त होगी। साधक 01 मई को किसी समय काल भैरव देव की पूजा कर सकते हैं। मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु प्रदोष काल में करना श्रेष्ठकर साबित होगा।

महत्व– सनातन धर्म में कालाष्टमी व्रत का विशेष महत्व है। इस दिन भक्त श्रद्धा भाव से भगवान शिव की पूजा करते हैं। इस उपलक्ष्य पर शिव मंदिरों को सजाया जाता है। साथ ही रात्रि पूजा का आयोजन किया जाता है। इसमें देर रात निशा काल भैरव की पूजा करते हैं। तंत्र सीखने वाले साधकों को कालाष्टमी की रात्रि पर विशेष विद्या में सिद्धि प्राप्ति होती है।

योग– वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण संध्याकाल 08 बजकर 02 मिनट तक हो रहा है। इसके बाद शुक्ल योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही इस तिथि पर शिववास का भी योग बन रहा है।

जनेऊ पहनने से मिलते हैं कई लाभ

बस ध्यान रखने होंगे ये नियम

हिंदू धर्म में जनेऊ धारण करने का विशेष महत्व है।सनातन मान्यताओं के अनुसार तीन धागे वाले जनेऊ को बहुत ही महत्वपूर्ण और पवित्र माना जाता है। जनेऊ धारण करने से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलते हैं लेकिन इसे धारण करने समय कुछ नियमों का ध्यान रखना भी जरूरी है ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे। आइए जानते है जनेऊ के लाभ और नियम।

जनेऊ तीन धागों वाला एक सूत्र होता है, जिसे संस्कृत में यज्ञोपवीत कहा जाता है। हिंदू धर्म में जनेऊ संस्कार को जरूरी माना जाता है। साथ हिंदू शास्त्रों में इसके कई लाभ भी बताए गए हैं। यह न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया है बल्कि, वैज्ञानिक दृष्टि से भी लाभकारी है। लेकिन व्यक्ति द्वारा जनेऊ से जुड़े कुछ नियमों का ध्यान रखना भी जरूरी माना गया है।

क्या होता है जनेऊ

जनेऊ तीन धागों वाला एक सूत्र होता है, जिसे अपने बाएं कंधे के ऊपर से दाईं भुजा के नीचे तक पहना जाता है। यज्ञोपवीत के एक तार में तीन–तीन तार होते हैं। इस तरह जनेऊ में कुल नौ तार होते हैं, जो शरीर के नौ द्वार का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं, इसमें लगाई जाने वाली पांच गांठ ब्रह्म, धर्म, अर्थ,

काम और मोक्ष का प्रतीक मानी गई हैं।

मिलते हैं ये लाभ

माना जाता है कि जनेऊ धारण करने से व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। कहा जाता है कि जनेऊ पहनने वाले से नकारात्मकता दूर बनी रहती है और उसके आसपास बुरी शक्तियों नहीं आती। साथ ही यह भी माना जाता है कि जनेऊ धारण करने वाले व्यक्ति को बुरे सपने नहीं आते और जीवन में सकारात्मक बनी रहती है।

इन नियमों का जरूर रखें ध्यान

जनेऊ से जुड़े नियमों का भी विशेष रूप से ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे। मल–मूत्र विसर्जन के पूर्व दाहिने कान पर चढ़ा लें और हाथों को धोने के बाद ही इसे कान से उतारना चाहिए। यदि जनेऊ का कोई तार टूट गया है, तो इसे बदल लें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि जनेऊ को तभी उतारना चाहिए जब आप नया यज्ञोपवीत धारण कर लें।

रकुल प्रीत का पिंक साड़ी में छा गया देसी लुक

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह अपने हर एक लुक में कहर ढाती रहती हैं। एक्ट्रेस आए दिन अपनी खूबसूरत फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर कर अक्सर इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। लेकिन जब बात एक्ट्रेस के ग्लैमरस अंदाज की आती है तो उनकी बराबरी को कोई तोड़ नहीं है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपनी एक्टिंग और परफेक्ट ड्रेसिंग सेंस को लेकर आए दिन चर्चाओं में बनी रहती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही फैंस के बीच छा जाता है।हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमर अवतार देखकर लोग उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।रकुल प्रीत सिंह ने लेटेस्ट तस्वीरों में पिंक कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो खूबसूरत नजर आ रही हैं।

उन्होंने अपने इस साड़ी लुक को व्हाइट कलर की ब्लाउज के साथ टिमअप किया है।अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने साड़ी-ब्लाउज के साथ जूलरी भी पहनी है। उनके दोनों कानों में सिल्वर ईयररिंग्स चमकते हुए नजर आ हैं। रकुल ने एक हाथ में सिल्वर चूड़ियां पहनी हैं तो दूसरे हाथ की उंगली में रिंग पहनकर लुक को और खूबसूरती से निखारा है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, जिसके लिए वो अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।

हनुमान बनने के बाद 8-9 घंटे तक खाना नहीं खाते थे दारा सिंह

बैठने के लिए होती थी स्पेशल कुर्सी

देशभर में हनुमान जयंती की धूम है। मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है तो वहीं गली गली भंडारे हो रहे हैं कि कोई भी आज बिना प्रसाद के ना रह जाए। राम के भक्त इन हनुमान जी की महिमा अपार है इसलिए स्क्रीन पर इनका किरदार निभाना भी किसी तपस्या से कम नहीं था। अब टीवी की बात हो तो सबसे यादगार हनुमान दारा सिंह ही रहे हैं। रामानंद सागर की रामायण में दारा सिंह जी ने ऐसा किरदार निभाया कि उनके बाद आज तक कोई वैसा जादू और वैसी भक्ति नहीं जगा पाया है। इस रोल के लिए उन्होंने खूब मेहनत की थी। गेटअप लेने के बाद बैठना तक मुश्किल हो जाता था लेकिन दारा सिंह ने पूरी मेहनत और लगन के साथ इसे निभाया।

8-9 घंटे तक रहते थे भूखे

दारा सिंह ने एक बार अपने इंटरव्यू में बताया था कि उनके चेहरे पर मोल्ड होता था। इस लुक को सेट करने के लिए शूटिंग के तीन घंटे पहले उनका मेकअप शुरू हो जाया करता था। इस वजह से वह 8-9 घंटे तक कुछ खा नहीं पाते थे। लेकिन उन्होंने कभी इस चीज की शिकायत नहीं की। उनकी इसी कड़ी तपस्या से शायद हनुमान जी इतने खुश हुए कि उनके किरदार में जान डाल दी।

दारा सिंह नहीं बनना चाहते थे हनुमान

दारा सिंह के बेटे विंदु दारा सिंह ने आरजे सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में बताया, 'रामानंद सागर ने मेरे पिता को शो में लेने का मन बना लिया था। तब मेरे पिता ने मुझसे कहा था कि मैं इस रोल को नहीं करूंगा। इस उम्र में ये रोल करूंगा तो लोग मुझ पर हंसेंगे।' लेकिन रामानंद सागर के दिल में दारा सिंह की इमेज फिट हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि सपने में उन्होंने दारा सिंह को हनुमान के रोल में देखा था। इसके बाद दारा सिंह भी मना ना कह सके।

पूंछ की वजह से बैठने के लिए किया था खास इंतजाम

लहरें को दिए इंटरव्यू में रामानंद सागर के बेटे प्रेम ने बताया था कि हनुमान जी के मेकअप में 3-4 घंटे लगते थे क्योंकि पूरा लुक मैच करवाना होता था। पूंछ पहनने के बाद बैठना मुश्किल होता था। इसलिए उनके लिए एक स्पेशल स्टूल रखा हुआ था जिसमें पूंछ के लिए एक कट लगा हुआ था।

रीमा सेन की मां काली का फर्स्ट लुक जारी

पीपल मीडिया फ़ैक्टरी का नया प्रोजेक्ट जिसका नाम माँ काली है। पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री वर्तमान में विभिन्न प्रकार की कहानियों को स्क्रीन पर लाकर तेलुगु फिल्म उद्योग में धूम मचा रही है। कंपनी न केवल छोटे पैमाने की फिल्में बना रही है, बल्कि शीर्ष स्तर के नायकों के साथ बड़े बजट की परियोजनाओं में भी उतर रही है। इसके अतिरिक्त, वे कभी-कभार प्रयोगात्मक फिल्में बनाने, अपनी बहुमुखी प्रतिभा और नई कहानियों की खोज करने की इच्छा दिखाने के लिए जाने जाते हैं।पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री की आगामी फिल्में बहुप्रतीक्षित हैं, हाल ही में रिलीज हुई फिल्म मां काली के फर्स्ट लुक पोस्टर ने काफी चर्चा पैदा कर दी है। मोशन पोस्टर एक ऐतिहासिक कथा पर फिल्म के फोकस का संकेत देता है जिसे बंगाल के इतिहास से मिटा दिया गया है। इसमें संवेदनशील विषयों को छूने और धार्मिक झड़पों से संबंधित विषयों का पता लगाने की उम्मीद है, जैसा कि पोस्टर पर काली माता और बुर्के में एक महिला की हाइलाइट की गई छवि द्वारा दर्शाया गया है। यह फिल्म धार्मिक युद्धों के आसपास की घटनाओं को उजागर करने की संभावना है, जो एक विचारोत्तेजक और साहसी रूप से अलग सिनेमाई अनुभव पेश करती है।रीमा सेन, एक प्रसिद्ध और प्रतिभाशाली अभिनेत्री, मां काली में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जिसमें अभिषेक सिंह और अन्य सितारे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले टीजी विश्वप्रसाद द्वारा निर्मित और विजय एलकांति द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनुराग का संगीत और आचार्य वेणु की सिनेमैटोग्राफी है।यह फिल्म सिर्फ एक भाषा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसे पूरे भारत में रिलीज करने की योजना है, जो व्यापक रूप से चर्चित और प्रभावशाली फिल्म बनने की इसकी क्षमता को दर्शाता है। अपनी दिलचस्प कहानी और प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, मां काली पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री की फिल्मों के भंडार में एक महत्वपूर्ण योगदान बनने के लिए तैयार है।

अवनीत कौर ने स्टायलिश आउटफिट में ढाया कहर

अभिनय की दुनिया से ताल्लुक रखने वाली अवनीत कौर को भला कौन नहीं जानता है। ये अक्सर अपने ग्लैमरस लुक के चलते सोशल मीडिया पर छाई रहती है। टेलीविजन और फिल्म अभिनेत्री अवनीत कौर अपने स्टाइलिश लुक और ग्लैमरस अंदाज के लिए अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. हाल ही में, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह नीले रंग के स्टाइलिश आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इन तस्वीरों में अवनीत कौर एक स्विमिंग पूल के पास खड़ी हैं और कैमरे के लिए पोज दे रही हैं. अवनीत ने नीले रंग का क्रॉप टॉप और पैंट पहना हुआ है. उन्होंने अपने लुक को सिल्वर ईयररिंग्स और ग्लोइंग मेकअप से पूरा किया है. खुले बालों और आत्मविश्वास से भरी मुस्कान के साथ अवनीत कौर इस लुक में स्टनिंग लग रही हैं.एक्ट्रेस का सोशल मीडिया अकाउंट को खंगालने पर अदाकारा की एक से बढ़कर एक फोटो देखने को मिल जायेगी। बाकी एक्ट्रेस के जैसे अवनीत कौर भी सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती है। मनोरंजन की दुनिया में अवनीत की लोकप्रियता जाने-माने टीवी शो अलादीन से हुई थी।इस शो में उन्होंने शहजादी यास्मीन का किरदार बखूबी रूप से निभाया था। जोकि दर्शकों को खासा पसंद आया था ।वही सोशल मीडिया अकाउंट पर अवनीत के 32 मिलियन से भी अधिक फॉलोअर्स है।अवनीत एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर के तौर पर भी जानी जाती है। अवनीत के फिल्मी प्रोजेक्ट का जिक्र करे तो ये नवाजुद्दीन सिद्दिकी की फिल्म टीकू वेड्स शेरू से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस अपने दे दुगने उम्र वाले स्टार को किस करने को लेकर एक्ट्रेस खासा चर्चा में रही।

मेरे बॉडी पार्ट्स पर जूम करते हैं कैमरा

नोरा फतेही का पैपराजी पर फूटा गुस्सा

मॉडल, डांसर और एक्ट्रेस नोरा फतेही ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। नोरा फतेही सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन उनकी फोटोज और वीडियोज वायरल होती रहती हैं। वहीं, नोरा फतेही पैपराजी के बीच काफी पॉपुलर हैं और उन्हें देखते ही कैमरे एक्टिव हो जाते हैं। हालांकि, इसी बीच नोरा फतेही ने पैपराजी को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल, नोरा फतेही ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा है कि पैपराजी का उनके प्रति रवैया सही नहीं है। आइए जानते हैं कि नोरा फतेही ने पैपराजी को लेकर गुस्सा क्यों जाहिर किया है औ क्या कहा है।

एंटरटेनमेंट इडंस्ट्री की पॉपुलर सेलिब्रिटी नोरा फतेही ने कहा कि पैपराजी उनके बॉडी पार्ट्स पर कैमरा जूम करते हैं। नोरा फतेही ने 'न्यूज 18 शोशा' के साथ बातचीत करते हुए कहा, 'मुझे लगता है पैपराजी ने पहले कभी ऐसा हिप नहीं देखा है। वो सिर्फ मेरे साथ ही ऐसा नहीं करती बल्कि दूसरी एक्ट्रेसेस के साथ भी ऐसा करते हैं। हो सकता है कि वे आपके हिप पर जूम ना करें, क्योंकि ये एक्साइटिंग ना लगता है लेकिन वे फालतू में शरीर के दूसरे पार्ट्स पर कैमरा जूम करते हैं।

कभी-कभी मुझे लगता है कि जूम करने के लिए कुछ भी नहीं, तो वो फिर किस पर फोकस कर रहे हैं?' नोरा फतेही ने आगे कहा, 'दुर्भाग्य से ये वो चीजें है जो सोशल मीडिया पर ट्रेंड करती हैं। वे सिर्फ सोशल मीडिया एल्गोरिदम गेम खेल रहे हैं। किस्मत से मुझे एक अच्छी बॉडी मिली है और मुझे इस पर गर्व है। मैं इससे शर्मिंदा नहीं हूं।'

नोरा फतेही बोलीं- अपनी बॉडी को लेकर हूं कॉन्फिडेंट

नोरा फतेही ने आगे कहा, 'पैपराजी की कैमरा जूम करने के पीछे शायद गलत भावना है लेकिन ये डिस्कशन का अलग मुद्दा है। मैं हर किसी को पकड़कर सबक नहीं सिखा सकती लेकिन मैं अभी भी वैसे ही चलती हूं जैसे मैं चलता हूं। मैं अपनी बॉडी को लेकर पूरी तरह से कॉन्फिडेंट हूं।'

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा।
कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम-काज और रुपये-पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे- ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे । जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है।
आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक़्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन-साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक-दूसरे को फिर से भली-भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक-दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 24 अप्रैल 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा अहोरात्र
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 12:41 तक
योग : सिद्धि उत्तर रात्रि 05:03 तक
करण : बालव सायं 06:07 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वैशाख मास आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दुनिया के सबसे बड़े नेता मोदी की प्राथमिकता गरीब कल्याण-भजनलाल

टोंक, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि दुनिया के सबसे बड़े नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब, महिला, युवाओं के कल्याण के लिए लगातार काम कर रहे हैं और उनके प्रयासों से राजस्थान में योजनाओं को लगातार मूर्त रूप दिया जा रहा है। श्री शर्मा मंगलवार को टोंक जिले के उनियारा में भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनपुरिया के समर्थन में श्री मोदी की मौजूदगी में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अजमेर-सवाईमाधोपुर रेल परियोजना की लम्बे समय से मांग थी, जिसे श्री मोदी ने स्वीकृत कर दिया तथा अब इस पर काम भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेसवे का 150 किमी क्षेत्र टोंक-सवाईमाधोपुर क्षेत्र में शामिल है, जिससे इस क्षेत्र के लोगों का सुगम आवागमन संभव हो सका है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान भी श्री मोदी 140 करोड़ देशवासियों की सेवा में लगे हुए थे। उस वक्त तत्कालीन राजस्थान की कांग्रेस सरकार मिड-डे मील के घोटालों में लगी हुई थी। श्री शर्मा ने आश्वस्त किया कि मिड-डे मील घोटाले में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने ईआरसीपी को केवल लटकाने, अटकाने और भटकाने का काम किया है जबकि श्री मोदी ने इस परियोजना का क्रियान्वयन कराया। इस परियोजना से टोंक-सवाईमाधोपुर-दौसा सहित पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों में पेयजल तथा दो लाख 80 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो पाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा सरकार के गठन के 90 दिनों में ही संकल्प पत्र में किए गए 45 प्रतिशत वादे हमने पूरे किए हैं। हमने किसान सम्मान निधि की राशि छह हजार से बढ़ाकर आठ हजार, गेंहू की एमएसपी 125 रुपये बढ़ाकर 2400 रुपये प्रति क्विंटल, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी जैसे निर्णय जनहित में लिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल की दरों में विसंगति को दूर किया गया, साथ ही पेट्रोल की दरों में 3.50 से 7.50 रुपए तथा डीजल की दरों में 3.50 से 6.50 रुपए तक कमी की गई। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को हमारी सरकार पूरा करेगी। श्री शर्मा ने दावा करते हुए कहा कि गत 19 अप्रैल को हुए लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण की राज्य की 12 लोकसभा सीटें भाजपा जीतेगी तथा अब 26 अप्रैल को द्वितीय चरण में राज्य की शेष 13 सीटों पर भी भाजपा ही विजयी होगी। उन्होंने कहा कि वे आश्वस्त हैं कि आगामी चार जून के परिणाम में राज्य की सभी 25 सीटों पर कमल का फूल खिलेगा। उन्होंने टोंक जिले में भाजपा प्रत्याशी श्री जौनपुरिया को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की।

एटीएम लूट कांड का एक आरोपी गिरफ्तार, 3.5 लाख रुपए बरामद

अलवर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। ततारपुर थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व इस्माइलपुर रोड़ से हुई एटीएम लूट कांड का खुलासा करते हुये पुलिस ने मंगलवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष चौधरी ने बताया कि गत शनिवार को हुई इस घटना में पुलिस ने नीमका थाना बिछोर जिला नूह मेवात हरियाणा निवासी सलीम उर्फ़ पहलवान को साढ़े तीन लाख रुपये सहित गिरफ्तार किया है। इस गिरोह में पांच बदमाश शामिल हैं, जिन्हें चिह्नित कर लिया गया है और शीघ्र ही अन्य आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जायेगी। इस एटीएम में 27 लाख रुपए रखे हुये थे।

घटना के तुरंत बाद पुलिस की अलग अलग एक्सपर्ट की पांच टीमें गठित कर सीसीटीवी फुटेज चेक करने के निर्देश के तहत सफलता मिली। इस कार्य में जयपुर ग्रामीण, अलवर, भिवाड़ी और अन्य थानों की सूचना एकत्रित करते हुये शातिर बदमाश को पकड़ा गया। इसने अपना नाम पता नीमका थाना बिछोर जिला नूह मेवात हरियाणा निवासी सलीम उर्फ़ पहलवान बताया है। घटना में पांच आरोपी शामिल रहे हैं, जिनकी पहचान कर ली गयी है। उन्होंने बताया कि सभी पांच पांच आरोपी अलग-अलग गिरोह से हैं। गिरफ्तार आरोपी सलीम नाम के खिलाफ चोरी डकैती सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट और अन्य मामलों में सात मुकदमे दर्ज हैं, जो न्यायालय में विचाराधीन हैं। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए साइबर और तकनीकी टीम का सहारा लिया गया। यह तय है कि इस वारदात के बाद इन्होंने पैसों की बंटवारा किया है, तभी एक आदमी आरोपी से 3.50 लाख रुपए बरामद किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि आरोपी के कब्जे से पैसे बरामद करने के अलावा टूटा हुआ एटीएम भिवाड़ी के टपूकड़ा थाना क्षेत्र से सुनसान जगह मिले जबकि वारदात में प्रयुक्त गाड़ी हरियाणा से बरामद की गयी है। इस एटीएम की लूट के लिए वह सीधे पहले रेकी करते थे और फिर आने-जाने के रास्तों पर भी वॉच की जाती थी कि किस रास्ते से हमें भागने में सफलता हासिल होगी।

वारदात करने से पहले अपना रोड मेप बना लिया करते थे। इस गिरोह का दूसरा मुख्य आरोपी शाहिद है, इसके खिलाफ दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। श्री चौधरी ने बताया कि ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसलिये इस वारदात के बाद से ही इस जिले में स्थित थाना प्रभारी से डाटा मंगाया जा रहा है कि किस-किस थाने में किस-किस बैंक का एटीएम लगा हुआ है और कितने एटीएम लगे हुये हैं, कुछ प्राइवेट कंपनियों की भी एटीएम लगे हुये हैं, जिनकी जानकारी जुताई जा रही है।

रबड़ के पाइपों में लगी भीषण आग

हिसार, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सिरसा चौक पर रविदास छात्रावास के पास मंगलवार रबड़ की सीवरेज पाइपों में आग लगने से आसपास के एरिया में हडकंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इसमें किसी जान का नुकसान नहीं है। दमकल विभाग की आठ गाडियों ने करीब दो घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। शहर में सीवरेज की लाइन बिछायी जा रही है। इन पाइपों के पास ही बिजली की ट्रांसफार्मर है। तेज हवाओं के चलते ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग हुईं। कुछ चिंगारी जमीन पर आ गिरी।

नीचे घास-फूस प्लास्टिक आदि कचरे में आग लग गयी। यह आग रबड़ पाइपों में पहुंचकर भीषण हो गयी। आग के प्रंचड रुप को देखकर सिरसा- दिल्ली की ओर जाने वाले वाले वाहन चालक भी गाड़ियों को रोक कर इसे देखने लगे। काफी संख्या में लोग अपने मोबाइल में इसकी वीडियो बनाने लगे।

फतेहाबाद में तेज बारिश मंडियों में गेहूं भीगा

फतेहाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के टोहाना, रतिया और जाखल इलाके में मंगलवार को तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। इससे एक ओर जहां गर्मी से राहत मिली, वहीं मंडियों में पड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह से भीग गयी। प्रशासन और खरीद एजेंसियों की लापरवाही का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक फतेहाबाद में आज सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। फतेहाबाद में आसमान में काले बादल छा गये, मगर तेज हवाओं के कारण बादल बिना बरसे कुछ ही देर में छंट गये। रतिया, टोहाना और जाखल में मौसम के बदले मिजाज से बरसात हुयी। तेज हवाओं के साथ कुछ ही मिनट हुयी, बरसात से मौसम खुशनुमा हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गयी। अचानक हुई बरसात के कारण मंडियों में पड़ा गेहूं पूरी तरह से भीग गया। मौसम इतनी तेज से बदला कि किसानों और व्यापारियों को फसल को ढकने तक का मौका नहीं मिला। मंडी में अनाज से भरे बैग, खुले में पड़ा गेहूं और सरसों की फसल भीग गयी। मंडी में अपनी फसल लेकर आये किसानों ने खरीद एजेंसियों को प्रशासन को लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया है। किसानों और व्यापारियों का कहना है कि खरीद एजेंसियां पहले तो समय पर उनके अनाज की खरीद नहीं कर रही, जितने अनाज की खरीद की गयी है, उसका उठान नहीं हो रहा, जिसके कारण मंडी पूरी तरह से अनाज से भरी पड़ी है। अगर समय पर उठान हो गया, तो उनकी फसल और मेहनत यूं ही जाया नहीं जाती।

दूल्हा करता रह गया इंतजार दुल्हन ब्यूटी पार्लर से हुई फरार

यमुनानगर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में शादी के लिए दूल्हे के मन में भी लड्डू फूट रहे थे। शादी की खुशी में घर को रंगबिरंगी लाइटों से सजाया गया। रात को घर में डीजे भी देर रात तक बजता रहा जिसमें रिश्तेदारों के साथ दूल्हा भी खूब थिरका। अगले दिन सिर पर सेहरा बांध और शेरवानी पहन कर दूल्हा अपनी दुल्हन को लेने के लिए बारात लेकर ससुराल में पहुंचा। घंटों बीत गए लेकिन ससुराल वाले बारात का स्वागत करने ही नहीं आए। बाद में पता चला कि जिस दुल्हन को वह अपने साथ ले जाने के लिए आया था वह ब्यूटी पार्लर से ही फरार हो गई है।

दुल्हन के पिता ने थाना साढौरा पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी सबसे बड़ी बेटी की उम्र 23 साल है। उसकी शादी एक अन्य गांव में युवक के साथ तय हुई थी। दुल्हन अपनी छोटी बहन के साथ रिश्तेदार की कार में सवार होकर ब्यूटी पार्लर पर गई थी। इसके लिए ब्यूटी पार्लर संचालिका से पहले ही बात कर रखी थी। दुल्हन व उसकी बहन को ब्यूटी पार्लर पर छोड़कर रिश्तेदार अपनी कार को ठीक करवाने के लिए मैकेनिक के पास चला गया। इसी दौरान करीब साढ़े 10 बजे दुल्हन बाजार में दुकान से कुछ सामान लाने की बात कह कर निकल गई। वह कह कर गई थी थोड़ी देर में आ रही है। परंतु दुल्हन वापस नहीं लौटी। दुल्हन का मोबाइल भी बंद हो गया। उधर घर पर दुल्हन के लौटने का सब बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उधर दोपहर को दूल्हा भी बारात लेकर गांव में पहुंच गया था।

कार ठीक करवा कर रिश्तेदार ब्यूटी पार्लर पर पहुंचा। उसने ब्यूटी पार्लर की संचालिका से पूछा कि दुल्हन को तैयार होने में कितना समय लगेगा। जहां उसे बताया गया कि दुल्हन तो उसी वक्त बाजार चली गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। यह बात उसने दुल्हन के परिजनों को बताई। एक के बाद एक परिवार के सभी लोग ब्यूटी पार्लर पहुंचने लगे। बाजार में उसकी तलाश की गई लेकिन दुल्हन का कुछ पता नहीं चला। यह बात बिचौलिये को बताई गई। बिचौलिये को भी कुछ समझ नहीं आया कि वह दूल्हे को किस मुंह से बताए कि उसकी दुल्हन फरार हो गई है। इस बात का पता जब दूल्हे को चला तो यह सुनते ही हैरान रह गया। रिश्तेदारों ने भी बारात से थोड़ा इंतजार करने को कहा, आखिरकार उसे बिना दुल्हन के ही लौटना पड़ा। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर दुल्हन की तलाश शुरू कर दी है।

बंडारू दत्तात्रेय ने गरिमा तलवार के निधन पर शोक व्यक्त किया

चंडीगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार को अपने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ राकेश तलवार के निवास स्थान पर जाकर उनके बड़े भाई की पत्नी गरिमा तलवार के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री दत्तात्रेय ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने समस्त परिवार को असहनीय दुख की इस घड़ी में ढांढस बंधवाते हुये परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की।

गुरसिख विद्यार्थियों की फीस माफ करेगी हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी

कुरुक्षेत्र, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के अधीन शिक्षण संस्थानों में शिक्षा ग्रहण करने वाले गुरसिख अभिभावकों के अमृतधारी विद्यार्थियों की फीस पूरी तरह से माफ होगी। यही नहीं, शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए भी हरियाणा कमेटी कृत्तसंकल्प है। ऐसे ही कुछ अहम फैसले हरियाणा कमेटी द्वारा प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध की अगुवाई में लिए गए हैं।

जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध के मार्गदर्शन में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रवकता कवलजीत सिंह अजराना ने हैड आफिस में दी। उन्होंने बताया कि जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध की अगुवाई में ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाडा साहिब में हुई बैठक में कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया, जिनमें से कुछ प्रस्तावों पर सहमति जताई गई। बता दें कि इस दौरान संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुदर्शन सिंह सहगल, धर्म प्रचार विंग के चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल, महासचिव सुखविंदर सिंह मंडेबर, प्रवकता कवलजीत सिंह अजराना, संयुकत सचिव गुलाब सिंह मुनक, कार्यकारिणी समिति मैंबर सुदर्शन सिंह गावडी, बलदेव सिंह खालसा, तजिंदरपाल सिंह नारनौल, टीपी सिंह अंबाला व पूर्व महासाचिव गुरविंदर सिंह धमीजा मौजूद रहे। कवलजीत सिंह अजराना ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी कुरुक्षेत्र अब गुरसिख अभिभावकों के गुरसिख विद्यार्थियों की फीस संस्था के अधीन चल रहे स्कूल व कॉलेजों में पूरी तरह से माफ करेगी। इसके साथ ही

विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए उन्हें विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता के लिए प्रेरित किया जाएगा। विद्यार्थियों को प्रेरित करके उन्हें अलग-अलग प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीत कर संस्थान का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को हरियाणा कमेटी प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित भी करेगी। इसके अतिरिकत धार्मिक मुकाबलें करवाने के अलावा संस्थानों में खालसा खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। स्कूल-कॉलेजों में धार्मिक प्रचार भी किया जाएगा, तांकि विद्यार्थियों को गौरवमयी सिख इतिहास की जानकारी देने के अलावा उन्हें गुरबाणी से जोड़ा जा सकें। इतना ही नहीं, शिक्षण संस्थानों में सिख मार्शल आर्ट (गतका) को प्रमोट किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए गतका सिखलाई कैंप लगा कर उन्हें सिख मार्शल आर्ट की ट्रैनिंग दी जाएगी और बाद में मुकाबलें भी करवाए जाएंगे। हरियाणा कमेटी मातृभाषा पंजाबी का प्रचार प्रसार करने के लिए गर्मी की छुट्टियों में बच्चों की कक्षाएं लगाएगी। इन कक्षाओं में बच्चों को गुरमुखी का ज्ञान दिया जाएगा। इसके साथ बच्चों को गुरबाणी से जुडऩे के लिए भी प्रेरित करते हुए उन्हें गुरु एवं सिख इतिहास की जानकारी भी दी जाएगी। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रवकता ने बताया कि संस्था के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध की अगुवाई में प्रदेश की सिख संगत के होनहार विद्यार्थियों को यूपीएससी एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की कोचिंग देने की भी योजना है, जिसे जल्द ही पूरा किया जाएगा।

देशद्रोही मतदाता मामला : गिरिराज सिंह ने फिर इंडि महागठबंधन पर किया हमला

तेजस्वी यादव पर चुटकी ली तो ओवैसी को दी चुनौती

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय के सांसद सह केंद्रीय मंत्री और एनडीए के प्रत्याशी गिरिराज सिंह ने पिछले दिनों सभा को संबोधित करते हुए एक भड़काऊ भाषण दिया था। उस भड़काऊ भाषण के खिलाफ सीपीआई के नेता सह पूर्व सांसद शत्रुघ्न प्रसाद द्वारा चुनाव आयोग से लिखित शिकायत करके कार्रवाई करने की बात कही थी। इसी सिलसिले में सोमवार को भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने फिर सीपीआई पर हमलावर होते हुए कहा कि देखिए कम्युनिस्ट पार्टी के नेता शत्रुघ्न बाबू ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। मैं पूछना चाहता हूं कि इंडि महागठबंधन और कम्युनिस्ट पार्टी से जो आरोप उन्होंने हम पर लगाया है, क्या वह देशद्रोहियों को वोट लेंगे? महागठबंधन बताए या कम्युनिस्ट पार्टी बताए।

भाजपा नेता गिरिराज ने कहा कि क्या पाकिस्तान परस्त दुश्मन देश का जो है, उसका वोट लेंगे। यह कम्युनिस्ट पार्टी बताए, महागठबंधन यह बताए कि देशद्रोही और पाकिस्तान परस्त का वोट चाहिए। या खुले तौर पर कहे तो बिहार-बेगूसराय और देश की जनता सोचेगी कि यह कौन सी पार्टी आ गई है। उन्होंने कहा कि हमें तो नहीं चाहिए देशद्रोहियों का वोट।

मैंने डंके की चोट पर कहा है कि हमें दुश्मन देश पाकिस्तान परस्त का वोट नहीं चाहिए।

वहीं, सांसद गिरिराज सिंह ने राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर भी चुटकी ली। दरअसल, तेजस्वी यादव ने पूर्णिया की एक सभा में कहा था कि या तो महागठबंधन को वोट दें नहीं तो एनडीए को वोट दें। इसे लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अब महागठबंधन और तेजस्वी यादव ने हार स्वीकार कर ली है। इसीलिए उन्होंने ऐसी बात कही है। मुझे खुशी है कि वह मेरे लिए लोगों से वोट देने के लिए अपील कर रहे हैं। तेजस्वी ने अपनी हार स्वीकार कर ली है।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ओवैसी पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देखिए ओवैसी और सारे लोगों को मैं चुनौती के साथ कहता हूं कि चुनाव में घोषणा कर के जनसंख्या नियंत्रण कानून हम लाएंगे। मैं समझ लूं कि वह अधिक बच्चा पैदा करने वाले लोग समूह को समर्थन नहीं करते।

केके पाठक की बात न मानने वाले पांच शिक्षकों पर कार्रवाई

एक दिन का वेतन कटा और मिला कारण बताओ नोटिस

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक का आदेश न मानने वाले पांच शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही उनका एक दिन का वेतन भी काटा गया है। दरअसल, शिक्षा विभाग की सख्ती के बावजूद स्कूलों में अनाधिकृत रुप से शिक्षक-कर्मियों के गायब रहने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। विभागीय आदेश पर जिला स्तर से निर्धारित रोस्टर के अनुसार स्कूलों का प्रतिदिन औचक निरीक्षण जारी है। इस सिलसिले में 20 अप्रैल को सीतामढ़ी जिले के बथनाहा, डुमरा, परसौनी, सोनबरसा और सुरसंड में चले औचक निरीक्षण में पांच शिक्षक-कर्मी बिना सूचना स्कूल से अनुपस्थित पाए गए थे। उसके बाद निरीक्षण पदाधिकारी ने वरीय पदाधिकारी को रिपोर्ट कर दिया।

औचक निरीक्षण में बिना सूचना स्कूल में अनुपस्थित पाए गए जिन पांच शिक्षक-कर्मी की सूची डीईओ द्वारा विभाग को भेजी गई है। उनमें बथनाहा के मवि. कमलदह की शिक्षिका चंदा कुमारी, डुमरा के प्रावि. रामनगर की रीता कुमारी, परसौनी के उत्क्रमित उवि. परसौनी खिरोधर की सुनीता कुमारी, सोनबरसा के प्रावि. राजवाड़ा अनुसूचित जाति टोल की मीना कुमारी और सुरसंड के उमावि. डाढ़ाबारी की शिखा कुमारी शामिल हैं।

इस मामले में डीईओ ने संबंधित बीईओ और निरीक्षण अधिकारी की रिपोर्ट पर गायब पाए गए शिक्षक-कर्मियों का एक दिन का वेतन कटौती करते हुए इसकी सूचना विभाग को भेज दी है। साथ ही बिना सूचना अनुपस्थित रहने के मामले में स्पष्टीकरण पूछा गया है। बताया गया है कि अब राज्य स्तर से विभाग के माध्यम से ही संबंधित शिक्षकों पर आगे कार्रवाई होनी है। ऐसी स्थिति में अब अनाधिकृत रुप से स्कूल से गायब रहने वाले शिक्षकों की खैर नहीं है। जानकारों की मानें तो राज्य स्तर पर विभाग द्वारा संबंधित शिक्षक-कर्मियों को कार्रवाई मुक्त करना काफी लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।

राजद एमएससी की फिसली जुबान

उर्मिला ठाकुर ने चिराग पासवान की मां पर की अभद्र टिप्पणी

हाजीपुर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल की एमएससी उर्मिला ठाकुर ने चिराग पासवान की मां को लेकर विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने चिराग पासवान की मां को 'दूसरे का घर उजाड़ने वाली' कहकर संबोधित किया है। इसके अलावा उन्होंने चिराग पासवान को बिना पूंछ वाला हनुमान भी बता दिया है। दरअसल, एमएलसी उर्मिला ठाकुर हाजीपुर में महागठबंधन के उम्मीदवार शिवचंद्र राम के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंची थीं। जहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राजद नेता ने चिराग पासवान की मां पर अमर्यादित टिप्पणी की।

एमएलसी उर्मिला ठाकुर ने कहा कि चिराग पासवान ने गरीबी नहीं देखी है। उनका पालन-पोषण जहां पर हुआ है, वहां गरीबी नहीं थी।

वहीं, चिराग पासवान की मां को निशाना बनाते हुए एमएलसी ने कहा कि 'दूसरे का घर उजाड़ने वाली मां, दूसरे का दर्द क्या समझ सकती है।' इसके साथ ही राजद एमएलसी उर्मिला ठाकुर ने चिराग पासवान के एनडीए गठबंधन में होने पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि जिस समय इनको घर से निकाल गया था, उस समय वह रो रहे थे। लेकिन अब एनडीए की गोद में यह डर कर बैठे हुए हैं। ईडी और सीबीआई के डर से वह गोद में बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा जो डर गया, वह मर गया। इससे पहले जमुई लोकसभा क्षेत्र का एक वीडियो पिछले दिनों खूब वायरल हुआ था। उसमें लोजपा रामविलास नेता चिराग पासवान की मां को कथित तौर पर गाली दी जा रही थी। दावा किया गया था कि वह पूरा वाकया बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव के सामने हुआ था।

गौरतलब है कि जैसे-जैसे देश में लोकसभा चुनाव की सरगर्मी तेज होती जा रही है, वैसे-वैसे नेताओं की जुबान भी फिसल रही है। इस समय नेता एक दूसरे के लिए अभद्र भाषा शैली का प्रयोग करने में लगे हुए हैं। एक-दूसरे पर निजी टिप्पणी भी की जा रही है। बड़े और लोकप्रिय नेता समुदाय विशेष को भी लक्ष्य बना रहे हैं, जिससे सामाजिक ताने-बाने में असंतोष भी है।

खेसारी लाल यादव ने नेताओं पर कसा तंज, कहा-

नेता के बेटा को कोई दिक्कत नहीं, परेशानी पब्लिक को है

पटना (एजेंसियां)।

खेसारी लाल यादव पटना पहुंचे, जहां वह नेताओं पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि अगर हम सभी मिलकर बिहार के विकास की बात नहीं करेंगे तो मुझे नहीं लगता कि बिहार के लिए कोई दूसरा आदमी बात करने के लिए नहीं आएगा। क्योंकि मजबूर हम ही हैं, परेशान हम हैं कोई नेता नहीं, नेता के बच्चे अच्छे से पढ़ ही लेते हैं, नेता के बच्चे ए.सी में रहते ही हैं, नेता के बच्चों के पास पैसों की भी कोई कमी नहीं रहती है, उनके हेल्थ का भी कोई इश्यू नहीं है. क्योंकि जब उनके पास पैसा है तो उनके हेल्थ का कभी कोई इश्यू नहीं होता।

इश्यू हमारे बिहार के लोगों के लिए है, जिनके पास रोजगार नहीं है। जब अपने बच्चों को पढ़ने के लिए पैसे नहीं हों, तो हमें लगता है कि रोजगार के लिए हमें खुद ही कमाना पड़ेगा। हमारी गलती है कि हम किसी नेता से आशा करते हैं या उन पर हम आश्रित हो जाते हैं। खेसारी ने कहा कि खुद की बेहतरी के लिए खुद ही मेहनत करना चाहिए।

खेसारी लाल यादव ने पवन सिंह को जीत के लिए बधाई देते हुए कहा कि मेरी शुभकामनाएं हैं जितने भी लोग हैं सभी लोग जीते। और सब लोग बिहार के विकास के लिए काम करें। खेसारी ने कहा कि चुनाव में हारना जीतना मायने नहीं रखता है। मायने तो विकास का है जिसमें शिक्षा जरूरी है। खेसारी ने कहा कि अब तक हमने कितने नेताओं को देखा है लेकिन बिहार को बदलते हुए नहीं देखा है। मेरी शुभकामना है अपने भाई पवन सिंह के साथ। वह जल्दी संसद भवन में जाकर हमारे भाषा के लिए, सिनेमा के लिए शिक्षा के लिए और लोगों के रोजगार के लिए आवाज़ उठाएं,, उन्हें मेरी जहां जरूरत होगी मैं उनको मदद करूंगा।

पवन सिंह के प्रचार में जाने के सवाल पर खेसारी ने कहा कि अगर वह (पवन) मुझे बुलाएंगे तो जरूर जाएंगे और क्योंकि बिना बुलाए मैं अपने घर भी नहीं जाता। तेजस्वी यादव को सपोर्ट करने के सवाल पर खेसारी ने कहा कि जिसकी विचारधारा अच्छी होती है, मेरे लिए न तो जाति मायने रखता है और न ही कोई नेता मायने नहीं रखता है। न मेरा संबंध मायने रखता है। सबसे ऊपर हमारे बिहार का विकास है और उससे भी ऊपर हमारे बिहार की जनता। सबसे बढ़कर हमारी जनता है जिन्होंने मुझे बनाया है इसलिए जो जनता की बात करेगा और जो जनता के विकास की बात करेगा उसके पक्ष में खड़ा रहूंगा।

सड़क पर खड़े ट्रक से टकराई कार, बिहार में दादा-पोता समेत तीन की मौत

तीन बच्चों सहित पांच जख्मी

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज में छपरा से तिलक चढ़ा कर लौट रहे तीन लोगों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि परिवार के ही सात अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है।

मृतक की पहचान गोपालगंज जिले की सिधवलिया थाना क्षेत्र के बुचेया काली टोला गांव निवासी परमेश्वर राम के पुत्र श्रेयांश कुमार (3), सूरज राम (65) और छपरा जिले के गोरियाकोठी

गांव निवासी शंकर कुमार (25) शामिल हैं। इनमें सूरज राम रियांश के दादा और शंकर बच्चा के मामा थे। सभी लोग तिलक समारोह से छपरा से लौट रहे थे। घटना गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के खैरा आजम गांव के पास की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तीनों शवों को लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया।

सिधवलिया थाना क्षेत्र के बुचेया गांव निवासी रमाकांत राम की पुत्री की शादी छपरा जिले के सिसवा गांव में तय हुई थी। तय तिथि के मुताबिक सोमवार को सभी लोग तिलक चढ़ाने के लिए कार से छपरा जिले के सिसवा गांव गये थे।

तिलक चढ़ाकर अपने गांव लौटने के क्रम में कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसमें तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसी दौरान सात घायलों में दो की स्थिति नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें गोपालगंज से बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर किया गया है। वहीं अन्य सात लोग घायल हो गए। कार में 10 लोग सवार थे।

घटना में जख्मी सात लोगों को तत्काल ही इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने परमेश्वर राम की बेटी प्रीति (12) और मजिस्टर राम के बेटे गोविंद कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। वहीं रमाकांत राम का बेटा सचिन कुमार, स्वर्गीय जगदीश राम का बेटा राजा कुमार, परमेश्वर राम की बेटी सिमरन (7), बेटा ऋषभ (6) और बेटी प्रिंसी (8) पूरी तरह से जख्मी हो गए हैं, जिनका इलाज सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है।

घर में अचानक आग लगने से तीन लोग झुलसे, इलाज के दौरान महिला की मौत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुजफ्फरपुर में देर रात को आग लगने की घटना में तीन लोग झुलस गए। इस हादसे में महिला को बचाने गई बेटी और एक पड़ोसी भी झुलस गए। वहीं, महिला ने इलाज के दौरान में दम तोड़ दिया। घटना जिले के सरैया थाना क्षेत्र के बखरा ब्रह्मपुरा गांव की है। जहां देर रात को एक घर में आग के बाद पड़ोसी का घर भी चपेट में आ गया। इससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। वहीं, घटना के बाद आसपास के लोग आग पर काबू पाने में जुटे रहे।

जानकारी के मुताबिक, बखरा ब्रह्मपुरा गांव में सोमवार की देर रात एक घर में आग लग गई। इस दौरान एक महिला अपने घर में फंसी हुई रह गई, जिसके बाद पड़ोसी महिला को बचाने के लिए आग के बीच घुस गया और महिला की बेटी तथा पति भी घुस गया।

लेकिन आग की तेज लपटों में सभी अंदर फंस गए। उसके बाद किसी तरह महिला को आग से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में सभी को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद झुलसी महिला को बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में भेजा गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। महिला की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया और चीख-पुकार मच गई। आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची सरैया थाना पुलिस और फायरब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। इस दौरान आग से घर का सामान जलकर खाक हो गया। जबकि तीन लोग झुलस गए, जिनमें से महिला की मौत हो गई। हालांकि अन्य दो लोगों की हालत ठीक है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराए जाने के लिए भेजा है और मामले की जांच में जुटी हुई है।

सीएम नीतीश कुमार के सामने लगे पप्पू यादव जिंदाबाद के नारे

पूर्णिया (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने ही पप्पू यादव के समर्थकों ने पप्पू यादव जिंदाबाद के खूब नारे लगाये। यह उस समय हुआ जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्णिया के रूपौली विधान सभा अंतर्गत भवानीपुर में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। सीएम नीतीश कुमार हेलीपैड के पास से भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कार्यक्रम स्थल पर जन सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इसी दौरान निर्दलीय उम्मीदवार राजेश रंजन के समर्थक पप्पू यादव जिंदाबाद का नारा लगाने लगे।

नीतीश कुमार जनसभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन से राजद समर्पित उम्मीदवार बीमा भारती पर जमकर हमला बोला है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमसे मिली तो पहले बोल नहीं पाती थी, हमने बोलना सिखाया। उसे पहले विधायक और फिर अब मंत्री बनाने की जिद कर रही थी। मंत्री बनाने से हमने इंकार कर दिया तो इधर से उधर चली गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जाती हैं तो जाए, हम थोड़े ही रोकेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू परिवार पर जमकर निशाना साधे। उन्होंने कहा कि जिन्हें मौका मिला वह काम नहीं किए, सिर्फ परिवार में लगे रहे। साथ ही तेजस्वी यादव पर भी खूब बरसे। उन्होंने कहा कि नया लड़का वोट मांगने जा रहा है, जो काम सरकार ने किया है उसे याद रखिएगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी उपलब्धियां गिनवाते हुए कहा कि हमने साइकिल, पोशाक, छात्रवृत्ति शुरू की। पुरानी बात मत भूलिए। पहले सरकार हिंदू-मुस्लिम में लड़वाती थी, जब मेरी सरकार बनी कभी कोई हिंदू-मुस्लिम आपस में भिड़ा ? बिहार में ये स्थिति सुधरी, आगे बिहार को और बदलना है। ग्रामीण के बाद अब शहरी क्षेत्र में जीविका दीदी को जोड़ेंगे। 2020 से हमने कोशिश की 10 लाख नौकरी और रोजगार देने की 4 लाख नौकरी दी। 1 लाख और नौकरी पर काम चल रहा है। जरूरत पड़ी तो और 10 लाख नौकरी देंगे। प्रारंभिक शिक्षक नियोजन में 50 फीसदी आरक्षण दिया। देश में कहीं पंचायती राज में 50 फीसद आरक्षण कहीं नहीं था। इसे मैंने संभव किया। बिहार में 30 हजार महिला पुलिस हैं, ये संख्या देश में कहीं नहीं है। सरकारी नौकरी में भी 35 फीसद आरक्षण दिया। बालिका शिक्षा से प्रजनन दर में कमी आई। वहीं संबोधन एनडीए से जेडीयू प्रत्याशी संतोष कुशवाहा को माला पहनाकर वोटिंग की अपील की।

सीएम नीतीश कुमार ने पूर्णिया में किए गए कार्यों को गिनाते नजर आए। उन्होंने कहा कि पूर्णिया एयरपोर्ट के काम में देरी हो रही थी, 52 एकड़ जमीन भी उपलब्ध कराई। जल्द ही पूर्णिया एयरपोर्ट का काम पूरा होगा। हमने न सिर्फ शहर का बल्कि गांव की तस्वीर भी बदली है। सभी पंचायतों में पंचायत भवन बनवाया। कोई एक नहीं, पूरा बिहार मेरा परिवार है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com